MOU Holder and Distributors
RN METALS Pvt. Ltd
Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MINISO
Please visit store nearest to you at these locations :
IRRUMMANZIL (L&T MALL)
MOOSARAMBAGH (L&T MALL)
KOMPALLY (TNR PLAZA)

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2026-28 । सोमवार, 11 मई, 2026 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 12 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-8 । अंक-128

सोना नहीं... सावधान!

गोल्ड मत खरीदो- तेल बचाओ

हैदराबाद, 10 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सिकंदराबाद (तेलंगाना) स्थित परेड ग्राउंड में एक विशाल जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने मिडिल ईस्ट में जारी जंग के असर को लेकर कई अहम बातें कहीं। उन्होंने यूक्रेन युद्ध का भी जिक्र किया और बताया कि जंग का भारत पर भी गंभीर प्रभाव पड़ रहा है। प्रधानमंत्री ने लोगों से अपील की कि वे एक साल तक शादियों के लिए सोना न खरीदें।

बता दें कि मिडिल ईस्ट में जारी जंग के चलते कच्चे तेल की कीमतों में उछाल देखा जा रहा है। वहीं, सोना-चांदी के दाम भी लगातार बढ़ रहे हैं। इस बीच प्रधानमंत्री ने लोगों से अपील की है कि सोना खरीदने से बचें। इस मौके पर प्रधानमंत्री ने करीब 9,400 करोड़ रुपये की विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास भी किया। इनमें सड़क, रेलवे, औद्योगिक और बुनियादी ढांचे से जुड़ी परियोजनाएं शामिल हैं।

पीएम मोदी ने इस दौरान कहा कि मैं लोगों से अपील करता हूं कि वे 1 साल तक शादियों के लिए सोना न खरीदें। इसके साथ ही उन्होंने जनसभा को संबोधित करते हुए कोरोना काल का भी जिक्र किया।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, कोरोना काल के दौरान हमने वर्क फ्रॉम होम, ऑनलाइन मीटिंग्स और वीडियो कॉन्फ्रेंस जैसी व्यवस्थाओं को अपनाया था। धीरे-धीरे हम इनकी आदत भी डाल चुके थे। आज समय की मांग है कि हम उन व्यवस्थाओं को फिर से प्राथमिकता दें।

प्रधानमंत्री मोदी ने बताया कि पिछले दो महीनों से हमारे पड़ोस में जंग चल रही है, जिसका असर दुनिया के साथ-साथ भारत पर भी पड़ा है। उन्होंने कहा कि भारत के पास बड़े पैमाने पर तेल के भंडार नहीं हैं और युद्ध के चलते पेट्रोल-डीजल आदि के दाम आसमान छू रहे हैं।

उन्होंने कहा कि मौजूदा परिस्थितियों में विदेशी मुद्रा बचाने पर विशेष जोर देने की जरूरत है, इसलिए ईंधन की बचत करना हम सभी की जिम्मेदारी है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि नागरिकों पर बोझ न पड़े, इसके लिए सरकार खुद पूरा भार उठा रही है। हमें इस संकट का सामना एकजुट होकर करना होगा।

दुनिया इस समय बड़े सप्लाई चेन संकट से गुजर रही है। यूक्रेन युद्ध ने वैश्विक कठिनाइयों को और बढ़ा दिया है।मोदी ने बताया कि पिछले 5-6 सालों से हमारी सरकार इस संकट से निपटने के लिए लगातार कोशिश कर रही है। विश्वभर में फर्टिलाइजर की एक बोरी लगभग 3000 रुपये में बिक रही है, जबकि भारत के किसानों को वही बोरी 300 रुपये से भी कम में उपलब्ध कराई जा रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सिकंदराबाद में कांग्रेस और टीएमसी पर निशाना साधते हुए कहा, इस देश में कांग्रेस ने ▶10 पर

मोदी विस्फोटक मचा हड़कंप

बेंगलुरु के बाहरी इलाके में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यक्रम स्थल के पास सड़क किनारे से जिलेटिन की दो छड़ें (विस्फोटक) बरामद की गईं। इसके बाद सुरक्षा अधिकारियों के बीच हड़कंप मच गया। आनन-फानन में सुरक्षा अधिकारियों ने उपायों को बढ़ा दिया और विस्फोटकों के स्रोत की पुलिस जांच शुरू की गई।मामले की अधिक जानकारी देते हुए पुलिस ने बताया कि कग्गलीपुरा थाना क्षेत्र के तातागुनी के पास नियमित सुरक्षा जांच के दौरान जिलेटिन की छड़ें मिलीं, जो प्रधानमंत्री के यात्रा कार्यक्रम से जुड़े मार्ग से ज्यादा दूर नहीं है।

पीएम मोदी बेंगलुरु में कनकपुरा रोड पर स्थित आर्ट ऑफ लिविंग सेंटर के 45वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में शिरकत करने पहुंचे थे। पुलिस ने एक बयान में कहा, रविवार सुबह प्रधानमंत्री के आगमन से पहले, जांच के दौरान, मुख्य कार्यक्रम स्थल से लगभग तीन किलोमीटर दूर एक फुटपाथ के किनारे दो जिलेटिन छड़ मिलीं। विस्तृत जांच जारी है।इस बरामदगी के बाद सुरक्षा एजेंसियों को तत्काल अलर्ट जारी कर दिया गया और पुलिस, बम निरोधक दस्ते तथा फॉरेंसिक कर्मी विस्फोटक सामग्री की जांच के लिए घटनास्थल पर पहुंचे। पुलिस सूत्रों ने बताया कि एक व्यक्ति को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया है।

तेलंगाना में भ्रष्टाचार पर मोदी का तगड़ा प्रहार

रेवंत की बोलती बंद

हैदराबाद, 10 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। प्रधानमंत्री मोदी ने हैदराबाद में 9,400 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं की आधारशिला रखी और उद्घाटन किया। पीएम मोदी ने रविवार को हैदराबाद के एचआईसीसी में डिजिटल माध्यम से विकास परियोजनाओं का उद्घाटन किया। इस अवसर पर तेलंगाना के राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल, मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी, केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी, बंडी संजय और कई अन्य नेता हैदराबाद अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन केंद्र में उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में बोलते हुए प्रधानमंत्री ने तेलंगाना सरकार में भ्रष्टाचार को लेकर सीएम रेवंत रेड्डी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि वह गुजरात की तरह तेलंगाना को भी पैसा देने के लिए तैयार हैं, लेकिन यहां आते-आते पैसा आधा हो जाता है। पीएम मोदी की इस बात पर तेलंगाना सीएम हंसते हुए देखे गए।

पीएम मोदी ने कई परियोजन-ाओं की आधारशिला रखीं, जिसमें हैदराबाद-पणजी आर्थिक गलियारे पर गुडेबेल्लूर से महबूबनगर तक राष्ट्रीय राजमार्ग-167 को चार लेन बनाना शामिल है। उन्होंने रेलवे की काजीपेट-विजयवाड़ा मल्टी-ट्रैकिंग परियोजना के विभिन्न खंडों, हैदराबाद में ग्रीनफील्ड पीओएल (पेट्रोलियम, तेल, लुब्रिकेंट्स) टर्मिनल, काजीपेट रेल अंडर रेल बाईपास और वरंगल में पीएम मित्र पार्क (काकतीय मेगा टेक्सटाइल पार्क) का उद्घाटन भी किया। लगभग 1,700 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से विकसित काकतीय मेगा टेक्सटाइल पार्क भारत का पहला पूरी तरह से कार्यशील पीएम मित्र पार्क है।

राज्यों के विकास के बिना देश की प्रगति संभव नहीं

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, भारत आज सुधार एक्सप्रेस पर सवार है, आधुनिक बुनियादी ढांचे का निर्माण भी कर रहा है। तेलंगाना में विकास परियोजनाओं की आधारशिला रखे जाने और उद्घाटन से नौकरियों के हजारों अवसर पैदा होंगे। राज्यों के विकास के बिना देश की प्रगति संभव नहीं है। पीएम ने कहा कि वह तेलंगाना के प्रत्येक परिवार को आश्वस्त करना चाहते हैं कि केंद्र सरकार उनके सपनों को साकार करने के लिए और अधिक तेजी से काम करती रहेगी।

भारत के पहले पीएम मित्र पार्क का उद्घाटन

पीएम ने वरंगल में 1,695.54 करोड़ रुपये की लागत से विकसित भारत के पहले पीएम मित्र पार्क का उद्घाटन किया। कपड़ा मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि यह पार्क भारत में कपड़ा क्षेत्र के विकास में प्रमुख भूमिका निभाने के लिए तैयार है। इसमें 6,000 करोड़ रुपये से अधिक के निवेश की उम्मीद है और इसकी 62 प्रतिशत भूमि पहले ही आवंटित की जा चुकी है। बयान के अनुसार 1,327 एकड़ में फैला यह पार्क कपड़ा मूल्य शृंखला में बड़े पैमाने पर अवसर पैदा करने के लिए तैयार है। इससे 24,400 से अधिक प्रत्यक्ष रोजगार मिलने की उम्मीद है, जबकि हजारों नौकरियां पहले ही सृजित की जा चुकी हैं।

सरकार ने सात राज्यों - कर्नाटक, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, तमिलनाडु, तेलंगाना, उत्तर प्रदेश और गुजरात में एक-एक पीएम मित्र पार्क स्थापित करने की मंजूरी दी है। ▶10 पर

असम में हिमंता शपथ कल

केरलम में वेणुगोपाल

गुवाहाटी/तिरुवनंतपुरम, 10 मई (एजेंसियां)। 4 मई को 5 राज्यों के चुनावों के रिजल्ट आने के बाद बंगाल और तमिलनाडु में नए सीएम की शपथ हो चुकी है। पुडुचेरी और असम में सीएम का नाम और शपथ की तारीख तय हो गई है, लेकिन 6 दिन बाद भी केरलम में पूर्ण बहुमत पाने वाले कांग्रेस के गठबंधन ने अपने सीएम के नाम का ऐलान नहीं किया है। कांग्रेस के संगठन महासचिव के.सी. वेणुगोपाल, पिछले विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष वी.डी. सतीशन और 6 बार के विधायक रमेश चेन्निथला यहां मुख्यमंत्री की रेस में सबसे आगे चल रहे हैं। 6 मई को कांग्रेस ने मुकुल वासनिक और अजय माकन को पर्यवेक्षक बनाकर केरलम भेजा था। बैठक के बाद उन्होंने कहा कि हमने सभी विधायकों से बात कर ली है। दावा किया जा रहा है कि आलाकमान को सौंपी गई इस रिपोर्ट में विधायकों ने के.सी. वेणुगोपाल के नाम पर मुहर लगाई है।

रिपोर्ट के मुताबिक, कांग्रेस के 63 विधायकों में 75-80% ने के.सी. वेणुगोपाल को समर्थन दिया। वेणुगोपाल के सीएम बनने पर इरिक्कूर से चुनाव जीते सनी जोसेफ अपनी सीट से इस्तीफा दे सकते हैं। इससे वेणुगोपाल के सीएम बनने के बाद इस सीट से चुनाव लड़कर विधायक का चुनाव लड़ेंगे। रिपोर्ट्स के मुताबिक, बैठक में वी.डी. सतीशन को महज 6 विधायकों का समर्थन मिला। हालांकि, बैठक के बाद तीन पूर्व प्रदेश अध्यक्षों ने सतीशन के नाम का समर्थन किया है। इसके अलावा यूडीएफ के सहयोगी दल आईयूएमएल और केरलम कांग्रेस (जोसेफ) ने खुले तौर पर सतीशन को समर्थन दिया है।

असम में हिमंता की शपथ मंगलवार को

रविवार को असम में बीजेपी की विधायक दल की बैठक हुई, इसमें हिमंता बिस्वा सरमा को फिर विधायक दल का नेता चुना गया। हिमंता 12 मई को सुबह 11 बजे लगातार दूसरी बार राज्य के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे। वहीं पुडुचेरी में एन. रामास्वामी 13 मई को शपथ लेंगे।

शपथ ग्रहण समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, भाजपा के शीर्ष नेतृत्व और एनडीए के कई वरिष्ठ नेताओं के शामिल होंगे। हिमंता की ताजपोशी उत्तर-पूर्व में पार्टी की पैठ को और मजबूत करने के रूप में देखी जा रही है। असम बीजेपी के अध्यक्ष दिलीप सैकिया ने कहा- हम दोपहर तक सरकार बनाने के अपने दावे के बारे में राज्यपाल को सूचित कर देंगे। 12 तारीख को होने वाले शपथ ग्रहण समारोह की तैयारियां चल रही हैं। यह एक ऐतिहासिक पल होगा, क्योंकि पीएम मोदी की उपस्थिति में हिमंता 102 विधायकों के साथ शपथ लेंगे।

वंदेमातरम् पर महाभारत

तमिलनाडु में पालन, बंगाल में क्यों नहीं?

चेन्नई, 10 मई (एजेंसियां)। तमिलनाडु विधानसभा चुनाव 2026 जीतकर सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी तमिलगा वेत्री कझगम ने राज्य में नई सरकार का गठन कर लिया है और टीवीके प्रमुख सी. जोसेफ विजय ने तमिलनाडु के नए मुख्यमंत्री के तौर पर रविवार (10 मई, 2026) को शपथ ग्रहण भी कर लिया है। थलपति विजय के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ग्रहण के भव्य समारोह में हजारों की संख्या में समर्थक और प्रशंसक शामिल हुए। हालांकि, इस समारोह की सबसे खास बात यह थी कि इसकी शुरुआत राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम् के पूर्ण संस्करण के साथ की गई, न कि राज्य के आधिकारिक गीत तमिल थाई वाझ्थु से, जो आज से पहले आमतौर पर होता आया है। दरअसल, इस कदम को भारतीय जनता पार्टी के लिए एक मैसेज की तरह देखा जा रहा है, जिसका संबंध केंद्रीय गृह मंत्रालय के उस निर्देश से है, जिसमें यह कहा गया था कि किसी भी औपचारिक और सरकारी कार्यक्रम की शुरुआत से पहले राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम् का पूर्ण संस्करण गाया जाना अनिवार्य किया गया है।

तीनों गीत गाए गए

विजय के शपथ ग्रहण में राष्ट्रीय गीत, राष्ट्रगान और राज्यकीय गीत तीनों गाए गए। टीवीके चीफ सी. जोसेफ विजय के तमिलनाडु के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ग्रहण से पहले समारोह की शुरुआत में राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम्, इसके बाद राष्ट्रगान जन गन मन और अंत में राज्य का आधिकारिक गीत तमिल थाई वाझ्थु तीनों गाए गए। इसके बाद थलपति विजय ने औपचारिक रूप से मुख्यमंत्री पद का शपथ ग्रहण किया।

राहुल गांधी ने कड़ी आलोचना की

केंद्र ने जवाहरलाल नेहरू पर राष्ट्रीय गीत के अनुच्छेदों का हटाने का लगाया था आरोप। उल्लेखनीय है कि थलपति विजय के शपथ ग्रहण समारोह के दौरान लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी मंच पर उनके बगल में खड़े थे। ▶10 पर

विजय बने थलाइवर

शपथ समारोह में राहुल संग दिखा बॉन्ड

दक्षिण भारतीय सिनेमा के सुपरस्टार से राजनेता बने जोसेफ चंद्रशेखर विजय ने रविवार को तमिलनाडु के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेकर राज्य की राजनीति में एक नये युग की शुरुआत कर दी है।

इस ऐतिहासिक राज्याभिषेक पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने उन्हें विशेष रूप से बधाई देते हुए राज्य के विकास के लिए मिलकर काम करने की इच्छा जतायी है। इनके अलावा कई दिग्गज नेताओं और अभिनेताओं ने उन्हें बधाई दी है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी, आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री नारा चंद्रबाबू नायडू और दिग्गज अभिनेता और नेता कमल हासन ने भी विजय को मुख्यमंत्री पद की जिम्मेदारी संभालने पर अपनी शुभकामनाएं प्रेषित की हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने अपने बधाई संदेश में विश्वास जताया है कि श्री विजय के नेतृत्व में तमिलनाडु प्रगति की नयी ऊंचाइयों को छुएगा। श्री गांधी ने उन्हें शुभकामनाएं देते हुए कहा कि जनता ने जिस भरोसे के साथ उन्हें सत्ता सौंपी है, वह लोकतंत्र की जीत है। पड़ोसी राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने भी इस अवसर पर गर्मजोशी दिखाई। ▶10 पर

खबरें जो सोच बदल दे शुभ लाभ हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

अब नेपाल में सड़क मार्ग से प्रवेश करने पर पहचान पत्र दिखाना अनिवार्य

काठमांडू

भारत-नेपाल सीमा नाका पर सुरक्षा निगरानी अचानक बढ़ा दी गई है। साथ ही भारत से नेपाल में प्रवेश करने वालों के लिए पहचान पत्र दिखाना अनिवार्य कर दिया गया है। राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद की बैठक ने सीमा क्षेत्र में अवैध घुसपैठ और आपराधिक गतिविधियों को नियंत्रित करने के उद्देश्य से यह निर्णय लिया है।

भारत के पश्चिम बंगाल में भाजपा की सरकार बनने के बाद वहां अवैध रूप से रह रहे रोहिंग्या और बांग्लादेशी नागरिकों के नेपाल में प्रवेश करने की संभावना के मद्देनजर घुसपैठ रोकने के लिए सुरक्षा परिषद ने यह निर्णय लिया है।

हालांकि गृह मंत्रालय की प्रवक्ता रमा आचार्य ने कहा कि यह निर्णय पूरी तरह नेपाल की सुरक्षा सतर्कता के तहत लिया गया है। उन्होंने कहा, यह दोनों देशों के बीच वार्ता के बाद लिया गया फैसला नहीं है। नेपाल की सीमा पर सुरक्षा कड़ी करने और अवैध घुसपैठ की आशंका को देखते हुए जांच बढ़ाने के उद्देश्य से यह कदम उठाया गया है।

नेपाल के सुरक्षा बलों और प्रशासन को आशंका है कि पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनने के बाद वहां से रोहिंग्या और बांग्लादेशी मुसलमान नेपाल में प्रवेश करने की कोशिश कर सकते हैं नेपाल के इंटेलिजेंस विभाग को लगातार यह इनपुट मिल रहा है कि भाजपा सरकार बनने के बाद रोहिंग्या मुसलमानों का विस्थापन बढ़ सकता है। इसी के मध्यनजर नेपाल पक्ष सतर्कता बढ़ा रहा है। नेपाल पुलिस के स्पेशल सेल के एक अधिकारी ने कहा, पश्चिम बंगाल में भाजपा की सरकार बनने के बाद वहां अफरा-तफरी जैसी स्थिति बताई जा रही है। भारतीय मीडिया में ऐसे वीडियो दिखाए जा रहे हैं, जिनमें मुस्लिम समुदाय के लोग सिर पर सामान लेकर भागते नजर आ रहे हैं। यह कितना सही है, यह स्पष्ट नहीं है, लेकिन खबरें लगातार आ रही हैं।

प्रशासन को आशंका है कि पश्चिम बंगाल के कोलकाता और हावड़ा से बिहार के जोगबनी आने वाली रेल सेवाओं के जरिए रोहिंग्या नेपाल में प्रवेश कर सकते हैं। नेपाल के गृह मंत्रालय ने भारत से लगी सभी सीमाओं पर सतर्कता बढ़ा दी है और नेपाल प्रवेश करने वाले प्रत्येक नागरिक से अनिवार्य रूप से फोटो परिचय पत्र देख कर ही प्रवेश की अनुमति दी जा रही है। नेपाल और बंगाल तथा उससे सटे बिहार की सीमा से आने वाले लोगों पर विशेष निगरानी रखी जा रही है। हालांकि प्रशासन ने इसे कूटनीतिक मुद्दे के बजाय आंतरिक सुरक्षा रणनीति का हिस्सा बताया है। रेल आने के समय विशेष निगरानी बढ़ाने की योजना बनाई गई है। एक साथ 500 से 1,000 लोगों के आने की स्थिति में विशेष रूप से पहचान पत्र जांच की व्यवस्था की गई है। इसके अलावा सीमा पर अवैध घुसपैठ रोकने के लिए प्रशिक्षित कुत्तों का भी इस्तेमाल किया जा रहा है। प्रशासन का कहना है कि इस अभियान का एक अन्य उद्देश्य फरार कैदियों की आवाजाही रोकना भी है। नेपाल के गृह प्रशासन के अनुसार, नेपाल के लगभग 500 फरार कैदी भारत की ओर गए हुए हैं। उनके आने-जाने की आशंका को देखते हुए भी सुरक्षा निगरानी बढ़ाई गई है।

न्यूज ब्रीफ

नेपाल ने देउवा दंपति के खिलाफ रेड कार्नर नोटिस जारी करने के लिए अतिरिक्त दस्तावेज इंटरपोल को सौंपे

काठमांडू। देश के पूर्व प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउवा और उनकी पत्नी तथा पूर्व विदेश मंत्री डा. आरजू राणा देउवा के खिलाफ इंटरपोल का रेड कार्नर नोटिस जारी करने के लिए नेपाल ने अतिरिक्त दस्तावेज सौंप दिए हैं। पुलिस मुख्यालय के अनुसार, इंटरपोल द्वारा मांगे गए अतिरिक्त दस्तावेज भेज दिए गए हैं। इंटरपोल ने नेशनल सेंट्रल ब्यूरो से रेड कार्नर नोटिस जारी करने के लिए अतिरिक्त दस्तावेज मांगे थे। ब्यूरो के एसएसपी रहे सुरेश काफ्ले के मुताबिक इंटरपोल के ई-मेल संचार के बाद हाल ही में अतिरिक्त कागजात भेजे गए। काठमाडू जिला अदालत ने 6 अप्रैल को देउवा दंपति के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया था। इसके बाद उन्हें नेपाल वापस लाने के उद्देश्य से कानूनी प्रक्रिया शुरू की गई है। जब गिरफ्तारी वारंट जारी हुआ, उस समय देउवा दंपत्ति पहले से ही विदेश में थे। बताया गया है कि वे 26 फरवरी को चुनाव से पहले उपचार के लिए सिंगापुर गए थे और बाद में 21 मार्च को हांगकांग पहुंचे। देउवा दंपति अब तक नेपाल नहीं लौटे हैं और फिलहाल हांगकांग में ही रह रहे हैं। यदि इंटरपोल रेड कार्नर नोटिस जारी करता है, तो उसके 196 सदस्य देशों की कानून प्रवर्तन एजेंसियां देउबा दंपति को हिरासत में ले सकती हैं, जिसके बाद उन्हें नेपाल वापस लाने के लिए कानूनी प्रत्यर्पण प्रक्रिया शुरू की जा सकती है।

पहले फेल हुए ट्रंप अब शुरू करेंगे प्रोजेक्ट फ्रीडम प्लस

वाशिंगटन। होर्मुज जलडमरूमध्य में अमेरिका और ईरान के बीच टकराव अब और गंभीर हो गया है। हाल ही में अमेरिकी सेना ने तीन ईरानी तेल टैंकरों पर कार्रवाई का खुलासा किया है, जिसके बाद ईरान ने भी अमेरिकी हमले में एक नागरिक जहाज को निशाना बनाने का आरोप लगाया है। इस घटना में एक नाविक की मौत हो गई और कई लापता हैं, जिससे दोनों देशों के बीच तनाव चरम पर पहुंच गया है। अमेरिकी नौसेना के लड़ाकू विमानों ने इन टैंकरों के स्मोकस्टैक पर सटीक हमले किए, जिससे वे निष्क्रिय हो गए। इससे पहले 6 मई को भी एमटी हसना नाम के एक अन्य ईरानी टैंकर को रोका गया था। अमेरिकी सेना का कहना है कि ये सभी कार्रवाई उसकी ब्लाकेड पालिसी का हिस्सा है और अब तक 50 से अधिक जहाजों को मोड़ा जा चुका है ताकि नाकेबंदी पूरी तरह लागू हो सके। हालांकि, इस घटनाक्रम का दूसरा पहलू भी है। ईरान ने आरोप लगाया है कि इसी अमेरिकी कार्रवाई के दौरान एक ईरानी नागरिक कार्गो जहाज भी हमले का शिकार हो गया। रिपोर्ट के मुताबिक, मिनाब काउंटी के पास हुए इस हमले में जहाज में आग लग गई, जिससे एक नाविक की जान चली गई और चार अन्य अब भी लापता हैं।

जन्नतुल मुअल्ला में दफन होने से होती है जन्नत की राह आसान

मक्का। पवित्र शहर में मस्जिद-ए-हराम के करीब एक ऐसा कब्रिस्तान मौजूद है, जिसकी उम्र हजार साल से भी अधिक बताई जाती है। यह कब्रिस्तान सिर्फ अपनी प्राचीनता के लिए ही नहीं, बल्कि यहां दफ़न की गई हस्तियों के कारण भी अत्यंत पूजनीय है। इस बेहद पवित्र कब्रिस्तान का नाम जन्नतुल मुअल्ला है, जिसे अल-हजून के नाम से भी जाना जाता है। यहीं पर पैगंबर मुहम्मद सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम की पहली पत्नी हजरत खदीजा रजि. अल्लाहु अन्हा, उनकी मां हजरत आमिना, दादा हजरत अब्दुल मुत्तलिब समेत अनेक सहाबा और इस्लाम के शुरुआती दौर के महत्वपूर्ण व्यक्तियों को अंतिम आरामगाह मिली है। मुसलमानों की मान्यता है कि इस कब्रिस्तान में दफन होने वाले लोगों को खास बरकत मिलती है और जन्नत की राह आसान होती है। जन्नतुल मुअल्ला की एक अनूठी प्रथा है, जो सदियों से चली आ रही है और इसकी एक खास वजह है। चूंकि यहां जगह सीमित है और लाखों मुसलमानों को समय के साथ दफनाया जा चुका है, इसलिए जब शरीर पूरी तरह सड़ जाता है, तो कब्र खोदकर हड्डियों को सम्मानपूर्वक इकट्ठा कर लिया जाता है। यह प्रक्रिया इस्लामी नियमों के अनुसार बेहद सम्मानजनक तरीके से की जाती है। इन हड्डियों को सुरक्षित स्थानों पर संभालकर रखा जाता है, जिससे नई लाशों को दफनाने के लिए जगह बनाई जा सके।

ईरान ने अमेरिका को चेताया, अगर होर्मुज में घुसे तो भुगतना होंगे गंभीर परिणाम

ट्रंप ने भी दी प्रोजेक्ट फ्रीडम फिर से शुरू करने की धमकी, ताजा झड़प के बाद बढ़ा तनाव

तेहरान

होर्मुज जलडमरूमध्य में ताजा झड़प के बाद अमेरिका और ईरान के बीच तनाव एक बार फिर बढ़ गया है। ईरान ने ताजा धमकी दी है कि अगर अमेरिका ने फारस की खाड़ी में दोबारा प्रवेश की कोशिश की तो उसे तबाह कर दिया जाएगा। ईरान की धमकी के बाद इस क्षेत्र में फिर से संघर्ष शुरू होने की संभावना तेज हो गई है। इस बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी ईरान के खिलाफ प्रोजेक्ट फ्रीडम को फिर से शुरू करने की धमकी दी है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक एक ईरानी सैन्य सूत्र ने ईरानी तेल टैंकरों पर अमेरिका के हमले को युद्धविराम का उल्लंघन और आतंकवाद बताया। सूत्र ने कहा कि फिलहाल इस क्षेत्र में कोई झड़प नहीं हो रही है, लेकिन अमेरिकी ने फारस की खाड़ी में दोबारा घुसने की कोशिश की तो उसे मुंहतोड़ जवाब मिलेगा। इसके पहले ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बाकेई ने एक्स पर एक पोस्ट में अमेरिका को चेतावनी दी। उन्होंने ईरान पर हमले को प्यार भरी थपकी से ज्यादा बताया। राष्ट्रपति ट्रंप ने ईरान पर अमेरिका के हमले को लव टैप कहा था। अमेरिका ने गुरुवार को ईरान के सैन्य ठिकानों पर हमले किए थे। अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने इस बारे में जानकारी देते हुए कहा था कि इन हमलों में ईरान के उन सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया जो अमेरिकी जंगी जहाजों पर हमला करने के लिए जिम्मेदार थे। इनमें मिसाइल और ड्रोन लान्च करने की जगहें, कमांड और कंट्रोल सेंटर शामिल थे। ईरान ने कहा कि अमेरिका ने नागरिक इलाकों पर हमले किए थे। इस बीच ट्रंप ने ईरान को जल्द डील पर हस्ताक्षर करने को कहा और चेतावनी दी कि अगर सब कुछ साइन नहीं हो पाता है तो हम कोई दूसरा रास्ता अपनाएंगे। अगर चीजें ठीक से नहीं हो पाती हैं तो हम प्रोजेक्ट फ्रीडम पर वापस जा सकते हैं। लेकिन यह प्रोजेक्ट फ्रीडम प्लस होगा, जिसका मतलब है कि प्रोजेक्ट फ्रीडम के साथ-साथ कुछ और चीजें भी होंगी।

विक्ट्री डे पर पुतिन के तेवरः यूक्रेन युद्ध को बताया न्यायसंगत, नाटो पर साधा निशाना

मास्को। रूस ने शनिवार को अपना वार्षिक विक्ट्री डे (विजय दिवस) बड़े पैमाने पर मास्को के रेड स्क्वायर पर सैन्य परेड के साथ मनाया, इसमें राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने यूक्रेन युद्ध को न्यायसंगत बताया और पश्चिमी सैन्य गठबंधन नाटो पर जमकर निशाना साधा। पुतिन ने भव्य समारोह में रूसी सैन्यकर्मियों को संबोधित कर कहा कि वह यूक्रेन के खिलाफ न्यायसंगत युद्ध लड़ रहे हैं, जिसे उन्होंने एक आक्रामक ताकत बताया। उन्होंने दावा किया कि यूक्रेन को नाटो के पूरे गुट से लगातार हथियार और समर्थन मिल रहा है। पुतिन ने अपने भाषण की शुरुआत दूसरे विश्व युद्ध के दौरान सोवियत संघ के सैनिकों के बलिदानों को याद करके की। उन्होंने नाजी जर्मनी पर सोवियत संघ की ऐतिहासिक जीत का जिक्र कर कहा कि जीतने वाली पीढ़ी का महान पराक्रम आज के विशेष सैन्य अभियान के लक्ष्यों को पूरा कर रहे सैनिकों को प्रेरित करता है। उनका यह बयान रूस के सबसे बड़े समारोहों में से एक में आया है, जो देश के लिए गहरा भावनात्मक और ऐतिहासिक महत्व रखता है। हालांकि, इस साल की परेड कई मायनों में अलग रही, जहां बीते कई वर्षों में पहली बार मास्को के रेड स्क्वायर पर बख्तरबंद वाहन या बैलिस्टिक मिसाइलें प्रदर्शित नहीं की गईं, जिससे हथियारों के प्रदर्शन में कमी साफ दिखी। पुतिन ने अपने भाषण में लोगों और सैनिकों के जोश और बलिदान की सराहना कर कहा कि देश का भविष्य उसके लोग ही बनाते हैं, चाहे सैन्य रणनीति कितनी भी बदल जाए, और वे नाटो के पूरे गुट की ओर से सशस्त्र और समर्थित आक्रामक बल का सामना कर रहे हैं, फिर भी उनके नायक आगे बढ़ रहे हैं। इस महत्वपूर्ण दिवस से ठीक पहले, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रूस और यूक्रेन के बीच 9 से 11 मई तक तीन दिवसीय संघर्ष विराम की घोषणा की थी, जिसमें सभी सैन्य गतिविधियों पर रोक और दोनों देशों के 1000-1000कैदियों की अदला-बदली भी शामिल है।

लेबनान के प्रधानमंत्री ने सीरिया के राष्ट्रपति से की मुलाकात

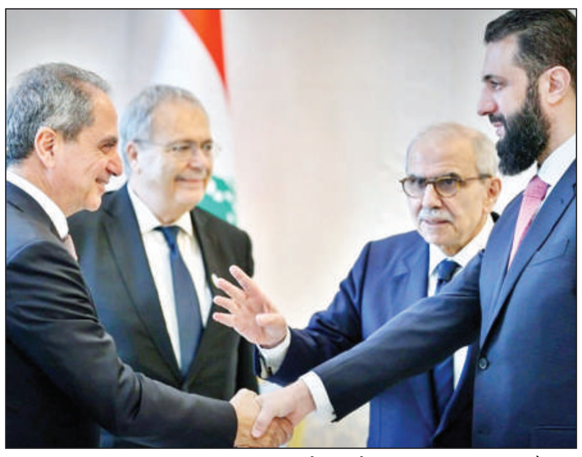

दमिश्क

सीरिया के राष्ट्रपति अहमद अल-शारा ने शनिवार को राजधानी दमिश्क स्थित पीपल्स पैलेस में लेबनान के प्रधानमंत्री नवाफ सलाम से मुलाकात की। इस अवसर पर दोनों देशों के मंत्रीस्तरीय प्रतिनिधिमंडल भी उपस्थित रहे। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य द्विपक्षीय संबंधों को सुदृढ़ करना और साझा हितों की पूर्ति के लिए आर्थिक एवं व्यापारिक सहयोग को आगे बढ़ाना था। यह जानकारी सीरिया की न्यूज एजेंसी सना की रिपोर्ट में दी गई।

इस रिपोर्ट के अनुसार, दोनों नेताओं ने क्षेत्रीय स्थिरता को मजबूत करने और विभिन्न चुनौतियों का सामना करने के लिए सुरक्षा समन्वय पर भी चर्चा की। दोनों पक्षों ने नवीनतम क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय घटनाक्रमों पर विचारों का आदान-प्रदान किया। अल जजीरा की रिपोर्ट के अनुसार, लेबनान के प्रधानमंत्री नवाफ सलाम सीरिया के राष्ट्रपति अहमद अल-शारा से एक साल पहले मिले थे। लेबनान और सीरिया में तब से बहुत कुछ बदल गया है।

अल जजीरा के अनुसार, दोनों नेताओं के बीच लेबनान में इजराइल की बढ़ती आक्रामकता पर भी चर्चा हुई। खास बात यह है कि सीरिया कभी ईरान और उसके सहयोगी हिजबुल्लाह के बीच जमीनी रास्ते का हिस्सा हुआ करता था। असद शासन के पतन के बाद इसमें भारी कमी आई है। पिछले कुछ महीनों में सीरिया ने कई सुरंगों को नष्ट किया है। इनका इस्तेमाल लेबनान में हथियारों की तस्करी की कोशिश के लिए किया जा रहा था। यह नहीं पिछले हफ्ते हिजबुल्लाह के कई सदस्यों की गिरफ्तारी की है। कहा जा रहा है कि यह लोग उत्तरी इजराइल पर राकेट दागने की कोशिश कर रहे थे।

सीरिया और लेबनान की सरकार इस समय हिजबुल्लाह पर लगाम लगाने की कोशिश में एक साथ खड़ी नजर आ रही हैं। इस समय सीरिया के 2,000 से अधिक कैदी लेबनान में हिरासत में हैं। लेबनान में मौजूद सीरियाई शरणार्थियों का मुद्दा भी अहम शामिल है।

कुछ देशों का अस्तित्व अगले 74 साल में हो जाएगा खत्म : यूएन

लंदन। संयुक्त राष्ट्र (यूएन) ने एक चेतावनी जारी करते हुए दावा किया है कि कुछ देशों का अस्तित्व अगले 74 साल यानी वर्ष 2100 तक पूरी तरह खत्म हो सकता है। यदि ग्लोबल वार्मिंग पर तुरंत नियंत्रण नहीं किया गया, तो ये राष्ट्र इतिहास के पन्नों में सिमट कर रह जाएंगे। बढ़ते समुद्री जलस्तर के कारण ये देश और उनके बड़े इलाके डूबने की कगार पर हैं। वैज्ञानिकों और संयुक्त राष्ट्र की विभिन्न रिपोर्ट्स के अनुसार, ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन के कारण समुद्र का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है। सबसे ज्यादा खतरा उन छोटे द्वीपीय देशों को है, जिनकी औसत ऊंचाई समुद्र तल से सिर्फ 1 से 3 मीटर ऊपर है। संयुक्त राष्ट्र ने ऐसे देशों की एक सूची जारी की है, जो आने वाले सालों में पूरी तरह पानी में समा सकते हैं। इनमें प्रमुख रूप से तुवालु, किरिबाती, मालदीव, मार्शल द्वीप और नाउरू शामिल हैं। तुवालु और किरिबाती के कई द्वीप पहले ही समुद्र में विलीन हो चुके हैं, और अनुमान है कि अगर वर्तमान रफ्तार जारी रही तो 2100 तक इन देशों का बड़ा हिस्सा या पूरा देश पानी में डूब सकता है।

इराक के नजफ में मिला कच्चे तेल का विशाल भंडार

8.8 अरब बैरल के नए स्रोत से बदलेगी तस्वीर

तेहरान

मध्य पूर्व में जारी भारी तनाव और तेल आपूर्ति की बाधाओं के बीच इराक के लिए एक बड़ी और सकारात्मक खबर सामने आई है। इराक के नजफ प्रांत में कच्चे तेल का एक विशाल भंडार मिला है, जो देश की अर्थव्यवस्था और वैश्विक तेल बाजार के लिए गेम-चेंजर साबित हो सकता है। इराक के तेल मंत्रालय द्वारा जारी शुरुआती आंकड़ों के अनुसार, कुरनैन ब्लाक के एक हिस्से में लगभग 8.8 अरब बैरल से अधिक कच्चे तेल का भंडार होने का अनुमान है। नजफ प्रांत में इराक-सऊदी अरब सीमा के निकट स्थित यह कुरनैन ब्लाक लगभग 8,773 वर्ग किलोमीटर के विस्तृत क्षेत्र में फैला हुआ है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह क्षेत्र लंबे समय से तेल अन्वेषण के लिए अत्यधिक संभावनाओं वाला रहा है। इस विशाल तेल क्षेत्र के विकास और उत्पादन की प्रक्रिया को गति देने के लिए अक्टूबर 2024 में महत्वपूर्ण अनुबंधों पर हस्ताक्षर किए गए थे। वर्तमान में शम्स-11 नामक कुएं से ड्रिलिंग का कार्य प्रारंभ हो चुका है, जहाँ से शुरुआती चरण में उच्च गुणवत्ता वाला हल्का कच्चा तेल प्राप्त हुआ है। अभी इसकी दैनिक उत्पादन क्षमता लगभग 3,248 बैरल आंकी गई है, जिसके भविष्य में कई गुना बढ़ने की उम्मीद है। इस रणनीतिक प्रोजेक्ट में चीन की बड़ी भूमिका उभर कर सामने आई है। चीन की झेनहुआ आयल कंपनी अपनी सहायक इकाइयों के माध्यम से यहाँ ड्रिलिंग और सर्वेक्षण का कार्य कर रही है। रिपोर्टों के अनुसार, चीनी कंपनी ने अतिरिक्त निवेश की योजना बनाई है ताकि इस फील्ड से जल्द से जल्द बड़े पैमाने पर तेल निकालकर अंतरराष्ट्रीय बाजार में पहुँचाया जा सके। यह महत्वपूर्ण खोज ऐसे समय में हुई है जब इराक गहरे आर्थिक और सामरिक संकट से जूझ रहा है। अमेरिका-ईरान तनाव और होर्मुज जलडमरूमध्य में उत्पन्न बाधाओं के कारण इराक का तेल निर्यात बुरी तरह प्रभावित हुआ है। आंकड़ों के अनुसार, फरवरी में इराक ने जहाँ 9.9 करोड़ बैरल तेल का निर्यात किया था, वहीं मार्च में यह आंकड़ा गिरकर मात्र 1.86 करोड़ बैरल रह गया। इसके परिणामस्वरूप इराक के राजस्व में भारी कमी आई है। इस संकट से निपटने के लिए इराक अब न केवल नए तेल भंडारों की खोज कर रहा है, बल्कि बसरा से हदीथा तक नई पाइपलाइन जैसे वैकल्पिक रास्तों पर भी तेजी से काम कर रहा है। नजफ का यह नया भंडार इराक के लिए भविष्य की नई उम्मीद बनकर उभरा है।

क्रूज शिप में फैला हंटा वायरस, 100 से अधिक लोग सवार, विश्व स्वास्थ्य संगठन के महानिदेशक पहुंचे टेनेरिफ

डब्ल्यूएचओ के महानिदेशक ने कहा- घबराने की जरूरत नहीं, हंटा वायरस कोविड नहीं

मैड्रिड (स्पेन)

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के महानिदेशक डा. टेड्रोस अधानोम घेब्रेयसस शनिवार को स्पेन के कैनरी द्वीप समूह के टेनेरिफ पहुंचे। वह यहां डच क्रूज शिप में फंसे 100 से ज्यादा लोगों को निकालने के मुश्किल काम की देखरेख करने आए। इस क्रूज शिप पर दुर्लभ और जानलेवा हंटा वायरस फैल गया था। उन्होंने कैनरी आइलैंड्स में लोगों को भी संबोधित भी किया। डा. टेड्रोस ने कहा कि यह शिप अपने सबसे बड़े आइलैंड के तट के पास लंगर डालेगा। 2020 में वैश्विक कोरोना वायरस महामारी के दौरान दुनिया ने जो अनुभव किया, उसके बाद लोगों की चिंता जायज है। उन्होंने कहा, बावजूद इसके घबराने की जरूरत नहीं। हंटा वायरस कोविड नहीं है।

सीबीसएस न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, टेड्रोस ने यहां पहुंचने से पहले लिखे अपने एक पत्र को कैनरी आइलैंड्स में दोहराया। उन्होंने कहा, यह बीमारी कोविड नहीं है। स्थानीय आबादी के लिए इसका जोखिम कम है। टेड्रोस ने कहा कि हंटा वायरस की प्रकृति कोरोनावायरस जैसी नहीं है, लेकिन वह सदमा अभी भी हमारे दिमाग में है। उन्होंने कहा, इसीलिए मैं यहां के लोगों के साथ खड़े होने के लिए आया हूं। मुझे यहां आने के लिए अपनी योजनाएं बदलनी पड़ीं, क्योंकि यह पूरी दुनिया और टेनेरिफ के लोगों के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। अधिकारियों ने बताया कि डच झंडे वाले इस क्रूज शिप के रविवार सुबह टेनेरिफ आइलैंड पर पहुंचने की उम्मीद है। संगठन ने शुक्रवार को बताया था कि शिप पर सवार आठ लोगों में हंटा वायरस के संदिग्ध मामले पाए गए थे और तीन लोगों की मौत हो गई है। इस जहाज के मालिक के अनुसार, अभी जहाज पर सवार 60 क्रू सदस्यों समेत 147 लोगों में से किसी में भी बीमारी के लक्षण नहीं दिख रहे हैं। टेड्रोस ने अनुमान लगाया कि लोगों को निकालने के लिए छह उड़ानें ईयू देशों के लिए और चार उड़ानें गैर ईयू देशों के लिए जाएंगी। इस क्रूज में 17 अमेरिकी नागरिक सवार हैं। उन्हें एक छोटी नाव से शिप से उतार कर रनवे पर उनके इंतजार में खड़े विमान तक पहुंचाया जाएगा। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने सलाह दी है कि जहाज से उतारे गए यात्रियों को वायरस के संपर्क में आने के आखिरी समय से लेकर 42 दिनों तक आइसोलेशन में रखा जाए। यह जहाज 1 अप्रैल को अर्जेंटीना से सफर पर निकला था। यह दक्षिण अटलांटिक के कई दूरदराज के द्वीपों पर रुका। इनमें ट्रिस्टन दा कुन्हा और सेंट हेलेना शामिल हैं। यह दोनों ब्रिटिश क्षेत्र हैं। जहाज पर फैली इस बीमारी की शुरुआत एक डच जोड़े से हुई लगती है, जिन्होंने क्रूज यात्रा से कुछ महीने पहले दक्षिण अमेरिका की सैर की थी।

हाई हील सैंडल

कहीं बीमार न बना दे आपको

हाई हील और स्किन टाइट कपड़े लड़कियों को खास पसंद होती हैं। लेकिन उन्हें यह मालूम नहीं कि ऐसा करके वह पैरों की एक खास बीमारी वैरिकोज वेन्स यानी की पैरों की नसों में सूजन को दावत दे रही हैं। करीब 7 फीसदी युवा इस बीमारी से परेशान हैं। आगे की स्लाइड्स पर क्लिक कर देखें कैसे होती है ***ये बीमारी और बचने के उपाय....***

मुसीबत न बन जाए हाई हील

जानकारों के अनुसार जब निचले अंगों की नसों के वॉल्व क्षतिग्रस्त हो जाते हैं तब वैरिकोज नसों का गठन होता है। इसकी वजह से हृदय के निचले अंगों से हृदय की ओर रक्त का प्रवाह कम हो जाता है।

पैरों में सूजन

इससे नसों में खून एकत्रित होता रहता है और पैरों में सूजन आ जाती है। यह रोग आमतौर पर पैरों में पाया जाता है।

दर्द, थकान, खुजली

इंडियन मेडिकल असोसिएशन (आईएमए) के नैशनल प्रेसीडेंट डॉ. के के अग्रवाल बताते हैं कि पैर में कई वॉल्व होते हैं जो रक्त को हृदय की दिशा में प्रवाहित होने में मदद करते हैं। वैरिकोस अल्सर दोनों पैरों में हो सकता है। जब ये वॉल्व क्षतिग्रस्त हो जाते हैं, तो सूजन, दर्द, थकान, खुजली और रक्त के थक्के बनना शुरू हो होता है।

समय पर इलाज जरूरी

यह एक धीमी लेकिन परेशानी करने वाली बीमारी है। यद्यपि लक्षण शुरुआत में हल्के होते हैं, जिस वजह से लोग इसे गंभीरता से नहीं लेते। इसका इलाज समय पर कराना जरूरी है अन्यथा अल्सर विकसित हो सकता है और इससे एक्जिमा और उच्च रक्तचाप हो सकता है।

पहली बार दौड़ते वक्त न करें ये गलतियां

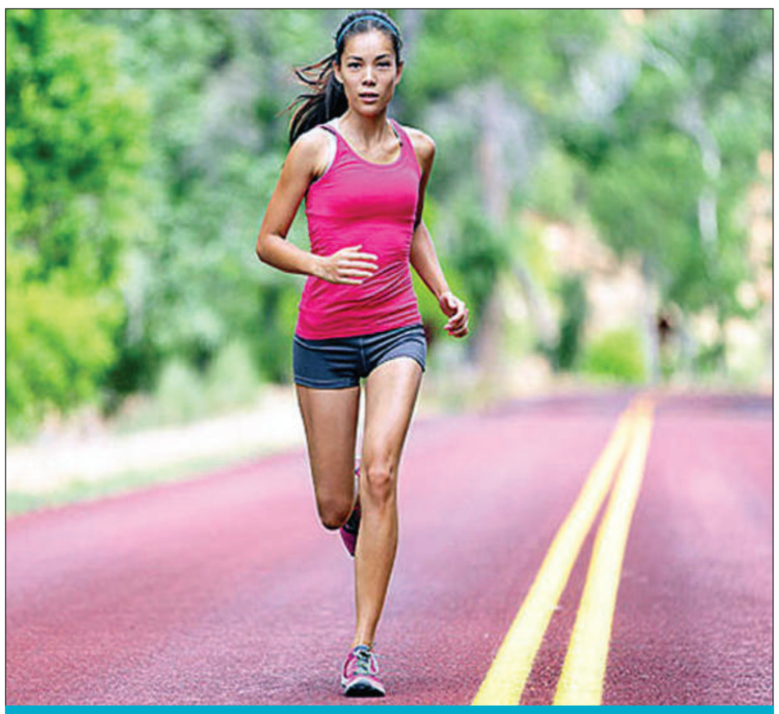

ऐसे बहुत से लोग हैं जो न तो जिम जाते हैं और न ही एक्सरसाइज करते हैं, मगर जब बात दौड़ने की आती है तो वे हर सुबह जूते बांध कर दौड़ने के लिए निकल पड़ते हैं। अगर आप भी दौड़ने वालों की श्रेणी में आना चाहते हैं तो आपको जानना होगा कि ऐसी कौन सी आम गलतियां हैं, जो अच्छे से अच्छे दौड़ने वाले कर जाते हैं। अगर आप लंबे समय से रनिंग करने की सोच रहे हैं, तो कुछ खास बातों का खयाल रखें। इससे आपको दौड़ने में आसानी हो जाएगी।

एड़ियां कम यूज करें

रनिंग के दौरान कभी भी जमीन पर जोर से एड़ियों का दबाव नहीं डालना चाहिए। इससे शरीर पर दबाव भी बढ़ेगा। यह गलती आमतौर पर ज्यादातर लोग करते हैं। इससे आपके जोड़ और हड्डियां चोटिल हो सकती हैं। वहीं खाली पेट नहीं दौड़ना चाहिए।

तेज ना दौड़ें

जो लोग रनिंग के मामले में नए होते हैं, वे तुरंत ही तेजी के साथ भागना शुरू कर देते हैं, जिससे वह आगे चल कर बुरी तरह से थक जाते हैं। इससे रनिंग आपके लिए एक कठिन काम बन जाती है।

आसान लक्ष्य रखें

लोग जोश में आकर लंबा दौड़ने की सोच लेते हैं, लेकिन ध्यान रखना है कि आपकी प्रतिस्पर्द्धा खुद से हो। अगर आप दौड़ में नए हैं और एक ही बार में 5 किमी दौड़ लेना चाहते हैं, तो केवल निराशा ही हाथ लगेगी। इसलिए दौड़ते समय छोटे-छोटे गोल बनाएं और उसे पूरा करें।

गलत जूते ना पहनें

दौड़ने से पहले अपने जूते चेक कर लें कि कहीं उन्हें पहनने से आपके पैरों में दर्द, हिप पेन, जोड़ों में दर्द या कंधे में दर्द तो शुरू नहीं हो गया। अगर आप सही जूते पहनेंगे तो बिना दर्द के लंबा दौड़ पाएंगे।

किचन में रखें वास्तु का ख्याल, मिलेंगे कई सारे फायदे

रसोई घर (किचन), घर के सबसे जरूरी हिस्सों में से एक है इसलिए वास्तु के अनुसार किचन की जमावट करने पर घर की सकारात्मक ऊर्जा में ब ?ोतरी होती है। किचन में वास्तु उपाय अपनाकर सारे अशुभ प्रभावों को खत्म किया जा सकता है।

– जिस घर में किचन के अंदर ही मंदिर होता है, वहां रहने वाले लोग गरम मिजाज के होते हैं। परिवार के किसी सदस्य को रक्त संबंधी शिकायत भी हो सकती है। इसलिए मंदिर के लिए किचन से बाहर अलग जगह होना चाहिए।

– जिस घर में किचन मेन गेट से जु ?ा हो, वहां पति-पत्नी के बीच बिना कारण आपस में मतभेद पैदा होने लगते हैं। निर्माण में इस बात का

विशेष ध्यान रखना चाहिए।

– जिस घर में किचन व बाथरूम एक सीध में हों, वहां रहने वाले लोगों का स्वास्थ्य ठीक नहीं रहता। साथ ही जीवन अशांति रहती है। इससे बचने के लिए बाथरूम में कटोरीभर नमक रखें, समय-समय पर इसे बदलते भी रहें।

– जहां किचन के अंदर स्टोर रूम हो और कबा? रखा रहता हो तो गृहस्वामी नौकरी या व्यापार में काफी कठिनाइयों का सामना करना प ?ता है। बचाव के लिए किचन में चांदी का सिक्का रखें।

सराहह डाउनलोड करने से पहले यह पढ़ें नहीं तो पछताना पड़ेगा

हाल ही में एक नया एप्प तेज़ी से दुनिया भर में पॉपुलर हो रहा है। और भारत में इस एप्प को लेकर लोगों की उत्सुकता इस कदर है कि यह केवल गूगल एप्प स्टोर पर ही नहीं बल्कि हर जगह ट्रेंड कर रहा है। साथ ही सभी फेमस सोशल नेटवर्किंग साइट्स पर भी यह चर्चा का विषय बना हुआ है। और इस एप्प का नाम है सराहाह, जो कि एक अरबी शब्द है जिसका मतलब है इमानदारी। इस एप्प को सउदी अरब के एक सॉफ्टवेयर डेवेलपर जैनुल आबेदीन ने बनाया है। अब तक इस एप्प को 50 लाख से भी ज्यादा लोग डाउनलोड कर चुके हैं। और भारत में यह एप्प गूगल प्ले स्टोर पर नंबर-1 पर ट्रेंड कर रहा है।

सराहाह एप्प की खासियत यह है कि इस एप्प से मैसेज भेजने वाले की आइडेंटिटी ज़ाहिर नहीं होती है। इस पर मैसेज किसने भेजा है यह पता नहीं लगाया जा सकता है। इसे एप्प की सबसे बड़ी कमी व खूबी, दोनों कह सकते हैं। माना जा रहा है कि इस तरह के एप्प से साइबर बुलिंग का खतरा बढ़ सकता है। क्योंकि कोई भी किसी को किसी भी तरह के आपत्तिजनक मैसेज भेज सकता है। चूंकि सेंडर की पहचान छुपी रहती है तो ऐसे में कोई भी आपको वह सब खुलकर बता पाता है जो वह आपके बारे में सोचता है या फिर आसानी से धमकी भरा संदेश भी भेज सकता है। वैसे भी आजकल सोशल मीडिया पर ट्रोलिंग की घटना काफी बढ़ी हुई है। ऐसे में इस एप्प को यूज़ करने के कई संभावित खतरे भी हो सकते हैं।

कैसे करता है ये एप्प काम?

इस एप्प को इस्तेमाल करने के लिए आपको इसकी वेबसाइट पर या मोबाइल एप्प पर अपना रजिस्ट्रेशन कराना होगा। मोबाइल एप्प को आप गूगल प्ले स्टोर या ऐप्पल स्टोर से डाउनलोड कर सकते हैं। इसके बाद रजिस्ट्रेशन करने के लिए आपको ईमेल आईडी देनी होगी। रजिस्टर करने के बाद आपको इसका लिंक फेसबुक पर पोस्ट करने का ऑप्शन मिलता है। इसके अलावा आप सोशल नेटवर्किंग साइट्स जैसे ट्विटर और स्नैपचैट पर भी यह लिंक पोस्ट कर सकते हैं या फिर प्राइवेट मैसेज के ज़रिए किसी को भेज सकते हैं। दिए हुए लिंक को क्लिक करके कोई भी आपको मैसेज भेज सकता है। लेकिन मैसेज भेजने वाले शख्स के बारे में आपको कोई जानकारी नहीं होगी। आपके सराहाह एप्प पर जैसे ही लिंक के ज़रिए कोई आपको मैसेज भेजता है, आपको एप्प में नोटिफिकेशन मिलेगा, जहां आप मैसेज पढ़ सकते हैं। हालांकि इसके द्वारा भेजे गए मैसेज का फिलहाल रिप्लाई नहीं किया जा सकता है। इस एप्प का यूज़र इंटरफेस काफी आसान है और आने वाले समय में इसमें कुछ नए फीचर्स और लाने की तैयारी है, जिसका ऐलान जल्द किया जाएगा।

कितना सिक्यॉर है ये एप्प?

यह एप्प कितनी सुरक्षित है या कितनी नहीं, इसका पता आपको खुद ही लग जाएगा। क्योंकि इसमें सेंडर की पहचान नहीं हो पाती है, ऐसे में कोई भी आपको कैसा भी मैसेज कर सकता है। वहीं एप्प की सिक्यॉरिटी को लेकर यूज़र्स के मन में कई सवाल हैं। जैसे कि इसमें रजिस्टर करने के लिए आपको अपनी ईमेल आईडी देनी होती है। इमेल आईडी, आईपी अड्रेस और ब्राउज़र की कूकीज़ के जरिये हैकर्स आपको ट्रेस भी कर सकते हैं। साथ ही कुछ यूज़र्स का कहना है कि इस एप्प पर अपने राज़ व खुफिया बातें खोल देने का खामियाजा, फिरौती देकर या ब्लैकमेल होकर न भुगतना पड़े। इस एप्प पर रजिस्टर्ड यूज़र्स को सिर्फ मेसेज रिसीव होते हैं। रिसीवर का डेटा और फेवरिट मेसेज ही सेव होते हैं। भेजने वाले यूज़र की आइडेंटिफिकेशन का कोई तरीका नहीं है क्योंकि वह एक लिंक के जरिये मेसेज भेजता है। ऐसे में यूज़र्स को काफी सोच-समझकर ही इस एप्प पर लॉग-इन करना होगा और नेगेटिव रिस्पॉन्स के लिए भी तैयार रहना होगा। ताकि भविष्य में आपको किसी भी तरह की मुसीबत का सामना ना करना पड़े।

शादी के लिए यूं बनाएं अपनी मुस्कान चमकदार

शादी के दिन जहां खूबसूरत दिखने वाले कपड़ों और मेहमानों की मेहमाननवाजी का खास ध्यान रखा जाता है, वहीं कुछ छोटी-छोटी चीजें ऐसी भी होती हैं जो इस दिन को आपके लिए खास और शानदार बना सकती हैं. ठीक ऐसे ही लाल जोड़े में खूबसूरत सफेद दांतों के साथ शर्माती हुई दुल्हन की मुस्कुराहट उसकी खूबसूरती में चार-चांद लगाती है.

रीजोव क्लीनिक की प्रिंयका गोयत और चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान परास्नातक संस्थान (चंडीगढ़) के सोमवीर सिंह ने शादी के इस खास दिन को खूबसूरत सफेद दांतों से खास बनाने के लिए दांतों की देखरेख के संबंध में ये सुझाव दिए हैं =

» जिन खाने की चीजों से दांतों पर दाग, धब्बे पड़ जाते हैं, उन्हें लेने से बचें. सोडा, कॉफी, चाय, ब्लूबेरी, चेरी और सोया सॉस ऐसी चीजों में आते हैं. इसके अलावा शराब नहीं पिएं और धूम्रपान से भी बचें. अगर आप स्टेनिंग वाले पेय पदार्थो को लेना बंद नहीं कर सकती हैं तो फिर इन्हें स्ट्रॉ से पिएं या हर तीन महीने पर दांतों को क्लीनिक में साफ कराएं.

» पानी खूब पिए. इससे न केवल आपके चेहरे पर चमक आती है बल्कि दांतों में भी चमक आती है. शादी के खास दिन भी आप पानी पर्याप्त मात्रा में पिएं, जिससे आपके शरीर और होंठों पर नमी बरकरार रहेगी और आप सहजता से मुस्कुरा सकेंगी। साथ ही लिपस्टिक भी देर तक टिका रहेगा.

महिलाओं के अलावा पुरुषों के लिए भी स्किन केयर जरूरी

» आप टीथ व्हाइटनिंग ट्रीटमेंट कराएं या न कराएं, लेकिन अपने दांतों की देखभाल जरूर करें. रोज इन्हें अच्छी तरह से साफ करें. रोजाना कम से कम दो बार ब्रश करें और अच्छी तरह गरारा करें. इसके अलावा फ्लॉसिंग भी करें. स्वस्थ सफेद दांतों के लिए नियमित रूप से चेकअप कराना नहीं भूलें.

» शादी के दिन दांतों को और भी ज्यादा खूबसूरत दिखाने के लिए आप चाहें तो प्रिसिजली कट और पॉलिश्ड स्वारोस्की टूथ क्रिस्टल वर्क अपने दांतों पर करा सकती हैं, इससे आपके दांतों को एक्स्ट्रा शाइन मिलेगी.

» शादी का दिन किसी भी लड़की के लिए उसकी लाइफ का खास दिन होता है, इसलिए खूबसूरत दांतों के साथ आकर्षक मुस्कान बिखेरना न भूलें.

ऑफिस टिप्सः जानिए कैसे करें उस साथी के साथ काम जो नहीं करता है कोई काम

ऑफिस के काम से मनचुराने वाले लोगों के साथ काम करना बेहद मुश्किल होता है और इसका खामियाजा पूरी टीम को भुगतना पड़ता है. ऐसे में जानिए कैसे करें उस साथी के साथ काम जो नहीं करता है ऑफिस में कोई काम...

हर एक ऑफिस में एक न एक ऐसा कर्मचारी जरूर होता है, जोकि हमेशा 9 से 5 के शेड्यूल में रहना पसंद करता है या फिर यूं कहे कि लंबे लंच ब्रेक के साथ 9:15 से 4: 59 की ऑफिस ड्यूटी ही करता है. इस तरह के लोगों की वजह से ऑफिस का माहौल खराब होता है और दूसरे कर्मचारियों का भी वर्क आउटपुट गिरता है. ऑफिस के काम से मनचुराने वाले लोगों के साथ काम करना बेहद मुश्किल होता है और इसका खामियाजा पूरी टीम को भुगतना पड़ता है. ऐसे में जानिए कैसे करें उस साथी के साथ काम जो नहीं करता है ऑफिस में कोई काम...

काम नहीं करने वालों का काम करने से बचें

अगर आपके को-वर्कर के हिस्से का काम आपको करना पड़ रहा है, तो इस चीज को जल्द से जल्द करना बंद करें. जितना हो सके सिर्फ अपने काम पर फोकस रखें और अगर काम न करने वाला को-वर्कर आपसे कोई काम कहते है, तो विनम्र तरीके से उसे न कहना सीख लें. अगर आप ऐसा करना शुरु करते हैं तो इससे दो चीजें होने की संभावना है. पहली ये कि...या तो को-वर्कर की प्रोडक्टिविटी बढ़ जाएगी और दूसरी ये कि आपके मैनेजर को वर्क आउटपुट कम होता दिखने लगेगा.

एक बार जरूर कर लें बात

अगर ऑफिस में आपका साथी काम नहीं कर रहा है और उसकी वजह से आप पर एक्सट्रा प्रेशर पड़ रहा है, तो एक बार अपने साथी से जरूर बात कर लें. इस प्रॉब्लम से बचने के लिए आप उससे अकेले में वन ऑन वन बात क्लियर कर सकते हैं. क्योंकि कई बार पर्सनल लाइफ में चल रही उथल-पुथल के चलते कर्मचारी अपने काम पर 100 प्रतिशत नहीं दे पाता है.

मैनेजर से करें बात

एक टीम मैनेजर हमेशा यही चाहता है कि उसकी टीम अपना बेस्ट दे, क्योंकि अगर टीम का आउटपुट अच्छा नहीं होगा, तो सबसे पहले गाज मैनेजर पर ही गिरेगी. अगर आपको लगता है कि लाख कोशिशों के बावजूद को-वर्कर अपना काम आप पर थोप रहा है, तो एक बार उसके रवैये के बारे में मैनेजर को अवगत कराएं. मैनेजर को बताने का ये फायदा होगा कि इससे पूरी टीम को सफर नहीं करना पड़ेगा और काम से भागने वाला आपका साथी खुद से अपना काम करना शुरु कर देगा या फिर अपने लिए दूसरी नौकरी की तलाश में जुट जाएगा.

हर समस्या का समाधान है महावीर दर्शन

चैत्र शुक्ल त्रयोदशी को भगवान महावीर का जन्म कल्याण है। उनके सिद्धांत बताते हैं कि वर्तमान के वर्तन (व्यवहार) को किस प्रकार से रखा जाए कि जीवन में शांति, मरण में समाधि, परलोक में सद्गति तथा परम्पर से परमगति पाई जा सके। मानवीय गुणों की उपेक्षा के इस समय में महावीर के कल्याण का दिन हमसे अपने जातीय भेद भुलाकर सत्य से साक्षात का संदेश देता है। भगवान महावीर ने अहिंसा की जितनी सूक्ष्म व्याख्या की है वैसी अन्यत्र दुर्लभ है। उन्होंने मानव को मानव के प्रति ही प्रेम और मित्रता से रहने का संदेश नहीं दिया अपितु मिट्टी, पानी, अग्नि, वायु, वनस्पति से लेकर कीकीडे-मकोडे, पशु-पक्षी आदि के प्रति भी उसी मित्रता और अहिंसक विचार के साथ रहने का उपदेश दिया है। उनकी इस शिक्षा में पर्यावरण के साथ बने रहने की सीख भी है। आज जिस हिंसात्मक वातावरण और आपाधापी के बीच बच्चे बढ हो रहे हैं उसके कारण उनमें संयम का अभाव है। यह पीढी लक्ष्य से भटक रही है। ऐसे वातावरण में बडे हो रहे बच्चों से अपेक्षा रखना कि वे नैतिक राह पर चलेंगे ठीक नहीं। आज हमें समग्रता में महावीर की शिक्षाओं की बहुत जरूरत है ताकि हम इस धरा को सुंदर बना सकें।

बढती बुद्धि उन्नत कारोबार यही है बुधवार व्रत का उपहार

क्या आपका मन किसी काम में नहीं लगता क्या बार- बार किसी काम को करने से हतोत्साहित हो जाते हैं। या फिर व्यापार को लेकर आप हमेशा असंतुष्ट रहते हैं। तो इन समस्याओं के छुटकारा पाने के लिए बुधवार का व्रत कर सकते हैं। यह व्रत स्त्री-पुरुष दोनों के लिए ही मंगलदायक होता है। इस व्रत को करने से आपकी बुद्धि में काफी इजाफा हो सकता है।

करें ये उपाय सर्वप्रथम नित्यकर्मों से मुक्त होकर बुध देवता के मंत्र से बुध त्वं बुद्धिजनको बोधदः सर्वदा नृणाम तत्वावबोधं कुरुषे सोमपुत्र नमो नमः ॥ उनका ध्यान करें। घर के इशान कोण में भगवान शिव या बुध का चित्र या मूर्ति कांस्य के बर्तन में स्थापित करना चाहिए। उनपर बेलपत्र, अक्षत, धूप और दीप जलाकर विधिवत पूजा करनी चाहिए। दिन हरे-पीले रंग के शेड वाले कपडे पहनने चाहिए। पन्ना रत्न धारण करना शुभ होता है। व्रत में हरी वस्तुओं का इस्तेमाल करना चाहिए। मूंग का हलवा, हरे फल, छोटी इलाइची का विशेष महत्व है।

दिन के व्रत की पूर्णाहुति सूर्यास्त के बाद एक बार फिर से बुध को धूप, दीप और गुड, चावल एवं दही के भोग लगाने से होती है।उसके बाद प्रसाद वितरण कर स्वयं भी ग्रहण करना चाहिए। व्रत करने वाले को दिन में एक बार ही नमक रहित भोजन करना चाहिए। बुधवार का व्रत को विशाखा नक्षत्र में बुधवार के दिन से आरंभ करना चाहिए, जिसे 17 या 21 सप्ताह तक करना चाहिए। इस योग के नहीं मिलने की स्थिति में इस व्रत को किसी भी माह में शुक्ल पक्ष के पहले बुधवार से किया जा सकता है। ब्राह्मणों को भोजन करवाकर यथाशक्ति दान देना चाहिए।

बुधवार व्रत की कथा

कहते हैं समतापुर नगर में मधुसूदन नामक एक व्यक्ति रहता था। वह बहुत धनवान था। मधुसूदन का विवाह बलरामपुर नगर की सुंदरलडकी संगीता से हुआ था। एक बार मधुसूदन अपनी पत्नी को लेने बुधवार के दिन बलरामपुर गया। मधुसूदन ने पत्नी के माता-पिता से संगीता को विदा कराने के लिए कहा। माता-पिता बोले- 'बेटा, आज बुधवार है। बुधवार को किसी भी शुभ कार्य के लिए यात्रा नहीं करते।' लेकिन मधुसूदन नहीं माना। उसने ऐसी शुभ-अशुभ की बातों को न मानने की बात कही। दोनों ने बैलगाडी से यात्रा प्रारंभ की।

दो कोस की यात्रा के बाद उसकी गाडी का एक पहिया टूट गया। वहाँ से दोनों ने पैदल ही यात्रा शुरू की। रास्ते में संगीता को प्यास लगी। मधुसूदन उसे एक पेड के नीचे बैठाकर जल लेने चला गया। थोडी देर बाद जब मधुसूदन कहीं से जल लेकर वापस आया तो वह बुरी तरह हैरान हो उठा क्योंकि उसकी पत्नी के पास उसकी ही शक्ल-सूरत का एक दूसरा व्यक्ति बैठा था। संगीता भी मधुसूदन को देखकर हैरान रह गई। वह दोनों में कोई अंतर नहीं कर पाई। मधुसूदन ने उस व्यक्ति से पूछा 'तुम कौन हो और मेरी पत्नी के पास क्यों बैठे हो' मधुसूदन की बात सुनकर उस व्यक्ति ने कहा- 'अरे भाई, यह मेरी पत्नी संगीता है। मैं अपनी पत्नी को ससुराल से विदा करा कर लाया हूँ।

लेकिन तुम कौन हो जो मुझसे ऐसा प्रश्न कर रहे हो' मधुसूदन ने कहा 'तुम जरूर कोई चोर या ठग हो। यह मेरी पत्नी संगीता है। मैं इसे पेड के नीचे बैठाकर जल लेने गया था।' इस पर उस व्यक्ति ने कहा- 'अरे भाई झूठ तो तुम बोल रहे हो। संगीता को प्यास लगने पर जल लेने तो मैं गया था। मैंने तो जल लाकर अपनी पत्नी को पिला भी दिया है। अब तुम चुपचाप यहाँ से चलते बनो। नहीं तो किसी सिपाही को बुलाकर तुम्हें पकडवा दूंगा।' दोनों एक-दूसरे से लडने लगे। उन्हें लडते देख बहुत से लोग वहाँ एकत्र हो गए। नगर के कुछ सिपाही भी वहाँ आ गए। सिपाही उन दोनों को पकडकर राजा के पास ले गए। सारी कहानी सुनकर राजा भी कोई निर्णय नहीं कर पाया। संगीता भी उन दोनों में से अपने वास्तविक पति को नहीं पहचान पा रही थी। राजा ने दोनों को कारागार में डाल देने के लिए कहा। राजा के फैसले पर असली मधुसूदन भयभीत हो उठा। तभी आकाशवाणी हुई- 'मधुसूदन तूने संगीता के माता-पिता की बात नहीं मानी और बुधवार के दिन अपनी ससुराल से प्रस्थान किया। यह सब भगवान बुधदेव के प्रकोप से हो रहा है।'

मधुसूदन ने भगवान बुधदेव से प्रार्थना की कि 'हे भगवान बुधदेव मुझे क्षमा कर दीजिए। मुझसे बहुत बडी गलती हुई। भविष्य में अब कभी बुधवार के दिन यात्रा नहीं करूंगा और सदैव बुधवार को आपका व्रत किया करूंगा' मधुसूदन के प्रार्थना करने से भगवान बुधदेव ने उसे क्षमा कर दिया। तभी दूसरा व्यक्ति राजा के सामने से गायब हो गया। राजा और दूसरे लोग इस चमत्कार को देख हैरान हो गए। भगवान बुधदेव की इस अनुकम्पा से राजा ने मधुसूदन और उसकी पत्नी को सम्मानपूर्वक विदा किया। कुछ दूर चलने पर रास्ते में उन्हें बैलगाडी मिल गई। बैलगाडी का टूटा हुआ पहिया भी जुडा हुआ था।

दोनों उसमें बैठकर समतापुर की ओर चल दिए। मधुसूदन और उसकी पत्नी संगीता दोनों बुधवार को व्रत करते हुए आनंदपूर्वक जीवन-यापन करने लगे। इस तरह भगवान बुधदेव की कृपा से उनके यहां खुशियां बरसने लगीं।

आइये जाने मां दुर्गा की उत्पत्ति की कहानी

हिंदू धर्म में मां दुर्गा की आराधना के लिए विशेष रूप से नवरात्रि का त्यौहार मनाया जाता है। इस त्यौहार को साल में दो बार मनाया जाता है। मां दुर्गा को कई नामों जैसे- काली, पार्वती, गौरी, सती, महामाया और महिषासुर मर्दिनी के नाम से जाना जाता है। मां दुर्गा के रूप पार्वती को भगवान शिव की अर्धांगनी माना जाता है। मां दुर्गा की उत्पत्ति की गाथा कुछ इस प्रकार है: नवरात्री में आरती की थाली ऐसे सजाएं।

एक बार की बात है, एक भैंसा दानव था, जिसे महिषासुर के नाम से जाना जाता था, जो बडा शक्तिशाली था। वह सभी देवताओं का वध करना चाहता था, ताकि वह संसार में सर्वोच्च हो सकें। इससे घबराकर सभी देवता, सृष्टि के रचयिता भगवान ब्रहम् के पास गए और अपनी बात कही। तब सभी ने सर्वसम्मत्ति से अपनी शक्तियों से मिलाकर देवी दुर्गा का सृजन किया। देवी दुर्गा का सृजन सभी की शक्तियों को मिलाने से ही संभव था ताकि महिषासुर का वध किया जा सकें। मां देवी दुर्गा का स्वरूप, बेहद आकर्षक है, उनके मुख में सौम्यता और स्नेह झलकता है। उनके दस हाथ हैं, जिसमें हर एक में एक विशेष शस्त्र है। उन्हे हर भगवान और देवता ने कुछ न कुछ अवश्य दिया था, भगवान शिव ने त्रिशुल, भगवान विष्णु ने चक्र, भगवान वायु ने तीर आदि।

देखिये दुर्गा पूजा की बेहतरीन तस्वीरे मां के कपडे और सवारी: मां दुर्गा की सवारी शेर है, जो हिमावंत पर्वत से लाया गया था। इस प्रकार देवी दुर्गा को महिषासुर का वध करने के लिए बनाया गया। बाद में देवी दुर्गा ने महिषासुर को मार डाला।

इस स्वरूप को आप अक्सर तस्वीरों और मूर्तियों में देख सकते हैं। महिषासुर को देवी दुर्गा ने अपने शेर और शस्त्रों से मार डाला। इस प्रकार मां दुर्गा, आज भी बुरी बाधाओं का वध करने के लिए पूजी जाती हैं। साल में चैत्र माह की नवरात्रि मुख्य होती है।

बालों में फूलों का गजरा लगाने का महत्व

भारत में आपको लडकियां और महिलाएं अपने बालों में फूल लगाएं जरुर मिल जाएंगी। खासतौर पर दक्षिण भारत में आपको हर लडकी बालों में एक या फूलों का गजरा लगाए दिख जाएगी। रंग बिरंगे फूल बालों को देखने में खूबसूरत ही नहीं बलकि हर फूल की अपनी अगल-अलग परिभाषा होती है। उनके पीछे जरुर कोई मतलब छुपा होता है। हर फूल किसी ना किसी गुण से जुडा होता है। चाहे बात करें चमेली, गुलाबी, गुलदाउदी या गुलाब आदि फूलों की, इस सब में कोई ना कोई राज छुपा होता है। माना जाता है कि अगर घर की लडकी या महिलाएं इन फूलों को सिर में लगाएं तो घर में खुशहाली आती है। आइये जानते हैं इन फूलों के पीछे छुपे हुए राज को।

बालों में फूलों का गजरा लगाने का महत्व

1. चमेली : चमेली अपनी खुशबू की वजह से फूलों की रानी के रूप में जानी जाती है। कोई त्योहार चमेली के फूल का उपयोग किए बिना पूरा नहीं समझा जाता है। यह समृद्धि और सौभाग्य का एक निशान है। इसलिए महिलाओं को आमतौर पर बालों पर चमेली के फूलों का गजरा पहने हुए देखा जाता है।

2. गुलाब: गुलाब प्यार और जुनून का प्रतीक है। तो अगर कोई लडकी गुलाब का फूल बालों में लगाती है, तो इसका मतलब होता है कि वह या तो अपने प्यार को याद कर रही होती है या फिर प्यार के जुनून को दिखा रही है।

3. गुलदाउदी: ये सुंदर से फूल खुशी को दर्शाते हैं। अगर एक लडकी बालों में गुलदाउदी पहनती है, तो वह अपने परिवार के लिए खुशी लाने के लिए सोंचती है।

4. गुडहर: यह फूल शक्ति का प्रतीक है इसलिये इससे काली देवी और अन्य रूपों की पूजा में प्रयोग किया जाता है।

फूलों का महत्व:फूलों का महत्व काफी प्राचीन है। भारत की हर संस्कृति में अलग अलग महिलाओं के लिये इन फूलों का महत्व एक दम जुदा है। भारत में लडकी का बालों में फूलों का गजरा लगाना उसके परिवार में खुशी और समृद्धि लाने से जोडा जाता है। माना जाता है कि फूल लगाने से मां लक्ष्मी घर में निवास करती हैं और वह घर को छोड कर कभी नहीं जाएंगी।

फेंगशुई प्रोडक्ट से जगा सकते हैं सोई किस्मत

फेंगशुई प्रोडक्ट घर में सुख-समृद्धि लाने में काफी सहायक हैं, लेकिन इन प्रोडक्ट्स का प्रयोग करते समय दिल और दिमाग में इसके प्रति आस्था रखनी आवश्यक है, तभी यह मनोवांछित फल देते हैं। आज घर-घर में पाए जाने वाले लाफिंग बुद्धा, मनी प्लांट आदि फेंगशुई की ही देन है। फेंगशुई के जानकार मानते हैं कि यह वस्तुएं आपकी सोई किस्मत को जगाकर आपको खुशहाल बना सकती हैं। हालांकि, कई जगह इन सामानों को भारतीय ज्योतिष से भी जोड कर देखा जाता है। जैसे कछुआ ना सिर्फ फेंगशुई में विशेष महत्व रखता है बल्कि ज्योतिष में भी इसका बेहद महत्व है। मान्यता है कि श्रीहरि विष्णु ने भी कछुआ रूप धारण कर समुद्र-मंथन के समय संसार की सहायता की थी। इसी तरह हाथियों को फेंगशुई के साथ भारतीय ज्योतिष में भी पुण्यकारी और लाभ देने वाला बताया गया है। फेंगशुई के सकारात्मक प्रभाव देखने के लिए इसमें विर्श्वास होना बेहद जरूरी है।

अगर विश्वास है तो तुच्छ माने जाने वाले बांस के पौधे भी आपके घर में पैसों की बारिश करा सकते हैं। फेंगशुई में मछलियों का महत्व होता है। मान्यता है कि मछलियां धन और समृद्धि लेकर आती हैं। मछलियों की उछलकूद देखने से मन को शांति मिलती है और यह अपने साथ सारे अपशकुन लेकर चली जाती हैं। हालांकि, इसे रखने के लिए विशेष देखभाल की जरूरत होती है। फेंगशुई के अनुसार घर में अगर जिंदा मछलियां रखनी हो तो आठ सुनहरी और एक काली मछली को मछलीघर में रखना चाहिए और अगर जगह की कमी हो तो आप दो मछलियों को रख सकते हैं। एक्वेरियम को रखने के भी कुछ नियम हैं जैसे इसे दरवाजे के पास या ठीक दरवाजे के सामने नहीं रखना चाहिए। इसे घर की उत्तर, पूर्व या उत्तर पूर्व दिशा में रखना चाहिए। अगर कोई मछली मर जाती है तो यह अपशकुन नहीं है, यह संदेश होता है कि मछली घर पर आने वाली आपदा को अपने साथ लेकर चली गई। अगर घर में बडा एक्वेरियम रखने की जगह ना हो तो आप छोटा सा एक्वेरियम दो मछलियों वाला भी रख सकते हैं। यह प्यार का प्रतीक माना जाता है। साथ ही आप क्रिस्टल की बनावटी मछलियों का जोडा बेडरूम में रख सकते हैं। गोल्डफिश को फेंगशुई के अनुसार सबसे अधिक पवित्र और संपन्नाता देने वाला माना जाता है। सोने की प्रतीत होने वाली यह मछली आपके जीवन में भी सोने की चमक बिखेर देगी। फेंगशुई एरोवाना मछली सबसे शुभ मछली माना जाता है। मान्यता है कि यह मछली अच्छे स्वास्थ्य, समृद्धि, सुख, धन और शक्ति का प्रतीक है। फेंगशुई के अनुसार एरोवाना मछली बुरी शक्तियों को हटाती है। अगर आप जिंदा एरोवाना मछली ना पाल पाएं तो आपको मुंह में सिक्का लिए हुए सुनहरी एरोवाना मछली की मूर्ति रखनी चाहिए।

मान्यता है कि इस नींबू को अपने पास रखने वाले को समृद्धि मिलती

तमिलनाडु के विलुपुरम जिले में मंदिर प्रशासन ने एक पवित्र नींबू की नीलामी की। पांगुनी उतिराम त्योहार की एक रस्म के तहत की गई इस नीलामी में एक दंपती ने इसे 39,000 रुपए में खरीदा। तिरुवन्नैनल्लुर के बालातंडेउतपनी मंदिर में 11 दिनों तक उत्सव होता है। इसके आखिरी दिन भगवान मुरुगन के भाले पर लटकाए गए फलों को नीलाम करने की परंपरा है। गांव वालों की ऐसी मान्यता है कि इस नींबू को अपने पास रखने वाले को समृद्धि मिलती है और जिस दंपती के पास यह फल होता है, उन्हें संतान सुख मिलता है। इस साल दंपती जयरामन और अमरावती ने 39,000 रुपए देकर 'पवित्र' नींबू खरीद लिया। बाकी के आठ नींबू भी अच्छे दामों में बिके। कुल मिलाकर नौ नींबू 57 हजार 722 रुपए में बिके। गांव के एक बुजुर्ग ने बताया कि किसी को नहीं पता कि यह मंदिर कब बनाया गया था। मंदिर उस जगह पर बना है, जहां दो पहाडियां मिलती हैं। काफी समय बाद गांव वालों का ध्यान इस मंदिर पर गया।

जब अकबर ने ली भगवान की परीक्षा, यह चमत्कार देख मान ली हार

शूरवीर और शहंशाह भी ईश्वर की शक्ति को नमन करते हैं। ऐसा ही एक बार अकबर के जीवन में भी हुआ था और उसने जगदीश महाराज के दरबार में शीश झुकाया। आगरा से अजमेर में ख्वाजा साहब की जियारत के जाते समय बादशाह अकबर जब गोनेर के पास से गुजरा तो लोगों ने लक्ष्मी जगदीश महाराज की प्रसिद्धि के बारे में बताया। बादशाह ने भगवान की परीक्षा लेने की सोची और गोनेर की ओर कूच किया।

उसने कहा कि यदि बिना मांगे मुझे मनचाहा प्रसाद एवं दर्शन हो जाएंगे तो मैं मान जाऊंगा, नहीं तो मंदिर को तोड दूंगा। उधर भगवान ने बादशाह की मंशा भांपकर अपने सेवक देवादास को स्वप्न में दर्शन देकर कहा कि एक भक्त मेरी परीक्षा लेने आ रहा है। उसे बिना मांगे प्रसाद में घेवर देना और पंच पीर के दर्शन करवा देना। इस पर देवादास ने कहा कि भगवान हां तो किसी को घेवर बनाने भी नहीं आते। कैसे प्रसाद दूंगा इस पर भगवान ने कहा, तू चिंता मत कर, सब प्रबंध हो जाएगा। जब अकबर गोनेर मंदिर पहुंचा तो सेवक देवादस ने बिना मांगे घेवर का प्रसाद देकर बादशाह को मंदिर में पंचपीर के दर्शन करा दिए। इससे बादशाह बहुत प्रभावित हुआ। उसने मंदिर में भगवान के दर्शन किए और शीश नवाया। तब से होली के दिन से भगवान को मालपुए एवं अन्य मिष्ठानों का भोग नहीं लगाया जाता। फाल्गुन शुक्ल पूर्णिमा से पांच दिन लक्ष्मी जगदीश महाराज के केवल घेवर का ही भोग लगता है। रंगपंचमी के दिन भगवान को गर्भगृह से बाहार लाते हैं और गर्भगृह सहित पूरे मंदिर का शुद्धिकरण किया जाता है।

लक्ष्मी जगदीश का मेला गोनेर स्थित श्री लक्ष्मी जगदीश भगवान का प्रतिवर्ष चैत्र शुक्ल दूज पर लगने वाला वार्षिक लक्खी मेला शुक्रवार को आयोजित होगा। मंदिर के महंत हनुमान दास शर्मा एवं सुरेंद्र शर्मा ने बताया कि इस मेले में प्रदेशभर से श्रद्धालु आएंगे। इस अवसर पर भगवान जगदीश, चारभुजानाथ, बिहारीजी की मनोहरी फाल्गुनी पोशाक धारण करवा कर झांकी सजाई जाएगी।

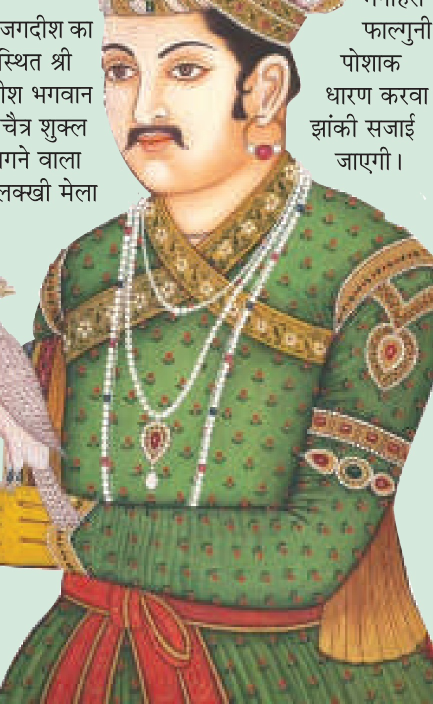

सम्मान और यश प्राप्ति की अभिलाषा प्रत्येक मनुष्य में होती है

सम्मान और यश प्राप्ति की अभिलाषा प्रत्येक मनुष्य में होती है, किंतु जिन कार्यो से सम्मान मिलना संभव होता है उन्हें करने के लिए बहुत कम लोग राजी होते हैं। झूठे सम्मान के लोभी मनुष्यों को अथक प्रयास करने पर भी असफलता ही हाथ लगती है। जिस योग्यता पर यश मिलता और सम्मान बढता है उसे बढाया न जाए तो यह महत्वाकांक्षा अधूरी ही बनी रहेगी।

उचित योग्यता के अभाव में क्या किसी को सम्मान मिला भी है। योग्यता विलक्षणता, परिश्रम और अभ्यास से मिलती है। इसके लिए सबसे पहले अतुलनीय साहस उत्पन्न करना पडता है। साहस के बगैर वह शक्ति नहीं आती जो विपन्न स्थिति में धैर्य स्थिर रख सके। सवरेपरि स्थान प्राप्त करने के लिए घोर संघर्ष का सामना किए बिना कोई बच नहीं सकता। साहस से सहिष्णुता आती है, जिससे लोग हंसते हुए उन कठिनाइयों को डोल जाते हैं। जब इस तरह का विशाल हृदय मनुष्य का बन जाता है तो यश स्वयं चलकर आपके पास आ जाता है।

कर्तव्य-बुद्धि का परिष्कारक ही गुणों की पराकाष्ठा तक पहुंच सकता है। यश का लोभ कामना-पूर्ति में विलंब होते या विघ्न आते देखकर बीच में ही गिरा देता है, इसलिए उसे त्याज्य कहा गया है। यश की अभिलाषा आंतरिक हो और किसी आदर्श पर प्रतिरोपित हो तो ही मनुष्य कठिनाइयों के उच्च शिखर पर चढता चला जाता है। श्रेष्ठता प्राप्त करने का अभ्यास आवेश या अंधानुकरण पर आधारित न हो अन्यथा अधिक देर तक उस सत्कर्म में टिके रहना संभव न होगा। विचार करें कि अपनी प्रकृति, स्थिति और शक्ति के अनुसार कौन-सी विशेषता सहज ही में प्रकट कर सकेंगे। दान, सेवा, भक्ति, चरित्र की निर्मलता, ब्रहाचर्य आदि का चयन अपनी स्थिति को ध्यान में रखकर करें।

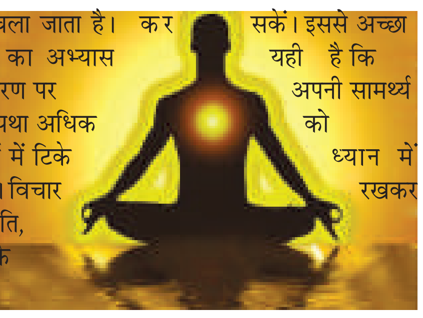

विपरीत स्थिति और शक्ति से बढकर किए गए प्रयास प्राय: निष्फल होते हैं या फिर साहस इतना बुलंद हो कि प्रत्येक स्थिति की कठोरता को अंत तक सहन कर सकें। इससे अच्छा यही है कि अपनी सामर्थ्य को ध्यान में रखकर ही गुणों का रचनात्मक विकास करें। सामान्य स्तर के व्यक्ति के लिए भी जीवन में सम्मान प्राप्त करने का एक सीधा सच्चा उपाय है। वह है वैर-भाव, ईर्ष्या-द्वेष और प्रतिशोध की भावना न रखना। सबके साथ प्रेम, दया, करुणा और सहृदयता से रहकर यह स्थिति प्राप्त की जा सकती है।

लो ब्लड प्रेशर से बचने के लिए घरेलू उपचार

कमजोरी महसूस होना, नींद और चक्कर आना लो ब्लड प्रेशर के लक्षण हैं। इनसे दिल और दिमाग पर भी असर पड़ता है। लो बीपी की शिकायत होने पर काफी कुछ खाने की सलाह दी जाती है, लेकिन ऐसे उपायों को जानना भी बहुत ही जरूरी है, जिससे लंबे समय तक इस परेशानी से बचा जा सके। जानते हैं ये घरेलू उपाय।

नमक की मात्रा बढ़ाएं: खाने में वैसे नमक की मात्रा कम ही रखने की सलाह दी जाती है। अगर लो प्रेशर से पीड़ित हैं तो खाने में नमक या इसकी तासीर वाली खाने की चीजों की संख्या जरूर बढ़ानी चाहिए।

चुकंदर का जूस पिएं: लो ब्लड प्रेशर को कंट्रोल में रखने का ये सबसे अच्छा तरीका है। हर दिन सुबह और शाम को एक-एक कप चुकंदर का जूस जरूर पिएं। इसके अलावा एक कप स्ट्रांग कॉफी भी ट्राई कर सकते हैं। डिहाइटड्रेशन मतलब बॉडी में पानी की कमी कई सारी बीमारियों की वजह है। बॉडी के सभी पॉर्ट्स को एक्टिव रखने के लिए पानी की जरूरत पड़ती है, इसलिए पानी की मात्रा को हमेशा सही बनाए रखें जिससे कमजोरी या बैचेनी महसूस न हो।

रोजाना एक्सरसाइज करें: किसी भी तरह की हल्की-फुल्की एक्सरसाइज को अपने डेली रुटीन में जरूर शामिल करें। चाहें तो रोज आधे घंटे की वॉक कर सकते हैं या तैरना पसंद हो तो वो भी किया जा सकता है। इससे बॉडी में ब्लड का फ्लो सही से बना रहता है।

प्रदूषण से सुरक्षा देता है विटामिन सी

फल व सब्जियों से भरपूर आहार करना श्वसन रोगों से पीड़ितों में वायु प्रदूषण के असर को कम करता है। जिनमें विटामिन सी का स्तर कम होता है, उनमें वायु प्रदूषण का विपरीत असर अधिक देखने को मिलता है। विटामिन सी जैसे एंटीऑक्सीडेंट्स शरीर को नुकसान पहुंचाने वाले फ्री रेडिकल्स से सुरक्षा प्रदान करते हैं। वायु प्रदूषण जब हवा के जरिए फेफड़ों में प्रवेश करता है तो फ्री रेडिकल का निर्माण होता है।

खतरनाक है गर्म हवा का झोका

गर्मियों में बढ़ते तापमान के साथ कई प्रकार की स्वास्थ्य समस्याओं का सामना करना पड़ता है। ऐसी ही एक गंभीर समस्या है हीट स्ट्रोक। हीट स्ट्रोक को आम बोलचाल की भाषा में लू लगना कहा जाता है। यह एक गंभीर शारीरिक अवस्था है, जिसमें शरीर, तापमान को नियंत्रित करने की क्षमता खो देता है और शरीर का तापमान निरंतर बढ़ता रहता है। तापमान बढ़ कर 105 डिग्री या उससे भी अधिक हो सकता है। हीट स्ट्रोक में शरीर के तापमान का बढ़ना साधारण बुखार की स्थिति से भिन्न होता है। हीट स्ट्रोक की समस्या बेहद घातक सिद्ध हो सकती है। इसके कारण मस्तिष्क और शरीर के आंतरिक अंगों को क्षति पहुंच सकती है और सही उपचार न मिलने की स्थिति में रोगी को जान तक गंवानी पड़ सकती है।

हीट स्ट्रोक की अवस्थाएं

हीट स्ट्रोक में गंभीर स्थिति से पहले आमतौर पर कुछ शुरुआती अवस्थाएं होती हैं, जिनके लगातार बढ़ने के कारण स्थिति बिगड़ जाती है। इन्हें जान कर और समय रहते सही उपचार करके इस गंभीर स्थिति तक पहुंचने से बचा जा सकता है।

हीट क्रैम्प

गर्मी में अधिक शारीरिक गतिविधि के साथ अगर शरीर को पर्याप्त मात्रा में पानी न मिले तो हीट क्रैम्प की समस्या हो सकती है। इस अवस्था में मांसपेशियों में ऐंठन, खासकर पेट, हाथों और पैरों में दर्द होता है। ऐसा शरीर से पसीने के साथ सोडियम निकल जाने के कारण होता है। इसलिए कम सोडियम डाइट लेने वाले लोगों और दिल के रोगियों के इससे पीड़ित होने की आशंका ज्यादा होती है। समस्या के काबू में न आने पर अगली अवस्था यानी हीट इग्जॉस्शन का खतरा बढ़ जाता है। इसलिए इस स्थिति में भरपूर मात्रा में तरल पदार्थ लें और कुछ घंटे बाहर न निकलें।

हीट इग्जॉस्शन

तेज गर्मी और डीहाइड्रेशन के कारण हीट इग्जॉस्शन की समस्या हो सकती है। कमजोरी, तेज पसीना, तेज प्यास, जी मिचलाना, सिरदर्द, थकान, मांसपेशियों में ऐंठन और दर्द, चक्कर आना जैसे लक्षण हीट इग्जॉस्शन का इशारा करते हैं। समय पर उपचार न मिलने पर समस्या बिगड़ सकती है।

हीट स्ट्रोक के संकेत

- तेज बुखार होता है, जो 104 डिग्री से ज्यादा रहता है।
- त्वचा में लालिमा, गर्माहट और खुश्की होती है।
- अत्यधिक घबराहट होती है।
- व्यवहार में बदलाव और चिड़चिड़ापन आ जाता है।
- पसीना कम आता है।
- सांस लेने में कठिनाई होती है।

क्या हैं कारण

अल्कोहल का सेवन, हृदय रोग, गर्मी में अत्यधिक कपड़े पहनना, गर्म दिनों में शारीरिक रूप से अधिक सक्रिय होने के बावजूद पर्याप्त मात्रा में तरल पदार्थों का सेवन न करना, गर्मी में अत्यधिक व्यायाम, तेज धूप के समय फील्ड वर्क करना स्ट्रोक के खतरे को बढ़ा सकते हैं। अवसाद के इलाज के दौरान ली जाने वाली दवाएं भी इसके खतरे को बढ़ा देती हैं।

प्रारंभिक इलाज

- रोगी को ठंडे स्थान पर ले जाएं। उसके शरीर पर ठंडे पानी की पट्टियां रखें या सीधे ठंडा पानी डालें।
- तापमान को नियंत्रित करने के लिए पर्याप्त हवा दें।
- रोगी पेय लेने की स्थिति में है तो उसे ठंडे, शीतल पेय पिलाएं।
- रोगी की बगलों, गर्दन, पीठ आदि में बर्फ का पैक लगाएं।

कैसा हो आहार

- खाने की ऐसी आदत बनाएं कि शरीर में पानी की कमी न रहे और इलेक्ट्रोलाइट संतुलित रहे।
- पानी, फलों-सब्जियों के जूस, ठंडी शिकंजी, मट्ठा, ग्लूकोज, इलेक्ट्रोलाइट जैसे तरल पदार्थों का सेवन करते रहें।
- तला-भुना, गरिष्ठ भोजन करने से बचें।
- सलाद, दही, फल, दाल आदि अधिक खाएं।

रिस्क फैक्टर श्रेणी

हीट स्ट्रोक का खतरा किसी को भी हो सकता है, लेकिन कुछ लोग खासतौर पर हीट स्ट्रोक की रिस्क फैक्टर श्रेणी में आते हैं। इन्हें बचाव के लिए खास ध्यान रखने की जरूरत होती है। बच्चे, वृद्ध, मानसिक रूप से कमजोर व्यक्ति, उच्च रक्तचाप, गुर्दे या दिल के रोगी, अत्यधिक शारीरिक श्रम करने वाले खिलाड़ी या मोटे लोग इसी श्रेणी के हैं।

घरेलू उपचार

धनिए को कुछ देर पानी में भिगो कर रखें। उसे अच्छी तरह मसल कर, छान कर उसमें थोड़ी चीनी मिला कर पीने से गर्मी के कारण होने वाली समस्याओं की आशंका कम हो जाती है।

कच्चे आम को उबाल कर छान लें। इसमें चीनी, नमक और भुना जीरा मिला कर पेय बना कर पिएं। गर्मी से बचाव के लिए यह रामबाण है।

ठंडे पानी में आलू बुखारे को मसल कर पीने से भी हीट स्ट्रोक से बचा जा सकता है।

बेल के रस में चीनी मिला कर पिएं। शरीर को गर्मी की समस्या से राहत मिलेगी।

मेथी की सूखी पत्तियों को रात भर पानी में भिगो कर रखें और अगले दिन इसे हाथ से मसल कर छान लें। इसमें थोड़ा शहद मिलाएं। थोड़ा-थोड़ा दो-दो घंटे के अंतराल में पिएं।

प्याज हीट स्ट्रोक से शरीर की रक्षा करती है। प्याज, चीनी और जीरे को भून लें। इसे थोड़ा-थोड़ा नियमित रूप से खाएं, गर्मी से राहत मिलेगी।

इन बातों का रखें ध्यान

- जब तापमान ज्यादा हो तो हीट स्ट्रोक के खतरे से बचे रहने के लिए बेहतर है कि बाहर न निकलें। ठंडी, वातानुकूलित जगहों पर ही रहने की कोशिश करें। बाहर जाना जरूरी हो तो कुछ सावधानियां जरूर बरतें।
- कम से कम एसपीएफ 30 वाली सन्सक्रीन का प्रयोग करें।
- पर्याप्त पानी पिएं। व्यायाम के समय या किसी भी काम के लिए बाहर जाने पर पानी पीने में बिल्कुल लापरवाही न बरतें।
- अधिक शारीरिक श्रम वाली बाहरी गतिविधियां सुबह 10-11 बजे से पहले और शाम को 4-5 बजे के बाद करें।
- बाहर रहने पर थोड़े अंतराल में पानी पीते रहें, भले ही आपको प्यास न लगी हो।
- हल्के रंगों के ढीले, सूती कपड़े पहनें।
- धूप में निकलें तो सनग्लास अवश्य लगाएं।
- छाते, चौड़े किनारे वाला हैट या स्कार्फ का प्रयोग करें।
- दिन में घर को ठंडा रखने के लिए पर्दो और सन कंट्रोल फिल्म का प्रयोग कर सकते हैं।

ब्रेस्ट कैंसर अब नहीं रहा लाइलाज

कैंसर का एक प्रकार है ब्रेस्ट कैंसर, जो ब्रेस्ट के उतकों में होता है। यह मुख्यता मिल्क डक्ट्स या लोब्युल्स में होता है जो नलिकाओं को दुग्ध उपलब्ध कराते हैं। यह मानव और दूसरे स्तनधारियों में होता है वैसे यह रोग आमतौर पर महिलाओं को ही होता है लेकिन मेल ब्रेस्ट कैंसर भी पाया जाता है। जब शरीर की कोशिकाएं गड़बड़ा जाती है तब इनमें अनियंत्रित विभाजन होता है और ये आसामान्य कोशिकाएं एक जगह इकट्ठी होकर टयुमर बना लेती हैं। जो एक उभार के या गांठ के रूप में नजर आता है। वैसे अब यह लाइलाज नहीं रहा। इसके इलाज के लिए अब नई-नई तकनीक आ गई है। अगर शुरुआत में ही इसका इलाज हो जाए तो इसे ठीक किया जा सकता है लेकिन चौथे स्तर पर पहुंचने पर इलाज संभव नहीं है क्योंकि तब तक यह शरीर के अन्य अंगों में पहुंचकर उन्हें काफी नुकसान कर चुका होता है। चौकअप बताए छिपा खतरा स्क्रीनिंग के द्वारा कैंसर का पता तब चलता है जब किसी व्यक्ति में कैंसर के कोई बाहरी लक्षण नजर नहीं आते हैं और वह सामान्य जीवन जी रहा होता है। सामान्यता कैंसर एक कोशिका में शुरू होता है। कैंसर की पहचान उसके लक्षण नजर आने से पहले हो जाए तो उपचार आसान हो जाता है।

मैमोग्राम

मैमोग्राम ब्रेस्ट का एक्स रे स्कैनिंग है। यह महिलाओं के लिए सबसे महत्वपूर्ण टेस्ट है, यह बिल्कुल शुरुआत में ही ब्रेस्ट कैंसर का पता लगा लेता है जब बाहरी तौर पर इस बीमारी के कोई संकेत या लक्षण दिखाई नहीं देते हैं। क्लिनिकल ब्रेस्ट एक्जामिनेशन (सीबीई) किसी डॉक्टर द्वारा किया जाने वाला ब्रेस्ट का फिजिकल इक्जामिनेशन है।

- **कब शुरू करें:** 40 वर्ष के बाद, लेकिन जिनके परिवार में इस बीमारी का इतिहास है उन्हें 20 के बाद ही शुरू करा लेना चाहिए।
- **कितने अंतराल के बाद:** सीबीई 20 साल के बाद साल में एक बार और मैमोग्राम 40 के बाद साल में एक बार।
- **मैमोग्राम के लिए मासिक धर्म के दौरान न जाएं:** इसके लिए सबसे उचित समय मासिक धर्म के एक या दो हफ्ते बाद है। अगर आप गर्भनिरोधक गोलियों का सेवन कर रही हों तो अपने डॉक्टर को इस बारे में जरूर बताएं।

ब्रेस्ट सेल्फ इक्जामिनेशन (बीएसई)

इसमें ब्रेस्ट की जांच खुद ही की जाती है। यह जांच मासिक धर्म खत्म होने के अगले तीन दिनों में की जाती है। इसमें ब्रेस्ट को दबाकर देखना की कहीं कोई गांठ तो छिपी नहीं है। निप्पल से कोई डिस्चर्ज तो नहीं निकल रहा है या त्वचा कहीं खुरदुरी होकर सूज तो नहीं गई है। हाई रिस्क कैटेगरी वाली महिलाओं को हर महीने और सामान्य महिलाओं को तीन महीने में अपने ब्रेस्ट की जांच स्वयं करनी चाहिए।

ब्रेस्ट की एमआरआई

ऐसी महिलाएं, जिनके परिवार में ब्रेस्ट कैंसर का इतिहास हो, जिन्हें गर्भाशय का कैंसर हो, महिलाएं जिन्होंने ने छाती पर रेडिएशन थेरेपी ली हो, वे हाई रिस्क कैटेगरी में आती हैं। उन्हें हर साल मैमोग्राम के साथ एमआरआई जरूर कराना चाहिए।

युवा महिलाओं में भी बढ़ रहा है खतरा

- ब्रेस्ट कैंसर की एज शिफ्ट हो गई है। पहले 40-60 की आयु-सीमा वाली महिलाओं को यह बीमारी ज्यादा परेशान करती थी, लेकिन वर्तमान में युवा महिलाएं इससे ज्यादा प्रभावित हो रही हैं। मोनोपज के पहले जिन महिलाओं को ब्रेस्ट कैंसर होता है वह ज्यादा घातक होता है।
- इसका सबसे प्रमुख कारण है कि युवा महिलाओं में मोनोपज की अवस्था को पहुंच चुकी महिलाओं से इसकी पहचान देर से होती है क्योंकि मासिक धर्म, बच्चों को स्तनपान कराने से उनके स्तन क्रियाशील रहते हैं इसलिए स्तन में होने वाले बदलावों का उनमें जल्दी पता नहीं पाता। जब डायग्राज किया जाता है तब तक बहुत देर हो चुकी होती है और उनका कैंसर अधिक उच्च स्तर पर पहुंच चुका होता है।

क्या कहते हैं आंकड़े

- ब्रेस्ट कैंसर महिलाओं में पुरुषों के मुकाबले सौ गुना अधिक होता है। पश्चिमी देशों में यह आम है।
- दुनियाभर में प्रति वर्ष 13 लाख महिलाओं में ब्रेस्ट कैंसर की पुष्टि होती है।
- अमेरिका में तो हर तीसरे मिनट एक महिला में ब्रेस्ट कैंसर की पुष्टि होती है।
- ब्रिटेन में तो 84 प्रतिशत महिलाएं ब्रेस्ट कैंसर से पीड़ित हैं। यानी 10 में से 8 से भी ज्यादा महिलाएं ब्रेस्ट कैंसर से पीड़ित हैं।

- शारीरिक निष्क्रियता कैंसर का खतरा 10प्रतिशत तक बढ़ा देती है और अत्यधिक धुम्रपान 35 से 50 प्रतिशत तक बढ़ा देता है।
- रेडिएशन का जब सही डोज दिया जाए तो दोबारा कैंसर होने की आशंका 50-66 प्रतिशत तक कम हो जाती है।
- जो महिलाएं बच्चों को एक साल तक दूध पिलाती हैं, उनमें ब्रेस्ट कैंसर का खतरा 11 प्रतिशत तक कम हो जाता है और अगर यह अवधि 24 महीने तक होती है तो इसका खतरा 50 प्रतिशत तक कम हो जाता है।

मॉरिशस के शोधकर्ताओं की रिसर्च में खुलासा

बीमार भी कर सकता है आपका स्टाइलिश पर्स

पर्स रखने का प्रचलन आज से नहीं बल्कि बरसों से चला आ रहा है। लगभग प्रत्येक व्यक्ति पर्स रखता ही है। स्टाइलिश और आकर्षक पर्स के लिए महिलाओं की दीवानगी तो किसी से छुपी ही नहीं है, लेकिन ये पर्स कभी-कभी स्वास्थ्य के लिए बेहद हानिकारक भी साबित होते हैं। हाल ही में एक रिसर्च से ये साबित भी हुआ है...

एक नई रिसर्च के मुताबिक, 90 फीसदी से अधिक पर्सों में बैक्टीरिया पाएं जाते हैं, खासतौर पर महिलाओं के पर्स में ऐसा अधिक होता है। रिसर्च में पाया गया कि रसोई घर, टेबल और बाथरूम जैसी जगहों से पर्स में सबसे ज्यादा बैक्टीरिया पनपते हैं, क्योंकि ये जगह हमेशा बहुत साफ-सुथरी नहीं रहतीं। जनरल एडवांस बायोमेडिकल के मुताबिक महिला और पुरुष दोनों में ही संक्रमित रोग फैलाने का बड़ा जिम्मेदार उनका पर्स है। हालांकि रिसर्च ये भी कहती है कि पुरुषों के मुकाबले महिलाओं के पर्स में अधिक बैक्टीरिया होते हैं।

95 प्रतिशत में बैक्टीरिया

मॉरिशस यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं द्वारा की गई इस रिसर्च में 145 पर्स की जांच की गई जिसमें से 80 पर्स महिलाओं के और 65 पुरुषों के थे। रिसर्च के नतीजों में पाया गया कि 95.2 पर्स में बैक्टीरिया थे। यह बैक्टीरिया शरीर को हानि पहुंचाने के लिए काफी थे।

2 फीसदी की ही सफाई

रिसर्च के दौरान ये बात भी सामने आई कि केवल 2.1 फीसदी महिलाएं महीने में एक बार अपना पर्स साफ करती हैं, जबकि 81.5 कभी भी अपना पर्स खाली नहीं करती। रिसर्च में ये बात भी सामने आई कि सिंथैटिक पर्स के मुकाबले लैदर पर्स में कम बैक्टीरिया होते हैं। हाल ही में यह भी खुलासा हुआ था कि करेंसी नोटों पर माइक्रो-ऑरगनीज्म नाम के बैक्टिरिया पाए जाते हैं। ये बैक्टीरिया 10, 20, 100 के करेंसी नोट में में होते है। इन नोटों पर 78 बीमारियों को जन्म देने वाले जीवाणु पाए गए थे। जो शरीर के लिए बेहद नुकसानदायक होते हैं।

सफलता की होड़ में उधड़ते मानवीय रिश्ते

पश्चिमी संस्कृति के प्रभाव ने हमारे देश में भौतिकवाद को प्रोत्साहन दिया है और अब तो पढ़े लिखे हों या नहीं सभी सुख-सुविधाओं के जाल में फंसते जा रहे हैं। भारतीय अध्यात्म ज्ञान के बारे में जानते सभी हैं पर उसे धारण करना लोगों को अब पिछड़ापन दिखाई देता है। नतीजा यह है कि समाज में आपसी रिश्ते एक औपचारिकता बनकर रह गए हैं।

सिर्फ सांसारिक शिक्षा काफी नहीं

अक्सर अनेक लोग शिकायत करते हैं कि उनके बच्चे उनसे दूर हो रहे हैं अथवा उनकी देखभाल नहीं करते। इसके दो कारण होते हैं एक तो यह कि नए सामाजिक परिवेश से तालमेल न बिठा पाने के कारण लोग अपने माता-पिता को त्याग देते हैं या फिर वह व्यवसाय के सिलिसले में उनसे दूर हो जाते हैं। दोनों ही स्थितियों का विश्लेषण करने पर अनुभव होगा कि आधुनिक युग के समस्त माता-पिता अपने बच्चों से यह अपेक्षा करते हैं कि वह इस मायावी दुनिया में उच्च से उच्च पद प्राप्त कर, अधिक से अधिक धनार्जन करें और भरपूर मान प्रतिष्ठा की दुनिया में चमककर उनका व अपना नाम रोशन करें। लोग बच्चों की कामयाबी के सपने देखते हैं और केवल सांसारिक शिक्षा तक ही अपने बच्चों को सीमित रखते हैं। किसी तरह अपना पेट पालो यही सिखाते हुए वह ऐसा अनुभव करते हैं कि जैसे कि वह दुनियां का कोई विशेष ज्ञान दे रहे हैं। यह तो एक सामान्य चतुराई है, जिसे सब जानते हैं।

सभी सुविधाओं के बाद भी अशांत रहता है मन

यह उन माता-पिता का भ्रम है कि शिक्षा तो सभी स्वतः ही प्राप्त करते हैं पर जिन बच्चों को उनके माता-पिता इसके साथ ही अध्यात्म ज्ञान, ईश्वर भक्ति और परोपकार करना सिखाते हैं वह अधिक योग्य निकलते हैं। जब तक आदमी के मन में अध्यात्म का ज्ञान नहीं होगा, तब तक वह न तो स्वयं कभी प्रसन्न रह पाता है और न ही दूसरों को प्रसन्न करता है। आज समस्त सुख सुविधाएं होने के बावजूद भी बहुत सभी लोगों का मन अशांत रहता है, क्योंकि मानव को परमात्मा के ज्ञान का प्रत्यक्ष बोधकर शांति, सत्य, अहिंसा एवं निःस्वार्थ प्रेम का वातावरण स्थापित करने का समय नहीं है। वह तो पैसे कमाने और सफलता की दौड़ में सबसे आगे निकलना चाहते हैं। मनुष्य जीवन में भक्ति और ज्ञान प्राप्त करने की सुविधा मिलती है पर उसका उपयोग नहीं कर हम उसे ऐसे ही नष्ट कर डालते हैं। ऐसे में वह ज्ञानी धन्य है जो दाल-रोटी खाकर पेट भरते हुए भगवान भजन और ज्ञान प्राप्त करने के लिए समय निकालते हैं।

रेसिपी

चॉकलेट मार्टिनी कॉकटेल

सामग्री

- 180 एमएल वैनीला वोडका
- 120 एमएल आईरिश क्रीम लिकर
- 120 एमएल चॉकलेट लिकर
- 120 एमएल चॉकलेट मिल्क
- आइस क्यूब
- फेंटी क्रीम और चॉकलेट कैंडी

विधि

सबसे पहले गलास को कॉकटेल ग्लासों से भरकर रेफ्रीजिरेटर में फ्रीज कर दें। फिर इस फ्रीज कॉकटेल ग्लास में एक बड़ा चम्मच चॉकलेट सीरप डालें। अब मिक्सी में चॉकलेट लिकर, आईरिश क्रीम लिकर, चॉकलेट मिल्क, वैनीला वोडका और आइस क्यूब्स को एक साथ डाल कर ब्लेंड करें। अब रेफ्रीजिरेटर में फ्रीज हो रहे कॉकटेल ग्लास को बाहर निकालें और उसमें इस ब्लेंड किए हुए मिश्रण को उड़ेलकर तुरंत सर्व करें। इसे सजाने के लिए ग्लास में ऊपर से गार्निश की हुई फेंटी हुई क्रीम और क्रश किया हुआ चॉकलेट कैंडी ऊपर से डालकर सजाएं।

मिंट लस्सी

सामग्री

- दही 2 कप
- पुदीना पत्ती एक चौथाई कप
- नमक आधा छोटा चम्मच
- अदरक का जूस 1 चम्मच
- काला नमक एक चौथाई चम्मच (छोटा)
- भुना जीरा पावडर एक चौथाई छोटा चम्मच
- आइस क्यूब आधा कप
- पुदीने की पत्ती गार्निशिंग के लिए 3 से 4

विधि

सबसे पहले मिक्सर ग्राइडर में पुदीने की पत्ती, दही, अदरक का जूस, नमक, काला नमक सभी को लेकर 1 कप पानी लेकर ग्राइंड कर लें। इस मिक्सचर के तैयार हो जाने पर इसे गिलास में डालकर, ऊपर से आइस क्यूब डालें। अब जीरा पावडर और पुदीने की पत्ती डाल कर इसे गार्निशिंग कर लें। आपकी मिंट लस्सी तैयार है, आप इसे तुरंत या फ्रिज में ठंडा कर बाद में भी सर्व कर सकती हैं।

शुभ लाभ
खबरें जो सोच बदल दे

संपादकीय

हिंसा अस्वीकार्य

छिटपुट हिंसा की घटनाओं के बावजूद पश्चिम बंगाल में कमोबेश शांतिपूर्ण मतदान हुआ था। लेकिन चुनाव परिणाम घोषित होने के बाद हो रही हिंसा की घटनाएं परेशान करने वाली हैं। भाजपा व टीएमसी के कुछ समर्थकों में हिंसक झड़पों के अलावा राज्य में पार्टी के अगुवा रहे सुवेंदु अधिकारी के करीबी चंद्रनाथ रथ की हत्या चौंकाने वाली है। इससे दोनों दलों के बीच तनाव बढ़ा है। राज्य में मुख्यमंत्री पद के प्रबल दावेदार सुवेंदु अधिकारी का दावा है कि रथ की हत्या उनके करीबी होने के कारण की गई है। वहीं चंद्रनाथ के परिजनों का आरोप है कि यह हत्या ममता बनर्जी की भवानीपुर में अधिकारी से हुई हार का बदला लेने के लिये की गई है। उल्लेखनीय है कि इस दौरान कुछ भाजपा व टीएमसी कार्यकर्ताओं की भी हत्या की गई है। दरअसल, पंद्रह साल से सत्ता में काबिज रही टीएमसी पर भाजपा की बड़ी जीत ने दोनों पार्टियों के बीच तनाव को बढ़ाया है। यही वजह है कि भारतीय चुनाव आयोग पर हमलावर होते हुए ममता बनर्जी ने केवल चुनाव परिणामों को ही खारिज नहीं किया, बल्कि मुख्यमंत्री के पद से इस्तीफा देने तक से मना कर दिया। उनकी इस घोषणा ने लंबे समय से जारी टकराव को बढ़ाने का काम ही किया। इस घटनाक्रम से टीएमसी कार्यकर्ताओं को आक्रामक होने का मौका मिला। निश्चय ही यह स्थिति राज्य के हित में नहीं कही जा सकती। राज्य में कानून व्यवस्था को प्राथमिकता के आधार पर बहाल किए जाने की जरूरत है। कायदे में चुनाव परिणाम सामने आने के बाद ममता को सदाशयता का परिचय देते हुए कार्यकर्ताओं को शांत रहने की अपील राज्य हित में करनी चाहिए। यही लोकतंत्र का तकाजा भी है। वहीं दूसरी ओर, भाजपा को भी अपने कार्यकर्ताओं को शांत रहने के लिये प्रेरित करना चाहिए। उन्हें चुनाव परिणाम सामने आने के बाद हिंसा से परहेज करना चाहिए। यही लोकतंत्र की प्रतिष्ठा भी है। यह विडंबना ही है कि चुनाव आयोग द्वारा राज्य के अधिकारियों को विजय जुलूसों पर प्रतिबंध लगाने के निर्देश देने के बाद भी दोनों दलों के कार्यकर्ताओं के बीच हिंसक झड़पें हुई हैं। ऐसी स्थिति में राज्य पुलिस को हिंसा के प्रति जीरो टॉलरेंस दिखाते हुए, केंद्रीय बलों के साथ कानून व्यवस्था बहाल करने के लिये मिलकर काम करना चाहिए। यूं तो पूरे राज्य में ही, अन्यथा खासकर संवेदनशील इलाकों में निगरानी बढ़ायी जानी चाहिए। हिंसक वारदातों व तोड़फोड़ में शामिल लोगों की पहचान करके उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए। किसी भी राजनीतिक दल से संबद्धता की परवाह किए बिना उपद्रवियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करना वक्त की जरूरत है। भाजपा व टीएमसी को अपने कार्यकर्ताओं से संयम बरतने को कहना चाहिए। वास्तव में अतीत में हिंसा का लंबा इतिहास रखने वाले पश्चिम बंगाल को अब नये सिरे से शुरुआत करके विकास के पथ पर लौटना चाहिए। यह निर्विवाद सत्य है कि किसी भी हिंसा की कीमत आखिर आम जनता को ही चुकानी पड़ती है।

चुनाव परिणाम घोषित होने के बाद हो रही हिंसा की घटनाएं परेशान करने वाली हैं। भाजपा व टीएमसी के कुछ समर्थकों में हिंसक झड़पों के अलावा राज्य में पार्टी के अगुवा रहे सुवेंदु अधिकारी के करीबी चंद्रनाथ रथ की हत्या चौंकाने वाली है। इससे दोनों दलों के बीच तनाव बढ़ा है। राज्य में मुख्यमंत्री पद के प्रबल दावेदार सुवेंदु अधिकारी का दावा है कि रथ की हत्या उनके करीबी होने के कारण की गई है। वहीं चंद्रनाथ के परिजनों का आरोप है कि यह हत्या ममता बनर्जी की भवानीपुर में अधिकारी से हुई हार का बदला लेने के लिये की गई है। उल्लेखनीय है कि इस दौरान कुछ भाजपा व टीएमसी कार्यकर्ताओं की भी हत्या की गई है। दरअसल, पंद्रह साल से सत्ता में काबिज रही टीएमसी पर भाजपा की बड़ी जीत ने दोनों पार्टियों के बीच तनाव को बढ़ाया है। यही वजह है कि भारतीय चुनाव आयोग पर हमलावर होते हुए ममता बनर्जी ने केवल चुनाव परिणामों को ही खारिज नहीं किया, बल्कि मुख्यमंत्री के पद से इस्तीफा देने तक से मना कर दिया। उनकी इस घोषणा ने लंबे समय से जारी टकराव को बढ़ाने का काम ही किया। इस घटनाक्रम से टीएमसी कार्यकर्ताओं को आक्रामक होने का मौका मिला। निश्चय ही यह स्थिति राज्य के हित में नहीं कही जा सकती।

यदि पश्चिम बंगाल के राजनीतिक इतिहास पर नजर डालें तो पाते हैं कि राज्य की राजनीति में अपराध जगत से जुड़े व दबंग किस्म के लोग दखल देते रहे हैं। कभी वे राजनीतिक दलों के लिए बूथ लूटने का काम किया करते थे। एक समय वामपंथी सरकार में दखल रखने वाले ये लोग कालांतर तृणमूल कांग्रेस के लिये काम करने लगे थे। दरअसल, ये लोग अपनी सुविधा के हिसाब से राजनीतिक शरण लेकर अपने मंसूबों को पूरा करते रहे हैं। जाहिर है, अब राज्य में तृणमूल कांग्रेस सत्ता से बाहर हो गई है तो वे भाजपा की छतरी के नीचे आने की कोशिश कर रहे होंगे। कहीं न कहीं हालिया हिंसा में उनकी भी भूमिका हो सकती है। यही वजह है कि भाजपा की तरफ से कहा जा रहा है कि अब तक टीएमसी से जुड़े रहे कुछ लोग खुद को भाजपा का बता रहे हैं। शुभेंदु अधिकारी को यहां तक कहना पड़ा कि जब तक भाजपा किसी व्यक्ति को पार्टी का सदस्य न बनाये तब तक वह व्यक्ति खुद को भाजपा का नहीं बता सकता है। बहरहाल, राज्य में शांति की स्थापना शासन-प्रशासन की प्राथमिकता होनी चाहिए।

कुछ अलग

दुखी पति-पत्नी को संत की सीख

एक लोक कथा है। पुराने समय में एक गांव में एक दंपत्ति बहुत मेहनती थे, लेकिन उनके जीवन में परेशानियां जैसे खत्म होने का नाम ही नहीं ले रही थीं। पत्नी-पत्नी आर्थिक तंगी, बीमारी, तो कभी आपसी तनाव की वजह से परेशान थे। धीरे-धीरे वे दोनों इतने निराश हो गए कि उन्हें लगने लगा कि शायद सुख उनके भाग्य में है ही नहीं। रोज सुबह की शुरुआत चिंता से होती और हर रात शिकायतों के साथ खत्म होती। वे गांव-गांव जाकर मंदिरों में माथा टेकते, पूजा-पाठ करते, व्रत रखते, लेकिन मन की शांति उन्हें कहीं नहीं मिल रही थी। उनके चेहरे पर हमेशा उदासी छाई रहती थी। एक दिन गांव के एक बुजुर्ग ने इस दंपत्ति को क्षेत्र के प्रसिद्ध संत के बारे में बताया। कहा जाता था कि संत केवल लोगों की समस्याओं को दूर करने का सही मार्ग दिखाते हैं। अपने दुख दूर करने की उम्मीद लेकर पति-पत्नी उस संत के पास पहुंच गए। दोनों ने संत के सामने बैठकर अपने दुखों की कहानी सुनाई। संत शांत भाव से उनकी बातें सुनते रहे। कुछ देर बाद वे अचानक उठे और अपने कमरे की ओर चले गए। वहां जाकर उन्होंने एक खंभे को कसकर पकड़ लिया और जोर-जोर से चिल्लाने लगे, "बचाओ! ये खंभा मुझे छोड़ नहीं रहा है!" संत की आवाज सुनकर आश्रम के लोग दौड़कर आए। सभी आश्चर्यचकित थे। गांव वालों ने कहा, "गुरुजी, खंभा आपको नहीं पकड़े हुए है। आपने ही खंभे को पकड़ रखा है।" संत मुस्कुराए और बोले, "यही बात मैं तुम सबको समझाना चाहता हूं। जीवन में दुख और चिंता भी ऐसे ही हैं। अक्सर दुख हमें नहीं पकड़ता, बल्कि हम ही दुख को पकड़कर बैठे रहते हैं। पुरानी गलतियों, नकारात्मक सोच और डर को छोड़ने के बजाय हम उन्हें बार-बार याद करते हैं।

रिपोर्ट के अनुसार वर्श 1984 से 2023 तक किए गए उपग्रह अध्ययन से पता चला है कि कुल 2431 बड़ी झीलें चिन्हित की गई

बम की तरह फट सकते हैं हिमालयी-हिमनद

प्रमोद भार्गव

हिमनद (ग्लेषियर) झीलों के आसपास मानव की आवाजाही अत्यंत सीमित है, वहां भी अब जलवायु परिवर्तन के चलते मौसम का मिजाज खतरे की घंटी बजाने लगा है। कुछ हिम झीलों का आकार तेजी से सिकुड़ रहा है तो कुछ का आकार आष्चर्यजनक ढंग से बढ़ भी रहा है। ऐसी 130 झीलें चिन्हित की गई है, जो क्षमता से अधिक आकार बढ़ने की स्थिति में बम की तरह फट सकती हैं। ऐसा होता है तो निचले क्षेत्रों में बसी बस्तियों में प्रलय का तांडव देखने में आ सकता है। हिमनद झीलों के अनियंत्रित ढंग से बढ़ते आकार की ठोस सच्चाई इसरो के उपग्रहों से लीं गई तस्वीरों के अध्ययन से सामने आई है। इस स्थिति ने विज्ञानियों की चिंता बढ़ा दी है। हिंदुकुष क्षेत्र में जलवायु परिवर्तन पर काम कर रहे वाडिया हिमालय भू-विज्ञान संस्थान के पूर्व वरिश्ठ विज्ञानी डॉ पीएस नेगी ने रिपोर्ट को गंभीरता से लेने की जरूरत जताई है।

जलवायु परिवर्तन का सीधा असर उच्च हिमालयी क्षेत्रों पर भी स्पष्ट दिखाई देने लगा है। यहां तक की जिन हिमनद (ग्लेषियर) झीलों के आसपास मानव की आवाजाही अत्यंत सीमित है, वहां भी अब जलवायु परिवर्तन के चलते मौसम का मिजाज खतरे की घंटी बजाने लगा है। कुछ हिम झीलों का आकार तेजी से सिकुड़ रहा है तो कुछ का आकार आष्चर्यजनक ढंग से बढ़ भी रहा है। ऐसी 130 झीलें चिन्हित की गई है, जो क्षमता से अधिक आकार बढ़ने की स्थिति में बम की तरह फट सकती हैं। ऐसा होता है तो निचले क्षेत्रों में बसी बस्तियों में प्रलय का तांडव देखने में आ सकता है। हिमनद झीलों के अनियंत्रित ढंग से बढ़ते आकार की ठोस सच्चाई इसरो के उपग्रहों से लीं गईं तस्वीरों के अध्ययन से सामने आई है। इस स्थिति ने विज्ञानियों की चिंता बढ़ा दी है। हिंदुकुष क्षेत्र में जलवायु परिवर्तन पर काम कर रहे वाडिया हिमालय भू-विज्ञान संस्थान के पूर्व वरिश्ठ विज्ञानी डॉ पीएस नेगी ने रिपोर्ट को गंभीरता से लेने की जरूरत जताई है। रिपोर्ट के अनुसार वर्श 1984 से 2023 तक किए गए उपग्रह अध्ययन से पता चला है कि कुल 2431 बड़ी झीलें चिन्हित की गई हैं। इनका आकार 10 हैक्टेयर से अधिक है। इनमें से 676 झीलों का आकार 27 प्रतिषत से अधिक बढ़ गया है। इनमें से 130 झीलें सबसे ज्यादा संवेदनषील हैं। हिमाचल प्रदेष की गेफांग घाट झील का आकार सर्वाधिक 178 प्रतिषत बढ़ा है। इसका कुल क्षेत्रफल 101.3 हैक्टेयर हो गया है। हिमालयी क्षेत्र में 10 लाख लोग ग्लेषियर झीलों के 10 किमी के दायरे में रहते हैं। याद रहे पिछले साल पांच अगस्त 2025 को उत्तराखंड के उत्तरकाषी जिले में धराली गांव के खीर क्षेत्र में बादल फटने के कारण भीशण बाढ़ और मलबे में यह पूरा क्षेत्र डूब गया था। बादल फटने से हुई तेज बारिष ने गंगोत्री और हर्शिल के क्षेत्र में आने वाली हिमनद झीलों को नाले में बदल दिया था। इस क्षेत्र में किए गए विभिन्न अध्ययनों के अनुसार हिमालय में छोटी-बड़ी सभी तरह की झीलों की संख्या आठ हजार से भी अधिक है। 1990 के बाद से यहां 1000 के करीब नए हिमनद अस्तित्व में आ गए है। डॉ नेगी का कहना है कि जलवायु परिवर्तन के चलते बड़ी मात्रा में बर्फ गिरती है तो हिमनद झीलों का आकार तो बढ़ता ही है, इनके फटने का खतरा भी बढ़ जाता है। अतएव इनकी निरंतर निगरानी रखने की जरूरत है। पोट्सडैम जलवायु प्रभाव षोध संस्थान के वैज्ञानिक-प्राध्यापक एंडर्स लीवरमैन ने धरती के बढ़ते तापमान की वजह से भारत में बारिष पर होने वाले प्रभावों का अध्ययन किया है। एंडर्स के मुताबिक जितनी बार धरती का पारा वैष्विक तापमान के चलते एक डिग्री सेल्सियस ऊपर चढ़ेगा, उतनी ही बार भारत में मानसूनी बारिष 5 प्रतिषत अधिक होगी। मानसूनी बारिष का वास्तविक अंदाजा लगाना भी कठिन हो जाएगा। यह अध्ययन 'अर्थ सिस्टम डायनेमिक्स' जर्नल में छपा है। भारत में आमतौर पर बारिष का सीजन जून के महीने से षुरू होता है और सितंबर के अंत तक चलता है।

एंडर्स का कहना है कि इस सदी के अंत तक साल दर साल वैष्विक तापमान की वजह से तापमान बढ़ेगा। नतीजतन भारत में मानसूनी बारिष तबाही मचाएगी। इससे ज्यादा बाढ़ आएगी, जिससे लाखों एकड़ में फैली फसलें खराब होंगी। यह इस पीढ़ी का जलवायु परिवर्तन का नमूना है, जो भारत की मानसूनी बारिष के अगले चार सालों का अनुमान लगाता है। यह अनुमान वैष्विक तापमान के बढ़ते क्रम के आधार पर लगाया जाता है। पेरिस जलवायु समझौते के अनुबंध के तहत अधिकतम तापमान दो डिग्री सेल्सियस को तय मानक माना जाता है। इसी नमूने से दुनिया के अलग-अलग देषों में मानसूनी या तूफानी बारिष की गणना की जाती है। दुनिया में अनियमित एवं षक्तिषाली मौसम के खतरे बढ़ रहे हैं। इस अध्ययन के अलावा संयुक्त राश्ट्र द्वारा 2020 में किए गए एक अध्ययन से भी स्पश्ट हुआ था कि जलवायु परिवर्तन और पानी का अटूट संबंध है। इस रिपोर्ट के मुताबिक दक्षिण एषिया को 2030 तक बाढ़ों की कीमत प्रत्येक वर्श चुकानी पड़ेगी। इनसे करीब सालाना 15.6 लाख करोड़ की हानि उठानी पड़ सकती है। साफ है, वैष्विक तापमान के बढ़ते खतरे ने आम आदमी के दरवाजे पर दस्तक दे दी है। दुनिया में कहीं भी एकाएक बारिष, बाढ़, बर्फबारी, बादल फटने या फिर सूखे का कहर का सामना करना पड़ सकता है। आंधी, तूफान और फिर यकायक ज्वालामुखियों के फटने की हैरतअंगेज घटनाएं भी यही संकेत दे रही हैं कि अदृष्य खतरे इर्दगिर्द ही कहीं मंडरा रहे हैं। समुद्र और अंटार्कटिका जैसे बर्फीले क्षेत्र भी इस बदलाव के संकट से दो-चार हो रहे हैं। दरअसल वायुमंडल में अतिरिक्त कार्बन डाइऑक्साइड महासागरों में भी अवषोशित होकर गहरे समुद्र में बैठ जाती है। यह वर्षों तक जमा रहती है। पिछली दो शताब्दियों में 525 अरब टन कचरा महासागरों में विलय हुआ है। इसके इतर मानवजनित गतिविधियों से उत्सर्जित कार्बन डाइऑक्साइड का 50 फीसदी भाग भी समुद्र की गहराइयों में समा गया है। इस अतिरिक्त कार्बन डाइऑक्साइड के जमा होने के कारण अंटार्कटिका के चारों ओर फैले दक्षिण महासागर में इस कार्बन डाइऑक्साइड को सोखने की क्षमता निरंतर कम हो रही है। इस स्थिति का निर्माण खतरनाक है। ब्रिटिश अंटार्कटिक सर्वेक्षण के मुताबिक वैज्ञानिकों का कहना है कि दक्षिण महासागर में कार्बन डाइऑक्साइड से लबालब हो गया है। नतीजतन अब समुद्र इसे अवषोशित करने की बजाय वायुमंडल में ही उगलने लग गया है। अगर इसे जल्दी नियंत्रित नहीं किया गया तो वायुमंडल का तापमान तेजी से बढेगा, जो न केवल मानव प्रजाति, बल्कि सभी प्रकार के जीव-जंतुओं के अस्तित्व के लिए खतरनाक होगा। हिमालय पर कई वर्शों से अध्ययन कर रहे 'वाडिया भू-विज्ञान संस्थान' की रिर्पोट के अनुसार हिमालय के हिमखंडों में काले कार्बन की मात्रा लगातार बढ़ रही है। यह मात्रा सामान्य से ढाई गुना बढ़कर 1899 नैनोग्राम हो गई है। दरअसल काले कार्बन से तापमान में वृद्धि होती है। यह सूर्य के प्रकाश को अवषोशित करने में अत्यंत प्रभावी है। इससे हिमालय और आर्कटिक जैसे हिमखंडों में बर्फ पिघलने लगती है। यदि किसी साल बरसात में औसत से कम बारिष होती है तो बर्फ पिघलने की मात्रा और अधिक बढ़ जाती है। वायु प्रदूशण से भी हिमखंड दूशित कार्बन की चपेट में आए हैं। उत्तराखंड अंतरिक्ष उपयोग केंद्र ने निश्कर्श निकाला है कि पिछले 37 सालों में हिमाच्छादित क्षेत्रफल में 26 वर्ग किलोमीटर की कमी आई है। इस क्षेत्र में पहले स्थाई स्नोलाईन 5700 मीटर थी, जो अब 5200 मीटर के बीच घट-बढ़ रही है। यही बजह है कि नंदादेवी जैव-मंडल (बायोस्फियर) आरक्षित ऋशि गंगा के दायरे का कुल 243 वर्ग किमी क्षेत्र बर्फ से ढका था, लेकिन यह 2020 में 217 वर्ग किमी ही रह गया है। साफ है, तापमान बढ़ने का सिलसिला बना रहा और यदि बर्फ इसी तरह पिघलती रही तो जीव-जंतुओं और वनस्पतियों के संकट में आने का सिलसिला भी बना रहेगा। बढ़ते तापमान से हिमखंडों के पिघलने की जो षुरूआत होगी, उसका खतरनाक मंजर बांग्लादेष में भी देखने को मिल सकता है। यहां तबाही का तांडव इसलिए जबरदस्त और व्यापक होगा, क्योंकि बांग्लादेष तीन नदियों के डेल्टा पर आबाद है। यहां के ज्यादातर भूखंड समुद्र तल से महज 20 फीट की ऊंचाई पर स्थित हैं। इसलिए बर्फ की षिलाओं के पिघलने से समुद्र का जलस्तर ऊपर उठेगा तो सबसे ज्यादा जलमग्न भूमि इसी देष की होगी। यहां आबादी का घनत्व सबसे ज्यादा है, इसलिए मानव त्रासदी भी इस देष को ही सबसे ज्यादा झेलनी पड़ सकती है। बांग्लादेष इस आषंका की चिंता कई बार अंतरराश्ट्रीय मंचों पर उठा चुका है। इस बाबत एक कुषंका यह भी है कि यदि वैष्विक तापमान थोड़ा भी बढ़ता है और हिमखंड पिघलते रहते हैं तो 2050 तक बांग्लादेष में धान की पैदावार 10 प्रतिषत और गेहूं की 30 प्रतिषत घट सकती है। बढ़ते तापमान को लेकर एक नई आषंका यह भी जताई जा रही है कि इससे दुनिया में कीड़े-मकोड़े और जीवाणु-विशाणु की संख्या अत्याधिक मात्रा में बढ़ेगी। कीड़ों के जीवन-चक्र पर बहुत ज्यादा वैज्ञानिक षोध नहीं हुए हैं।

देश दुनीया से

भाजपा को परखने के औजार बदलने होंगे

भारतीय जनता पार्टी की बंगाल जीत ने केवल राष्ट्रीय ही नहीं बल्कि अंतर्राष्ट्रीय राजनीतिक विश्लेषकों का भी ध्यान आकर्षित किया है। सभी अपने-अपने मापदण्डों पर इस चुनाव परिणाम को परख रहे हैं परन्तु पुराने ढर्रों पर चलते हुए फिर से गलती पर गलती दोहराते लगते हैं। यहां के विपक्ष की मानें तो यह एसआईआर के प्रयोग से निकला विजयमार्ग है तो विदेशी विश्लेषक फिर से जिंगल बैल जिंदल बैल की तरज पर साम्प्रदायिकता का गीत गाने लगे हैं। इन पांच राज्यों के चुनाव परिणाम बताते हैं कि भाजपा ने कहीं पहली बार पांव जमाए हैं, कहीं वह फिर से सत्ता में आई है तो कहीं उसने अपना जनाधार बढ़ाया है। अगर केरल जैसे राज्य में वामपंथी दलों को भाजपा के प्रभाव के डर से अयप्पा के दर्शन करने पड़ें, भाजपा के लिए राजनीतिक रूप से बंजर कहे जाने वाले बंगाल में कमल की फसल लहलाने लगे, द्रविड़ राजनीति के केंद्र तमिलनाडू में उसकी आहट सुनने लगे यह सहज ही अनुमान लगाया जा सकता है कि विरोधी इस दल को गलत औजारों से परख रहे हैं। विरोधी भूलते हैं कि देश का मतदाता मदिहीन नहीं है, वह सुशासन व विकास को अपनी पसंद बनाता जा रहा है। अगर कोई दल संविधान के अनुरूप काम करते हुए जनता की पसंद बन रहा है तो विरोधियों को भी अपनी सोच बदलनी होगी। भाजपा केंद्र और बहुत से राज्यों में वर्षों से शासन में है। अंधविरोध के चरम पर जा कर भी शासन व संवैधानिक व्यवस्था के किसी मान्य मापदण्ड पर विपक्ष अभी तक ऐसा कोई मुद्दा तराश नहीं पाया है जो जनता को भी मान्य हो। यहां तक कि प्रधानमंत्री कई बार चुटकी ले चुके हैं कि सार्वजनिक जीवन में विपक्ष उनकी कोई तथ्यात्मक आलोचना करने में असफल रहा है। दूसरी ओर पश्चिम बंगाल में भाजपा के सत्ता तक पहुंचते ही वैश्विक वैचारिक गलियारों में भी बेचैनी पैदा हो गई है। विदेशी मीडिया के बड़े हिस्से ने भारत में लोकतंत्र, अल्पसंख्यक अधिकार और चुनावी निष्पक्षता पर अचानक सवाल उठाने शुरू कर दिए। बीबीसी, न्यूयॉर्क टाइम्स, द गार्जियन और अल जजीरा जैसे मंचों पर फिर से यह विमर्श तेजी से गढ़ा जाने लगा कि भारत हिन्दू राष्ट्रवाद की ऐसी दिशा में बढ़ रहा है, जहां लोकतंत्र व बहुलता खतरे में है। विदेशी मीडिया में ज्यादा चर्चा बंगाल की है। सवाल यही है कि क्या चिंता वास्तव में लोकतंत्र की है या उस सियासी बदलाव की, जिसने दशकों पुराने वामपंथ और छद्मधर्मनिरपेक्षता के वैचारिक गढ़ को ध्वस्त कर दिया? जब भाजपा हारती है, तो विदेशी मीडिया भारत की लोकतांत्रिक परिपक्वता की तारीफ करता है, पर जैसे ही वह निर्णायक जनादेश लेकर आती है, तो लोकतांत्रिक प्रक्रिया संदेह और संस्थागत संकट की भाषा में बदल जाती है। श्रेष्ठभावना से ग्रसित पश्चिमी जगत कहीं यह तो नहीं मानता कि भारतीय मतदाताओं में राजनीतिक समझ का अभाव है? राष्ट्रवाद को लेकर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से लेकर अनेक विचारक स्पष्ट कर चुके हैं कि भारत का राष्ट्रवाद संकीर्ण पश्चिमी राष्ट्रवाद से सर्वदा विपरीत है। पश्चिमी मीडिया भारत को अक्सर यूरोपीय राजनीतिक अनुभवों के चश्मे से देखने की कोशिश करता है। वहां राष्ट्रवाद का अर्थ सत्ता विस्तार व नस्लीय वर्चस्व रहा है। जबकि भारत में राष्ट्रवाद सांस्कृतिक, सभ्यतागत पहचान और ऐतिहासिक आत्मबोध से जुड़ा है। इसे विदेशी मीडिया समझ नहीं पाता। इसीलिए वो हमारे सांस्कृतिक पुनर्जागरण को सीधे अल्पसंख्यक-बहुसंख्यकवाद से जोड़ देता है। यही कारण है कि बंगाल में भाजपा की जीत को पश्चिम के विश्लेषकों ने लोकतांत्रिक परिवर्तन के बजाय हिंदू राष्ट्रवादी कब्जे की तरह प्रस्तुत किया गया। एसआईआर पर अर्धसत्य दिखाते हुए कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने परिणामों के बाद वोट चोरी का आरोप लगाया। ममता बनर्जी ने चुनाव आयोग को भाजपा का आयोग बताया। विदेशी मीडिया ने इन आरोपों को लगभग बिना तथ्य जांचे ही अपने विमर्श का आधार बना लिया। विशेष रूप से एसआईआर को मुस्लिम मतदाताओं को हटाने की साजिश के रूप में पेश किया गया, जबकि हटाए गए 91 लाख नामों में 63 प्रतिशत हिंदू मतदाता थे। बड़ी संख्या में नाम मृत, डुप्लिकेट, स्थायी रूप से स्थानांतरित या फर्जी पाए गए थे। इसके बावजूद विदेशी मीडिया के बड़े हिस्से ने केवल मुस्लिम वोट हटाए गए वाली जिद को प्रमुखता दी। देसी-विदेशी विश्लेषक यह भूल गए कि जिन 20 सीटों पर जाँच के बाद सबसे ज्यादा वोट काटे गए थे, उनमें से ज्यादातर पर टीएमसी ने ही कब्जा जमाया है। इन सीटों में समशेरगंज, लालगोला, भगवानगोला, रघुनाथगंज, मटियाबुर्ज, सूती, मोथाबाड़ी, गोलपोखर, मालतीपुर, चोपड़ा, सुजापुर, राजारहाट न्यू टाउन और बशीरहाट उत्तर शामिल हैं। इन सभी 13 सीटों पर ममता बनर्जी की पार्टी को जीत मिली है। अन्य सीटों की बात करें तो फरक्का सीट पर सबसे ज्यादा 38,222 वोट काटे गए थे, लेकिन वहाँ से कॉन्ग्रेस ने जीत दर्ज की। वहीं भाजपा को जंगीपुर, रतुआ, करनदिघी, केतुग्राम, मानिकचक और मोंतेश्वर जैसी 6 सीटों पर जीत मिली। यह अकेला आँकड़ा ही उस प्रोपेगेंडा की हवा निकाल देता है जिसमें यह दावा किया जा रहा था कि वोटर लिस्ट में सुधार से सिर्फ टीएमसी को नुकसान हुआ और भाजपा को फायदा पहुँचा। अगर बड़े पैमाने पर देखें, तो जिन 187 सीटों पर 5,000 से ज्यादा वोटर्स के नाम काटे गए थे, वहां भाजपा ने 119 और टीएमसी ने 65 सीटों पर जीत दर्ज की। इन 187 सीटों में से 47 सीटें ऐसी थीं, जहाँ कटे हुए वोटों की संख्या जीत के अंतर से ज्यादा थी। भाजपा ने जो 119 सीटें जीतीं, उनमें से 28 सीटों पर जीत का अंतर कटे हुए वोटों से कम था।

आप का नजरीया

हाशिये पर आधी दुनिया

एक बार फिर साबित हुआ कि महिला आरक्षण की जोरदार वकालत करने वाले राजनीतिक दल हकीकत में महिलाओं को उनका हक देने में ईमानदार नहीं हैं। हाल ही में पश्चिम बंगाल, केरल, असम, तमिलनाडु और पुडुचेरी में विधानसभा चुनावों में महिलाओं को दिये गए टिकटों ने हकीकत बयां कर दी। महिला आरक्षण के नाम पर पिछले दिनों जमकर राजनीति करने वाले दलों ने तैंतीस प्रतिशत तो दूर, इसकी आधी संख्या के बराबर भी महिलाओं को टिकट नहीं दिए। यह विडंबना ही है कि हालिया विधानसभा चुनावों में एक तो बेहद कम महिलाओं को टिकट दिए गए, दूसरे उनमें भी बहुत कम महिला प्रत्याशी जीतकर विधानसभाओं में पहुंच सकी हैं। उल्लेखनीय है कि हाल में चार राज्यों व एक केंद्रशासित प्रदेश के लिए कुल आठ सौ चौबीस सीटों पर चुनाव संपन्न हुए थे, जिनमें सिर्फ पांच फीसदी सीटों पर ही महिलाएं चुनाव जीतने में सफल हो पायी हैं। दरअसल, जिस प्रतिशत में महिलाओं को आरक्षण देने की पुरजोर वकालत करते राजनीतिक दल नजर आते हैं, उस अनुपात में किसी भी राजनीतिक दल ने उन्हें टिकट नहीं दिए। यहां उल्लेखनीय है कि पश्चिम बंगाल, जिस राज्य को लेकर देश में सबसे ज्यादा गहमागहमी रही, वहां सत्तारूढ़ भाजपा ने कुल 294 सीटों में से तैंतीस पर ही महिलाओं को टिकट दिए। वहीं दूसरी ओर तृणमूल कांग्रेस ने 291 सीटों में बावन महिलाओं को टिकट दिए। कुल मिलाकर राज्य में सिर्फ दस फीसदी महिलाएं ही विधानसभा पहुंच पायीं। निश्चय यह आंकड़ा 33 फीसदी का एक-तिहाई भी नहीं है। कमोबेश तमिलनाडु में सत्ता की दहलीज पर खड़ी टीवीके ने जिन 234 सीटों पर चुनाव लड़ा, उसमें सिर्फ 24 महिलाओं को ही टिकट दिए गए। इसी तरह असम में सत्ता में आए राजग ने सिर्फ छह महिलाओं को ही उम्मीदार बनाया था। वहीं प्रगतिशील होने का दावा करने वाले कांग्रेस नीत यूडीएफ ने सिर्फ दस महिलाओं को ही टिकट दिए। जाहिर है सभी दलों में महिलाओं को उनका हक देने के प्रति उदासीनता देखी गई। हालिया विधानसभा चुनावों में महिलाओं को दिए गए टिकट और उनकी जीत के आंकड़े ने एक बार फिर साबित किया कि जनप्रतिनिधि संस्थाओं में महिलाओं को न्यायसंगत प्रतिनिधित्व देने के लिए आरक्षण देना अपरिहार्य ही है। किसी भी राजनीतिक दल में स्वतः ही महिलाओं को ईमानदारी से तैंतीस फीसदी आरक्षण देने की इच्छाशक्ति नजर नहीं आती है। कहा जा सकता है कि सभी दल महिला प्रतिनिधित्व के मुद्दे पर सिर्फ औपचारिकता पूरी करते ही नजर आते हैं। इस प्रवृत्ति पर अंकुश लगाने का अंतिम विकल्प यथाशीघ्र महिला आरक्षण व्यवस्था ही बचती है। विश्वास करें कि सभी राजनीतिक दल महिलाओं को उनका वाजिब हक देने के लिए ईमानदार पहल करेंगे। सवाल है कि जो राजनीतिक दल हाल में महिलाओं को आरक्षण देने और परिसीमन के मुद्दे पर संसद में जमकर राजनीति कर रहे थे, वे टिकट वितरण के समय महिलाओं के हक को लेकर गंभीर क्यों नजर नहीं आए? उन्होंने महिलाओं को पर्याप्त संख्या में टिकट देने के प्रति उत्साह क्यों नहीं दिखाया? सही मायने में जब तक विधायिका में महिला आरक्षण व्यवस्था हकीकत में लागू नहीं होती, तस्वीर नहीं बदलने वाली है। सवाल यही है कि जब संसद में महिला आरक्षण विधेयक लागू करने में सभी राजनीतिक दलों ने अपनी प्रतिबद्धता जतायी है तो टिकट बांटते समय उनकी सोच क्यों नहीं बदलती? उनकी कथनी-करनी का यह अंतर कब तक जारी रहने वाला है? इस मुद्दे पर उनका संजीदा व्यवहार क्यों नहीं होता है? आखिर राजनीतिक दलों में ईमानदार इच्छाशक्ति क्यों नहीं नजर आती है? हालिया चुनाव परिणाम घोषित होने के बाद सिर्फ पांच फीसदी महिलाओं का चुना जाना बताता है कि इस दिशा में सभी राजनीतिक दलों का आधी दुनिया के प्रति एक जैसा नजरिया ही होता है।

महिला आरक्षण के नाम पर पिछले दिनों जमकर राजनीति करने वाले दलों ने तैंतीस प्रतिशत तो दूर, इसकी आधी संख्या के बराबर भी महिलाओं को टिकट नहीं दिए। यह विडंबना ही है कि हालिया विधानसभा चुनावों में एक तो बेहद कम महिलाओं को टिकट दिए गए, दूसरे उनमें भी बहुत कम महिला प्रत्याशी जीतकर विधानसभाओं में पहुंच सकी हैं। उल्लेखनीय है कि हाल में चार राज्यों व एक केंद्रशासित प्रदेश के लिए कुल आठ सौ चौबीस सीटों पर चुनाव संपन्न हुए थे, जिनमें सिर्फ पांच फीसदी सीटों पर ही महिलाएं चुनाव जीतने में सफल हो पायी हैं। दरअसल, जिस प्रतिशत में महिलाओं को आरक्षण देने की पुरजोर वकालत करते राजनीतिक दल नजर आते हैं, उस अनुपात में किसी भी राजनीतिक दल ने उन्हें टिकट नहीं दिए। यहां उल्लेखनीय है कि पश्चिम बंगाल, जिस राज्य को लेकर देश में सबसे ज्यादा गहमागहमी रही, वहां सत्तारूढ़ भाजपा ने कुल 294 सीटों में से तैंतीस पर ही महिलाओं को टिकट दिए। वहीं दूसरी ओर तृणमूल कांग्रेस ने 291 सीटों में बावन महिलाओं को टिकट दिए। कुल मिलाकर राज्य में सिर्फ दस फीसदी महिलाएं ही विधानसभा पहुंच पायीं। निश्चय यह आंकड़ा 33 फीसदी का एक-तिहाई भी नहीं है। कमोबेश तमिलनाडु में सत्ता की दहलीज पर खड़ी टीवीके ने जिन 234 सीटों पर चुनाव लड़ा, उसमें सिर्फ 24 महिलाओं को ही टिकट दिए गए। इसी तरह असम में सत्ता में आए राजग ने सिर्फ छह महिलाओं को ही उम्मीदार बनाया था। वहीं प्रगतिशील होने का दावा करने वाले कांग्रेस नीत यूडीएफ ने सिर्फ दस महिलाओं को ही टिकट दिए। जाहिर है सभी दलों में महिलाओं को उनका हक देने के प्रति उदासीनता देखी गई।

दृष्टि कोण

टीवीके यानी 'स्टार्टअप' राजनीतिक विकल्प

तमिलनाडु विधानसभा के चुनाव-परिणामों ने देश में एक नए राजनीतिक 'स्टार्टअप' का नाम जोड़ा है। अभिनेता से राजनेता बने विजय की पार्टी टीवीके का चुनावी पदार्पण बेहद शानदार रहा है। 'स्टार्टअप' शब्द बिजनेस से आया है। तेजी से बढ़ने वाली कंपनियों को यह नाम दिया जाता है और एक अरब डॉलर से ऊपर का कारोबार करने वाली कंपनी को 'यूनिकॉर्न' कहते हैं। माना जा रहा है कि टीवीके ने रातों-रात भारतीय राजनीति में 'यूनिकॉर्न' बनकर दिखाया है। तमिलगा वेट्री कषगम (टीवीके) ने अपने पहले ही चुनावी मुकाबले के बाद तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी), आम आदमी पार्टी (आप), असम गण परिषद (एजीपी) और वाईएसआर कांग्रेस (वाईएसआरसीपी) जैसी पार्टियों के नक्शे-कदम सफलता हासिल की है। वह बेशक पहले ही राउंड में 'यूनीकॉर्न' बनकर उभरी है, पर पर्यवेक्षक मानते हैं कि उसे अभी कठोर परीक्षा से गुजरना होगा। अभी यह सेमीफ़ाइनल जैसा लगता है। शायद साल-दो साल, नई सरकार आए या फिर से चुनाव कराने पड़ें। टीवीके के पीछे नौजवानों की ताकत है, जिसे जेन-ज़ी माना जा रहा है। सोशल मीडिया के ज़रिए चुनाव जीतना एक बात है, लेकिन सत्ता के खेल को खेलना दूसरी बात है। इस पीढ़ी को घोषणापत्र पढ़ना, आर्थिक मुद्दों का अध्ययन करना या नेताओं की जवाबदेही का मतलब भी समझना होगा। परंपरागत राजनीति में भी युवा ही आगे आते हैं। पर समाधान झटपट नहीं मिलते और सिनेमा को नायकों की तरह खासतौर से नहीं। तमिलनाडु में सिनेमा और राजनीति का गहरा संबंध रहा है। अन्नादुरै, एमजीआर, करुणानिधि और जयललिता जैसे सिनेकर्मी अपनी फिल्मी लोकप्रियता के दम पर मुख्यमंत्री बने। पर वे स्पष्ट एजेंडा और दीर्घकालिक रणनीतियों वाले राजनीतिक नेताओं के रूप में परिपक्व हुए। पहली नज़र में लग सकता है कि इतिहास खुद को दोहरा रहा है, एक और अभिनेता राजनीति में प्रवेश कर रहा है। लेकिन हकीकत में विजय के पीछे युवाओं का अंधाधुंध समर्थन, भोलापन है। राजनीतिक-परिपक्वता नहीं। राज्य के मतदाता सत्ता-विरोधी लहरों पर सवार हैं। दशकों से वे द्रमुक और अद्रमुक दोनों को रोटेट करके

नियंत्रित रखते आए हैं। मौजूदा राजनीतिक परिदृश्य में जयललिता के निधन के बाद, नेतृत्व के अभाव और पार्टी की अंदरूनी खींचतान के कारण अन्नाद्रमुक पृष्ठभूमि में चली गई है। इस शून्य के कारण संभवतः टीवीके का उदय हुआ है। टीवीके संगठित प्रशंसक क्लब है। इसके ज्यादातर कार्यकर्ता विजय के प्रशंसक हैं, जो फिल्मों के रिलीज पर खुशी मनाने के आदी हैं, नीतियों पर बहस करने के नहीं। डीएमके, एआईएडीएमके, सीपीआई, सीपीआई-एम, वीसीके आदि जैसी सभी प्रमुख कार्यकर्ता-आधारित पार्टियों के विपरीत, जो राजनीतिक शिक्षा पर जोर देती हैं। भारत में राजनीतिक 'स्टार्टअप' को मोटे तौर पर तीन श्रेणियों में रख सकते हैं। एक, किसी आंदोलन से उत्पन्न, दो, किसी पारिवारिक नाम, व्यक्तित्व या वंश के इर्द-गिर्द निर्मित, और तीन, किसी सामाजिक या धार्मिक समूह या विशिष्ट विचारधारा के इर्द-गिर्द विकसित। आंध्र में अस्सी के दशक में एनटी रामाराव के नेतृत्व में तेलुगु देशम को और दिल्ली में आम आदमी पार्टी को काफी सफलता मिली, पर दोनों मौकों पर जनता को विकल्पों की जबर्दस्त जरूरत थी। वर्ष 1977 में जनता पार्टी भी राष्ट्रीय स्तर पर ऐसा ही 'स्टार्टअप' था। 1967 में जब देश में गठबंधन सरकारों का दौर शुरू हुआ, तब भी वह विकल्प खोजने का प्रयास था। टीडीपी ने अपने गठन के एक साल बाद, 1983 में आंध्र प्रदेश विधानसभा चुनावों में भारी बहुमत से जीत हासिल की थी और 201 सीटें जीती थीं। 1977 में जनता पार्टी ने तो 'यूनिकॉर्न' के रूप में ही शुरुआत की थी, पर वह अपने अंतर्विरोधों को संभाल नहीं पाई और देखते ही देखते अनेक दलों में विभाजित हो गई। बहुत कम राजनीतिक स्टार्टअप 'यूनिकॉर्न' बन पाए हैं।

चार ओवर फेंकने के लिए पूरी तरह फिट हूं : कैमरून ग्रीन

नई दिल्ली

इंडियन प्रीमियर लीग 2026 में कोलकाता नाइट राइडर्स ने शानदार वापसी करते हुए लगातार चौथी जीत दर्ज की है। अरुण जेटली स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में कोलकाता ने दिल्ली कैपिटल्स को 8 विकेट से हराकर प्लेआफ की दौड़ में अपनी स्थिति मजबूत कर ली।

इस मुकाबले में फिन एलन ने नाबाद शतकीय पारी खेलकर मैच का रुख पूरी तरह बदल दिया, जबकि आस्ट्रेलियाई आलराउंडर कैमरून ग्रीन ने बल्ले और गेंद दोनों से अहम योगदान देकर टीम की जीत में बड़ी भूमिका निभाई। मैच के बाद कैमरून ग्रीन ने अपनी फिटनेस और गेंदबाजी को लेकर बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि वह अब पूरी तरह फिट हैं और टीम के लिए पूरे चार ओवर फेंकने के लिए तैयार हैं। ग्रीन ने कहा कि कोलकाता की टीम का संतुलन काफी मजबूत है और उनके पास कई गेंदबाजी विकल्प मौजूद हैं, जिससे उन्हें गेंदबाजी करने में आसानी होती है। उन्होंने खास तौर पर अनुकूल राय की तारीफ करते हुए कहा कि बाएं हाथ के इस आलराउंडर ने मिडिल ओवरों में शानदार गेंदबाजी की है और टीम के आक्रमण को मजबूती दी है। ग्रीन ने बताया कि वह पावरप्ले, मध्य ओवरों और डेथ ओवरों में भी गेंदबाजी करने के लिए तैयार रहते हैं। गौरतलब है कि आईपीएल 2026 के शुरुआती मुकाबलों में कैमरून ग्रीन ने गेंदबाजी नहीं की थी। पीठ की चोट से उबरने के बाद टीम प्रबंधन उन्हें केवल बल्लेबाज के तौर पर इस्तेमाल कर रहा था। हालांकि अब वह पूरी तरह फिट नजर आ रहे हैं। दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मुकाबले में उन्होंने गेंदबाजी करते हुए एक महत्वपूर्ण विकेट भी हासिल किया और नितीश राणा को आउट कर टीम को अहम सफलता दिलाई। ग्रीन ने बल्लेबाजी क्रम को लेकर भी अपनी राय रखी। उन्होंने कहा कि शुरुआती कुछ मैचों में टीम सही संयोजन तलाश रही थी, लेकिन अब खिलाड़ियों की भूमिकाएं स्पष्ट हो चुकी हैं। उनके मुताबिक अब टीम को समझ आ गया है कि किस खिलाड़ी को किस नंबर पर बल्लेबाजी करनी चाहिए। ग्रीन का मानना है कि कोलकाता की टीम अब सही दिशा में आगे बढ़ रही है। इस सीजन वह बल्ले से भी शानदार फार्म में हैं और अब तक 232 रन बनाने के साथ चार विकेट भी हासिल कर चुके हैं।

आईपीएल 2026 मेगा आक्शन में कोलकाता नाइट राइडर्स ने कैमरून ग्रीन को 25.20 करोड़ रुपये में खरीदा था। इतनी बड़ी कीमत को लेकर पूछे गए सवाल पर ग्रीन ने कहा कि उन्हें कभी अतिरिक्त दबाव महसूस नहीं हुआ। उन्होंने बताया कि टीम प्रबंधन और कोचिंग स्टाफ ने हमेशा उनका समर्थन किया और कीमत को लेकर कभी चर्चा नहीं की। लगातार चार जीत के बाद कोलकाता नाइट राइडर्स ने प्लेआफ की रेस में दमदार वापसी कर ली है और अब टीम की नजर टाप-4 में जगह बनाने पर टिकी हुई है।

न्यूज ब्रीफ

दिल्ली कैपिटल्स में नेतृत्व परिवर्तन को लेकर चर्चा जोरों पर

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग 2026 में दिल्ली कैपिटल्स का प्रदर्शन लगातार निराशाजनक रहा है और अब टीम का प्लेआफ में पहुंचना लगभग नामुमकिन नजर आ रहा है। 11 मुकाबलों में सिर्फ चार जीत दर्ज करने वाली दिल्ली को सात मैचों में हार का सामना करना पड़ा है। टीम के पास अभी तीन मुकाबले बाकी हैं, लेकिन अगर दिल्ली अपने सभी शेष मैच जीत भी लेती है तो वह अधिकतम 14 अंकों तक ही पहुंच पाएगी। मौजूदा सीजन के समीकरणों को देखते हुए 14 अंकों के साथ प्लेआफ में जगह बनाना बेहद मुश्किल माना जा रहा है। ऐसे में टीम के खराब प्रदर्शन के बाद कप्तान अक्षर पटेल पर लगातार सवाल उठने लगे हैं। इस सीजन में अक्षर पटेल का प्रदर्शन गेंदबाजी, बल्लेबाजी और कप्तानी तीनों विभागों में फीका रहा है। एक गेंदबाजी आलराउंडर होने के बावजूद वह टीम को अपेक्षित सफलता नहीं दिला पाए। 11 मैचों में उन्होंने सिर्फ 10 विकेट हासिल किए हैं। कई मुकाबलों में तो उन्होंने अपने पूरे चार ओवर भी नहीं फेंके। टी20 क्रिकेट में अक्षर की पहचान पावरप्ले में किफायती गेंदबाजी करने वाले खिलाड़ी के रूप में रही है, लेकिन इस सीजन वह बल्लेबाजों पर दबाव बनाने में नाकाम दिखाई दिए। उनकी गेंदबाजी में धार और आक्रामकता दोनों की कमी साफ नजर आई। जिसके बाद से कप्तान बदने को लेकर चर्चा जोरो पर हैं। चर्चाएं इस बात पर हो रही है कि क्या अगले सीजन दिल्ली कैपिटल्स नए कप्तान के साथ मैदान में उतर सकती है।

विनेश फोगाट को डब्ल्यूएफआई का कारण बताओ नोटिस, पहलवान बोलीं- कोई ताकत मेरा सिर नहीं झुका सकती

नई दिल्ली। भारतीय महिला पहलवान विनेश फोगाट ने संकेत दिए कि वह भारतीय कुश्ती महासंघ

(डब्ल्यूएफआई) द्वारा जारी किए गए कारण बताओ नोटिस के खिलाफ कानूनी और खेल स्तर पर लड़ाई लड़ेंगी।

डब्ल्यूएफआई ने उन पर अनुशासनहीनता और एंटी-डोपिंग नियमों के उल्लंघन के आरोप लगाए हैं। साथ ही उन्हें 26 जून तक घरेलू प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए अयोग्य घोषित कर दिया गया है। डब्ल्यूएफआई के अनुसार, विनेश ने रिटायरमेंट के बाद वापसी करने वाले खिलाड़ियों के लिए लागू यूडब्ल्यूडब्ल्यू एंटी-डोपिंग नियमों के तहत अनिवार्य छह महीने की नोटिस अवधि पूरी नहीं की है। इसी कारण उनकी वापसी फिलहाल रोक दी गई है। विनेश गोंडा में रविवार से शुरू हो रहे नेशनल ओपन रैंकिंग टूर्नामेंट से प्रतिस्पर्धी कुश्ती में वापसी करना चाहती थीं। गौरतलब है कि उन्होंने 2024 ओलंपिक में अयोग्य घोषित किए जाने के बाद 2024 में कुश्ती से संन्यास ले लिया था। विनेश फोगाट ने सोशल मीडिया पर भावुक पोस्ट साझा करते हुए लिखा कि, जिदगी किसी गहरे भंवर में फंसी हुई है। दुनिया मेरे चरित्र में खामियां ढूंढ रही है। लेकिन जिंदगी ने हमेशा सिर ऊंचा रखना सिखाया है। कोई तलवार इसे झुका नहीं सकती। डब्ल्यूएफआई द्वारा जारी 15 पन्नों के नोटिस में कहा गया है कि पेरिस में विनेश के व्यवहार से भारतीय कुश्ती की छवि को नुकसान पहुंचा।

राशिद आईपीएल में सबसे अधिक विकेट लेने वाले विदेशी स्पिनर बने, नरेन को पीछे छोड़ा

जयपुर। गुजरात टाइटंस के स्पिनर राशिद खान ने राजस्थान रायल्स के खिलाफ आईपीएल मैच में अपनी टीम की जीत में अहम भूमिका निभाने के साथ ही एक अहम रिकार्ड अपने नाम किया है। राशिद ने इस मैच में चार विकेट लेकर राजस्थान रायल्स को 152 रनों पर आउट करने के साथ ही एक बड़ी उपलब्धि भी अपने नाम की है। राशिद अब आईपीएल इतिहास में विदेशी स्पिनर के तौर पर सबसे ज्यादा बार तीन या उससे अधिक विकेट लेने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। उन्होंने इसी के साथ ही कोलकाता नाइटराइजर्ड (केकेआर) के अनुभवी स्पिनर सुनील नरेन को भी पीछे छोड़ दिया है। यह ये 18 वीं बार है जब राशिद ने आईपीएल मैच में तीन या उससे ज्यादा विकेट लिए हैं। इस उपलब्धि के साथ ही अब वह अमित मिश्रा और रवींद्र जडेजा जैसे भारत के प्रमुख स्पिनरों से आगे निकल गए हैं। अब केवल स्पिनर युजवेंद्र चहल ही उनसे आगे हैं, जिन्होंने 23 बार यह कारनामा किया है।

आरसीबी ने आखिरी गेंद पर हासिल की जीत मुंबई इंडियंस प्लेऑफ की रेस से बाहर

रायपुर: आईपीएल 2026 के 54वें मुकाबले में मुंबई इंडियंस को आरसीबी के खिलाफ 2 विकेट से हार मिली। इस हार के साथ ही मुंबई इंडियंस के प्लेऑफ की उम्मीद खत्म हो गई है। शहीद वीर नारायण सिंह इंटरनेशनल स्टेडियम में पहले बल्लेबाजी करते हुए एमआई ने 20 ओवर में 7 विकेट खोकर 166 रन स्कोरबोर्ड पर लगाए। आरसीबी ने आखिरी गेंद पर मैच को जीत लिया। टीम को जीत के लिए 6 गेंद पर 15 रन चाहिए थे। राज बावा ने 5 अतिरिक्त रन दिए। आखिरी गेंद पर रासिख सलाम ने दो रन बनाकर अपनी टीम को जीत दिला दी। इस जीत से आरसीबी की टीम पॉइंट्स टेबल में टॉप पर पहुंच गई है।

तिलक वर्मा ने मुंबई के लिए फिफ्टी ठोकी

टॉस गंवाकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी मुंबई इंडियंस की शुरुआत अच्छी नहीं रही। भुवनेश्वर कुमार ने पारी के पहले ही ओवर में रेयान रिकेल्टन को महज 2 रन के स्कोर पर पवेलियन भेजा। इसके बाद रोहित शर्मा 10 गेंदों में 2 चौके और 2 छक्कों की मदद से 22 रन बनाकर आउट हुए। कप्तान सूर्यकुमार यादव बिना खाता खोले आउट हुए। 28 के स्कोर पर 3 विकेट गंवाकर मुश्किल में दिख रही एमआई की पारी को नमन धीर और तिलक वर्मा ने संभाला और चौथे विकेट के लिए 57 गेंदों में 82 रनों की अहम साझेदारी निभाई।नमन ने 32 गेंदों का सामना करते हुए 5 चौके और 2 छक्कों की मदद से 47 रन बनाए। वहीं, तिलक वर्मा ने 42 गेंदों में 57 रन बनाए। अपनी इस पारी में तिलक ने 3 चौके और 2 छक्के लगाए। विल जैक्स सिर्फ 10 रनों का ही योगदान दे सके, जबकि राज बावा 14 गेंदों में 16 रन बनाकर आउट हुए। आरसीबी की ओर से गेंदबाजी में भुवनेश्वर कुमार ने 4 ओवर में सिर्फ 23 रन देकर 4 बड़े विकेट निकाले।

क्रुणाल पंड्या ने खेली मैन विनिंग पारी

लक्ष्य का पीछा करने उतरी आरसीबी की शुरुआत अच्छी नहीं रही। विराट कोहली को दीपक चाहर ने गोल्डन डक पर पवेलियन भेजा। इसके बाद देवदत्त पडिक्कल भी 11 गेंदों पर 12 रन बनाकर आउट हुए। कप्तान रजत पाटीदार बल्ले से कुछ खास कमाल नहीं दिखा सके और वह 8 रन बनाकर आउट हुए। जैकब बेथेल अच्छी शुरुआत का फायदा उठाने में नाकाम रहे और 27 रन बनाने के बाद कॉर्बिन बॉश का शिकार बने।

धोनी को खेलते रहना चाहिए उनके जैसा विकेटकीपर कोई नहीं : क्लार्क

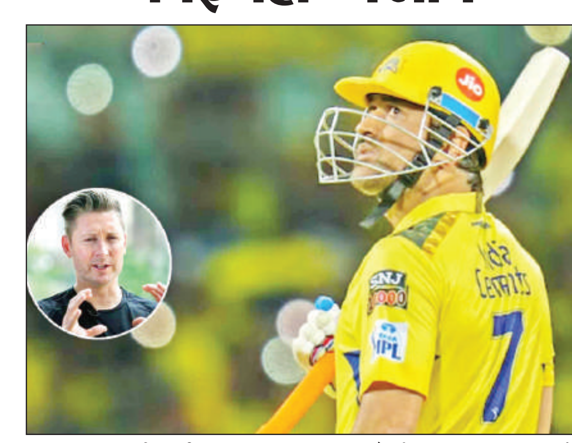

नई दिल्ली

आस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान माइकल क्लार्क ने भारतीय क्रिकेट के दिग्गज महेंद्र सिंह धोनी की जमकर तारीफ करते हुए कहा है कि उम्र बढ़ने के बावजूद उन्हें प्रतिस्पर्धी क्रिकेट खेलना जारी रखना चाहिए। क्लार्क का मानना है कि धोनी का खेल पर प्रभाव आज भी बेहद खास है और टी20 क्रिकेट में उनसे बेहतर विकेटकीपर कोई नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि जिस दिन धोनी क्रिकेट से संन्यास लेंगे, उसके बाद शायद वह किसी भी रूप में खेल से जुड़े नजर नहीं आएंगे। इंडियन प्रीमियर लीग 2026 शुरू होने से पहले महेंद्र सिंह धोनी को पिंडली में खिंचाव की समस्या हो गई थी। इसके बाद चेन्नई सुपर किंग्स की ओर से जानकारी दी गई थी कि 44 वर्षीय धोनी शुरुआती कुछ मुकाबले ही मिस करेंगे। हालांकि टीम अब तक 10 मैच खेल चुकी है, लेकिन धोनी मैदान पर वापसी नहीं कर पाए हैं। वह लगातार नेट्स में अभ्यास जरूर कर रहे हैं, लेकिन मैचों के दौरान टीम के साथ यात्रा नहीं कर रहे। उनकी गैरमौजूदगी ने प्रशंसकों को निराश किया है, लेकिन माइकल क्लार्क का मानना है कि धोनी और चेन्नई सुपर किंग्स एक-दूसरे से अलग नहीं हो सकते।

एक पाडकास्ट में बातचीत के दौरान माइकल क्लार्क ने कहा कि महेंद्र सिंह धोनी ही चेन्नई सुपर किंग्स की असली पहचान हैं। उन्होंने कहा कि जब भी चेन्नई का मैच होता है तो स्टेडियम में ज्यादातर दर्शक नंबर 7 वाली पीली जर्सी पहनकर पहुंचते हैं। यहां तक कि टीम के साथ जुड़ने वाले प्रायोजक भी चाहते हैं कि धोनी टीम का हिस्सा बने रहें। क्लार्क ने कहा कि भारत और चेन्नई सुपर किंग्स दोनों के लिए धोनी का महत्व बेहद बड़ा है और उम्र को उनकी क्षमता का पैमाना नहीं माना जाना चाहिए। पूर्व आस्ट्रेलियाई कप्तान ने कहा कि कोई भी उन्हें यह समझा नहीं सकता कि वर्तमान समय में टी20 क्रिकेट में धोनी से बेहतर विकेटकीपर मौजूद है। उनके अनुसार धोनी की विकेटकीपिंग कौशल, मैच को पढ़ने की क्षमता और दबाव में शांत रहने का अंदाज उन्हें बाकी खिलाड़ियों से अलग बनाता है।

वैभव सूर्यवंशी टी20 क्रिकेट में सबसे तेजी से 100 छक्के लगाने वाले बल्लेबाज बने

जयपुर। राजस्थान रायल्स की ओर से खेल रहे वैभव सूर्यवंशी ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) लीग में गुजरात टाइटंस के खिलाफ मैच में अपनी 36 रनों की पारी में तीन छक्के लगाने के साथ ही एक अहम रिकार्ड अपने नाम किया है।अपनी इस पारी के साथ ही वैभव ने टी20 क्रिकेट में एकसाथ कई रिकार्ड अपने नाम किये हैं। वैभव अब टी20 क्रिकेट में सबसे तेज और सबसे कम उम्र में 100 छक्के लगाने वाले पहले बल्लेबाज बन गए हैं। वैभव ने केवल 29 टी20 पारियों में हासिल की, जो अपने आप में एक बड़ा रिकार्ड है। वैभव ने केवल 514 गेंदों में अपने 100 टी20 छक्के पूरे कर लिए हैं, जो इससे पहले किसी भी बल्लेबाज ने इतनी कम गेंदों में नहीं किया था। वहीं इससे पहले आस्ट्रेलियाई बल्लेबाज करणबीर सिंह ने 813 और वेस्टइंडीज के पूर्व क्रिकेर कीरोन पोलार्ड ने 843 गेंदों में 100 टी20 छक्के लगाए थे। वैभव ने पावरप्ले में सबसे अधिक छक्के लगाने का नया रिकार्ड भी बनाया है। उन्होंने मौजूदा सीजन में पावरप्ले के भीतर कुल 30 छक्के लगाये हैं, जिससे उन्होंने 2024 सीजन में अभिषेक द्वारा बनाए गए 29 छक्कों के रिकार्ड को पीछे छोड़ दिया है।

फीफा वर्ल्ड कप 2026 की ओपनिंग सेरेमनी में दिखेगा नोरा का जलवा

अंतरराष्ट्रीय मंच पर बिखेरेंगी भारतीय प्रतिभा की चमक

मुंबई

बालीवुड की मशहूर डांसर और ग्लोबल स्टार नोरा फतेही एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत का नाम रोशन करने जा रही हैं। नोरा अब फीफा वर्ल्ड कप 2026 की ओपनिंग सेरेमनी में अपनी शानदार परफार्मेंस और सिंगिंग का जलवा बिखेरेंगी। यह भव्य आयोजन कनाडा के टोरंटो शहर में आयोजित किया जाएगा। नोरा का इस प्रतिष्ठित मंच पर शामिल होना भारतीय मनोरंजन जगत के लिए बेहद गर्व की बात माना जा रहा है। दुनियाभर में अपनी डांस परफार्मेंस और स्टेज प्रेजेंस के लिए पहचान बना चुकीं नोरा अब वैश्विक स्तर पर एक बार फिर भारतीय कला और संस्कृति का प्रतिनिधित्व करती नजर आएंगी। फीफा वर्ल्ड कप 2026 की ओपनिंग सेरेमनी 12 जून को टोरंटो के प्रसिद्ध बीएमओ फील्ड स्टेडियम में आयोजित होगी। इस खास कार्यक्रम में नोरा फतेही के साथ कई बड़े अंतरराष्ट्रीय कलाकार भी मंच साझा करेंगे। इनमें माइकल बुबले, एलानिस मारिसेट, एलेसिया कारा, एलियाना, जेसी रेयेज, संजाय, वेगेड्रीम और विलियम प्रिंस जैसे लोकप्रिय नाम शामिल हैं। वहीं अमेरिका में आयोजित होने वाली दूसरी ओपनिंग सेरेमनी में अनीता, फ्यूचर, कैटी पेरी, लिसा, रेमा और टायला जैसे ग्लोबल सुपरस्टार्स अपनी प्रस्तुतियां देंगे। इस तरह फीफा वर्ल्ड कप 2026 सिर्फ फुटबाल का महाकुंभ नहीं बल्कि संगीत, संस्कृति और मनोरंजन का भी विशाल उत्सव बनने जा रहा है। फीफा की ओर से जारी जानकारी के अनुसार, कनाडा में होने वाली ओपनिंग सेरेमनी के जरिए देश की संस्कृति, विविधता और परंपराओं को दुनिया के सामने पेश किया जाएगा। समारोह में कनाडा की खूबसूरत लोकेशनों और सांस्कृतिक विरासत को विशेष प्रस्तुति के माध्यम से दिखाया जाएगा। आयोजकों के मुताबिक यह कार्यक्रम एकता, उत्साह और सांस्कृतिक पहचान का प्रतीक होगा। फीफा अध्यक्ष जियानी इन्फेंटिनो ने कहा कि टोरंटो में होने वाली यह ओपनिंग सेरेमनी कनाडा की पहचान और फुटबाल के प्रति वहां के लोगों के उत्साह को दुनिया के सामने पेश करेगी।

आईपीएल टिकट ब्लैक करने वाला गिरोह पकड़ाया : फ्लाइट से वेन्यू पर टिकट बेचने जाते थे आरोपी

नई दिल्ली

दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम के पास आईपीएल मैचों की टिकटों और काम्प्लिमेंट्री पास की ब्लैक मार्केटिंग करने वाले एक बड़े गिरोह का भंडाफोड़ हुआ है। क्राइम ब्रांच की टीम ने दिल्ली गेट के पास 3 आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जो कोलकाता नाइट राइडर्स और दिल्ली कैपिटल्स मैच से पहले खुद को अधिकृत प्रतिनिधि बताकर क्रिकेट प्रेमियों को ठग रहे थे।

एक मीडिया रिपोर्ट में दावा किया गया कि ये पास अरुण जेटली स्टेडियम में पास एक पेट्रोल पंप में बिक रहे थे। पुलिस ने 54 मैच टिकट बरामद किए हैं, जिनमें 33 ऐसे काम्प्लिमेंट्री पास हैं जिन पर नाट फार सेल लिखा हुआ है।

टिकटों को दोगुनी कीमत पर बेचा जा रहा था – पकड़े गए आरोपियों की पहचान मुकीम (मुरादाबाद), गुफरान उर्फ साजिद (जामिया नगर) और मोहम्मद फैसल (सीलपुर) के रूप में हुई है। ये आरोपी मुफ्त पास को 20,000 प्रति पास की भारी-भरकम कीमत पर बेच रहे थे, जबकि सामान्य टिकटों को प्रिंट रेट से दोगुने दाम पर बेचा जा रहा था।

आरोपियों को पुलिस रिमांड पर लिया गया है। इस सिंडिकेट में शामिल अन्य लोगों की पहचान के लिए जांच जारी है। अगर किसी और व्यक्ति की संलिप्तता पाई जाती है, तो उसके खिलाफ भी सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

फ्लाइट से पूरे देश में फैला रखा था नेटवर्क

पूछताछ में खुलासा हुआ है कि यह गिरोह केवल दिल्ली ही नहीं, बल्कि पूरे भारत में सक्रिय था। आरोपी फ्लाइट से उन शहरों की यात्रा करते थे जहां आईपीएल मैच आयोजित होते थे। आरोपी स्टेडियम के अंदर आनलाइन सट्टेबाजी (सट्टा) करने वालों और हाई-प्रोफाइल जेबकतरों को प्रीमियम टिकट मुहैया कराते थे। पुलिस अब इस बात की जांच कर रही है कि इन आरोपियों को भारी मात्रा में काम्प्लिमेंट्री पास कहाँ से और किसके जरिए मिल रहे थे।

आरोपियों का पुराना आपराधिक रिकार्ड

क्राइम ब्रांच के अनुसार इन तीनों आरोपियों के खिलाफ दिल्ली, पंजाब और हरियाणा में टिकट ब्लैक करने के कई मामले पहले से दर्ज हैं। आरोपी फैसल के खिलाफ पंजाब में जुआ अधिनियम के तहत भी मामला दर्ज है। पुलिस ने आरोपियों के पास से 25,000 नकद और 54 टिकट बरामद कर आईपीसी की जगह नए कानूनों की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है।

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ

सैमसंग के पुराने गैलेक्सी डिवाइस में मिलेंगे नए एआई फीचर्स

नई दिल्ली

वन यूआई 8.5 में यूजर्स को नया इंटरफेस, बेहतर एआई टूल्स, स्मार्ट कैमरा फीचर्स, मजबूत प्राइवेसी कंट्रोल और अपग्रेडेड बिक्बी जैसे कई बड़े बदलाव मिलेंगे। कंपनी ने फिलहाल शुरुआती चरण में फ्लैगशिप डिवाइसेस को प्राथमिकता दी है।

इसके बाद अलग-अलग देशों में अन्य समर्थित डिवाइसेस के लिए यह अपडेट धीरे-धीरे जारी किया जाएगा। वन यूआई 8.5 में सैमसंग ने गैलेक्सी एआई फीचर्स को और ज्यादा उन्नत बनाया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, इसमें नए एआई टूल्स, स्मार्ट सजेशन और बेहतर मल्टीटास्किंग फीचर्स दिए गए हैं।

इसके अलावा जेमिनी लाइव और एआई रिजल्ट व्यू जैसे फीचर्स भी शामिल किए गए हैं, जिससे यूजर एक्सपीरियंस पहले से ज्यादा स्मार्ट और आसान हो जाएगा।

अब यूजर्स स्क्रीन शेयरिंग, फोटो एडिटिंग और एआई आधारित कई टास्क को अधिक सहज तरीके से इस्तेमाल कर पाएंगे।

कैमरा ऐप में भी बड़े बदलाव किए गए हैं। कंपनी ने कैमरा इंटरफेस को ज्यादा क्लीन और यूजर-फ्रेंडली बनाया है ताकि प्रोफेशनल फोटोग्राफी जैसा अनुभव मिल सके। इसके अलावा अपडेट में नई विजेट डिजाइन, स्मूद एनिमेशन और बेहतर नोटिफिकेशन सिस्टम भी दिया गया है।

सैमसंग ने अपने वायस असिस्टेंट बिक्बी को भी पहले से ज्यादा स्मार्ट बनाया है। अब बिक्बी यूजर्स के सवालों को बेहतर ढंग से समझकर तेज और सटीक जवाब देने में सक्षम होगा। सुरक्षा और प्राइवेसी को ध्यान में रखते हुए कंपनी ने नए सिक्योरिटी फीचर्स और एडवांस प्राइवेसी कंट्रोल भी जोड़े हैं।

माना जा रहा है कि वन यूआई 8.5 अपडेट सैमसंग यूजर्स को ज्यादा स्मार्ट, सुरक्षित और बेहतर मोबाइल अनुभव देने की दिशा में बड़ा कदम साबित होगा। इस अपडेट के जरिए सैमसंग अपने कई पुराने फ्लैगशिप स्मार्टफोन और टैबलेट्स में नए गैलेक्सी एआई फीचर्स उपलब्ध कराने जा रहा है।

न्यूज ब्रीफ

अप्रैल में टाटा पंच की हुई कुल 19,107 यूनिट की बिक्री

नई दिल्ली। अप्रैल 2026 की बिक्री रिपोर्ट में टाटा मोटर्स की टाटा पंच सबसे ज्यादा बिकने वाली एसयूवी बनकर सामने आई है। अप्रैल महीने में टाटा पंच को कुल 19,107 नए ग्राहक मिले, जो पिछले साल अप्रैल 2025 के मुकाबले 53 प्रतिशत ज्यादा है। एक साल पहले इसकी बिक्री 12,496 यूनिट रही थी। शानदार प्रदर्शन के साथ टाटा पंच ने हुंडई क्रेटा, टाटा नेक्सन और मारुति सुजुकी ब्रेजा जैसी लोकप्रिय एसयूवी को पीछे छोड़ दिया। बिक्री सूची में दूसरे स्थान पर मारुति सुजुकी फ्रोंक्स रही। फ्रोंक्स की बिक्री में 31 प्रतिशत की सालाना बढ़ोतरी दर्ज की गई और इसकी 18,829 यूनिट बिकीं। वहीं तीसरे स्थान पर टाटा नेक्सन रही, जिसकी बिक्री 17 प्रतिशत बढ़कर 18,126 यूनिट तक पहुंच गई। हुंडई क्रेटा इस सूची में चौथे नंबर पर रही। हालांकि इसकी बिक्री में 10 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई और अप्रैल में इसकी 15,291 यूनिट बिकीं। पांचवें स्थान पर महिंद्रा स्कार्पियो रही, जिसकी बिक्री 14,719 यूनिट रही। वहीं मारुति सुजुकी ब्रेजा 14,124 यूनिट बिक्री के साथ छठे स्थान पर रही। मारुति सुजुकी की नई एसयूवी विक्टोरिस ने भी बाजार में अच्छी शुरुआत की और 13,701 यूनिट बिक्री के साथ सातवें स्थान पर रही। हुंडई वेन्यू 12,420 यूनिट के साथ आठवें नंबर पर रही, जबकि किआ सेल्टोस 10,566 यूनिट बिक्री के साथ नौवें स्थान पर रही। सूची में दसवें स्थान पर किआ सोनेट रही।

वैगनआर बनीं देश की सबसे ज्यादा बिकने वाली हैचबैक कार

नई दिल्ली। मारुति सुजुकी वैगनआर अप्रैल 2026 की बिक्री रिपोर्ट में देश की सबसे ज्यादा बिकने वाली हैचबैक कार बन गई है। अप्रैल में वैगनआर को कुल 18,648 नए ग्राहक मिले। इसकी बिक्री में सालाना आधार पर 39 प्रतिशत की शानदार बढ़ोतरी दर्ज की गई। अप्रैल 2025 में इसकी कुल बिक्री 13,414 यूनिट रही थी। मारुति सुजुकी वैगनआर अपनी लोकप्रिय टाल बाय डिजाइन के कारण लंबे समय से भारतीय परिवारों की पसंदीदा कार बनी हुई है। इसका बाक्सी डिजाइन इसे सड़क पर अलग पहचान देता है। कंपनी ने नए माडल में कई आधुनिक फीचर्स भी जोड़े हैं, जिससे इसकी लोकप्रियता और बढ़ी है। फीचर्स की बात करें तो वैगनआर में 7-इंच का स्मार्टप्ले स्टूडियो टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम मिलता है। यह सिस्टम एप्पल कारप्ले और एंड्रायड आटो कनेक्टिविटी को सपोर्ट करता है। इसके अलावा कार में स्टीयरिंग माउंटेड कंट्रोल्स, प्रीमियम फैब्रिक सीटें और 341 लीटर का बड़ा बूट स्पेस दिया गया है, जो इसे फैमिली कार के तौर पर और उपयोगी बनाता है। सेफ्टी के लिहाज से भी कंपनी ने कई जरूरी फीचर्स शामिल किए हैं। इसके अलावा सीट बेल्ट रिमाइंडर और स्पीड अलर्ट सिस्टम जैसे फीचर्स भी कार को आधुनिक सुरक्षा मानकों के करीब लाते हैं। कम कीमत, बेहतर माइलेज, बड़े केबिन स्पेस और भरोसेमंद परफार्मेंस के चलते वैगनआर भारतीय ग्राहकों के बीच लगातार मजबूत पकड़ बनाए हुए है। वैगनआर को हार्टेक्ट प्लेटफार्म पर तैयार किया गया है। हालांकि ग्लोबल एनसीएपी क्रैश टेस्ट में इसे 1-स्टार सेफ्टी रेटिंग मिली है।

मारुति सुजुकी डिजायर सबसे ज्यादा बिकने वाली कार बनीं

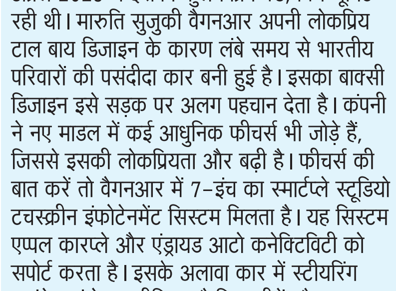

नई दिल्ली। मारुति सुजुकी डिजायर देश की सबसे ज्यादा बिकने वाली कार बनकर उभरी है। डिजायर को ग्राहकों ने शानदार माइलेज, आधुनिक फीचर्स और मजबूत सुरक्षा व्यवस्था के चलते जमकर पसंद किया। बीते महीने अप्रैल 2026 में मारुति डिजायर की 23,580 यूनिट्स की बिक्री हुई, जबकि पिछले साल इसी महीने यह आंकड़ा 16,996 यूनिट्स था। इस तरह कार की बिक्री में 39 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई। बिक्री के मामले में मारुति अर्टिगा दूसरे स्थान पर रही, जिसकी 19,063 यूनिट्स बिकीं। वहीं फ्रोंक्स ने 18,829 यूनिट्स की बिक्री के साथ तीसरा स्थान हासिल किया। मारुति वैगनआर को 18,648 नए ग्राहक मिले, जबकि बलेनो की 18,306 यूनिट्स बिकीं। स्विफ्ट की बिक्री भी मजबूत रही और इसकी 17,829 यूनिट्स ग्राहकों तक पहुंचीं। हालांकि ब्रेजा की बिक्री में गिरावट दर्ज की गई और इसकी 14,124 यूनिट्स ही बिक सकीं। कंपनी की नई एसयूवी विक्टोरिस ने भी अच्छा प्रदर्शन करते हुए 13,701 यूनिट्स की बिक्री दर्ज की। सुरक्षा के लिए इसमें 6 एयरबैग और इलेक्ट्रानिक स्टेबिलिटी कंट्रोल भी मिलता है।

सर्राफा बाजार में कमजोरी का रुख
सोना और चांदी की घटी कीमतें

नई दिल्ली

घरेलू सर्राफा बाजार में शुरुआती कारोबार के दौरान मामूली कमजोरी का रुख नजर आ रहा है। सोना 290 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 320 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हुआ है। इसी तरह चांदी की कीमत में 100 रुपये प्रति किलोग्राम तक की सांकेतिक गिरावट दर्ज की गई है। कीमत में गिरावट के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,52,350 रुपये से लेकर 1,54,370 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना 1,39,650 रुपये से लेकर 1,41,500 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। वहीं चांदी की कीमत में भी गिरावट आने के कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में ये चमकीली धातु शुरुआती कारोबार के दौरान 2,75,000 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है।

साप्ताहिक आधार पर देखें तो पिछले सप्ताह के कारोबार में सोना की कीमत में तेजी दर्ज की गई है। पिछले सप्ताह के कारोबार में 24 कैरेट सोने की कीमत में 1,640 रुपये प्रति 10 ग्राम तक की मजबूती आ गई। इसी तरह 22 कैरेट सोना साप्ताहिक आधार पर 1,500 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया। चांदी के भाव में भी पिछले सप्ताह के कारोबार में तेजी दर्ज की गई। इस तेजी के कारण चांदी पिछले सप्ताह के भाव की तुलना में 10 हजार रुपये प्रति किलोग्राम तक महंगी हो गई।

दिल्ली में 24 कैरेट सोना 1,52,500 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,39,800 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,52,350 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,39,650 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,52,400 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,39,700 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है।

इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 1,54,370 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,41,500 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,52,350 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,39,650 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,52,400 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,39,700 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,52,500 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,39,800 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,52,400 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,39,700 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,52,500 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,39,800 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी सोने के भाव में गिरावट का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 1,52,350 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 1,39,650 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

मिड साइज एसयूवी सेगमेंट में नंबर-1 बनी हुंडई क्रेटा

नई दिल्ली

अप्रैल 2026 में भी हुंडई क्रेटा ने शानदार बिक्री के दम पर अपने सेगमेंट में पहला स्थान बरकरार रखा। अप्रैल महीने में हुंडई क्रेटा की कुल 15,291 यूनिट बिकीं, जबकि अप्रैल 2025 में यह आंकड़ा 17,016 यूनिट था। हुंडई क्रेटा की शुरुआती एक्स-शोरूम कीमत 10.72 लाख रुपये है। कंपनी इस एसयूवी को कई एडवांस फीचर्स और मजबूत सेफ्टी पैकेज के साथ पेश करती है। वित्त वर्ष 2026 के दौरान क्रेटा की कुल 1,84,083 यूनिट बिक्री हुई, जिसके चलते यह देश की सबसे ज्यादा बिकने वाली कारों की सूची में तीसरे स्थान पर रही। हुंडई क्रेटा को कुल सात वैरिएंट्स में उपलब्ध कराया गया है। इनमें ई, ईएक्स, एस, एस (ओ), एसएक्स, एसएक्स टेक और एसएक्स (ओ) शामिल हैं।

इसके बेस माडल में भी प्रीमियम डिजाइन देखने को मिलता है। एसयूवी में बड़ी फ्रंट ग्रिल, एलईडी डीआरएल और प्रोजेक्टर हेडलैंप दिए गए हैं। इंटीरियर की बात करें तो बेस वैरिएंट में भी आधुनिक डैशबोर्ड लेआउट मिलता है। इसमें डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर, मैनुअल एसी, फ्रंट और रियर यूएसबी पोर्ट, सभी पावर विंडो और सेंट्रल लाकिंग जैसे फीचर्स दिए गए हैं। इसके अलावा रियर एसी वेंट, एडजस्टेबल हेडरेस्ट और सभी यात्रियों के लिए 3-पाइंट सीटबेल्ट जैसी सुविधाएं भी मौजूद हैं। एसयूवी को पेट्रोल और डीजल दोनों इंजन विकल्पों के साथ खरीदा जा सकता है।

इसमें 6-स्पीड मैनुअल गियरबाक्स का विकल्प मिलता है। भारतीय बाजार में हुंडई क्रेटा का मुकाबला एमजी एस्टर, मारुति ग्रैंड विटारा, मारुति विक्टोरिस, टोयोटा हाइराइडर, स्कोडा कुशाक, फाक्सवैगन ताइगुन, होंडा एलिवेट और सिट्रोन सी3 एयरक्रास जैसी एसयूवी से होता है। वहीं आने वाले समय में टाटा सिएरा भी इस सेगमेंट में चुनौती पेश कर सकती है। क्रेटा के टाप वैरिएंट में लेवल-2 एडीएएस सहित करीब 70 एडवांस फीचर्स दिए गए हैं।

दुनियाभर में खाने-पीने की चीजें 3 साल में सबसे महंगी

नई दिल्ली। दुनियाभर में खाद्य पदार्थों की कीमतें पिछले तीन साल में सबसे ऊपर पहुंच गई हैं। यूनाइटेड नेशंस से जुड़े फूड एंड एग्रीकल्चर आर्गेनाइजेशन के मुताबिक, अप्रैल में फूड कमोडिटी प्राइस इंडेक्स में 1.6% की बढ़ोत्तरी हुई है। यह पिछले साल से 2.5% ज्यादा है। इस उछाल की मुख्य वजह अमेरिका-ईरान के बीच जारी युद्ध है। यूएन ने आगे और दाम बढ़ने की चेतावनी भी जारी की है। वेजिटेबल आयल और मीट की कीमतें सबसे ज्यादा बढ़ीं रिपोर्ट के मुताबिक, सबसे ज्यादा असर वेजिटेबल आयल पर पड़ा है। कच्चे तेल की कीमतें बढ़ने से बायो-फ्यूल की मांग बढ़ी है, जिससे वेजिटेबल आयल के प्राइज मार्च के मुकाबले 5.9% बढ़े हैं। यह जुलाई 2022 के बाद का सबसे ज्यादा है। वहीं, मीट की कीमत में 1.2% की बढ़त हुई है, जो अब तक का आल-टाइम रिकार्ड है। अनाज की कीमतों में भी 0.8% की तेजी देखी गई है।

भारतीय सनातन संस्कृति में प्रतिदिन होता है मातृशक्ति का वंदन, मदर्स डे केवल एक दिन तक सीमित नहीं : राम प्रकाश अग्रवाल

हैदराबाद। विश्व मदर्स डे के अवसर पर समाजसेवी राम प्रकाश अग्रवाल ने भारतीय संस्कृति एवं सनातन परंपरा में मातृशक्ति के महत्व पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि भारत की सनातन संस्कृति में मां का स्थान सर्वोच्च माना गया है। यहां मातृशक्ति के सम्मान और वंदन के लिए किसी एक विशेष दिन की आवश्यकता नहीं होती, बल्कि भारतीय संस्कृति में प्रतिदिन मां को पूजनीय और वंदनीय माना गया है। उन्होंने कहा कि पश्चिमी देशों में मई माह के दूसरे रविवार को मदर्स डे मनाने की परंपरा है, जिसका प्रभाव अब भारत में भी दिखाई देता है, लेकिन भारतीय संस्कृति का मूल स्वरूप इससे कहीं अधिक व्यापक, गहन और आध्यात्मिक है।

राम प्रकाश अग्रवाल ने कहा कि सनातन संस्कृति में मां को केवल जन्म देने वाली स्त्री के रूप में नहीं देखा जाता, बल्कि उसे सृजन, संस्कार, त्याग, करुणा और शक्ति का प्रतीक माना गया है। हमारे वेद, उपनिषद, रामायण, महाभारत तथा अन्य धार्मिक ग्रंथों में मातृशक्ति की महिमा का विस्तार से वर्णन

मिलता है। भारतीय संस्कृति में मातृ देवो भव का संदेश हजारों वर्षों से समाज को प्रेरणा देता आया है। यही कारण है कि यहां मां को भगवान से भी पहले स्मरण किया जाता है।

उन्होंने कहा कि भगवान श्रीराम और माता सीता का आदर्श जीवन, श्रीकृष्ण और माता यशोदा का वात्सल्य, राधा-कृष्ण की दिव्य भक्ति तथा माता पार्वती और भगवान शिव की जीवनशैली भारतीय संस्कृति में परिवार, प्रेम और मर्यादा के महान उदाहरण प्रस्तुत करती है। भारतीय संस्कृति में नारी और मातृशक्ति को सदैव सम्मान की दृष्टि से देखा गया है। यहां कन्या पूजन, मातृ पूजन और नारी सम्मान की परंपराएं प्राचीन काल से समाज को संस्कारित करती आई हैं।

राम प्रकाश अग्रवाल ने कहा कि आज के समय में आवश्यकता इस बात की है कि युवा पीढ़ी आधुनिकता के साथ-साथ भारतीय सनातन मूल्यों को भी समझे और अपनाए। केवल सोशल मीडिया पर संदेश लिख देने या एक दिन मां को उपहार देने से मातृऋण नहीं चुकाया जा सकता। वास्तविक सम्मान तब है जब हम अपने जीवन में मां के संस्कारों, उनके त्याग और उनके संघर्ष को समझें तथा उनका आदर करें। मां का प्रेम निस्वार्थ होता है और वह अपने बच्चों के सुख के लिए जीवनभर समर्पित रहती है।

उन्होंने कहा कि भारतीय परिवार व्यवस्था की सबसे बड़ी शक्ति मातृशक्ति ही है। मां परिवार को जोड़ने, संस्कारित करने और समाज को दिशा देने का कार्य करती है। जिस समाज में मातृशक्ति का सम्मान होता है, वह समाज सदैव उन्नति और समृद्धि के मार्ग पर अग्रसर रहता है। भारतीय संस्कृति में मां को देवी स्वरूप माना गया है और यही हमारी सभ्यता की सबसे बड़ी विशेषता है।

सीबीआई की कार्रवाईः 27337 करोड़ के घोटाले में अनिल अंबानी की कंपनियों पर ताबड़तोड़ छापे

नई दिल्ली

देश के बैंकिंग सेक्टर और भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) 27 हजार करोड़ रुपये से अधिक का चूना लगाने वाले कथित घोटाले में केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने एक बड़ी कार्रवाई की है। शनिवार को अनिल अंबानी के नेतृत्व वाले रिलायंस एडीए ग्रुप की कंपनियों और उनके निदेशकों के खिलाफ मुंबई में 17 ठिकानों पर ताबड़तोड़ छापेमारी की गई। यह कार्रवाई कार्पोरेट गवर्नेंस और बैंक फंड की हेराफेरी के बड़े मामलों पर जांच एजेंसियों के कड़े रुख को दर्शाती है।

छापेमारी के मुख्य केंद्र और आरोपी कंपनियां

सीबीआई के प्रवक्ता के अनुसार, यह सर्च आपरेशन रिलायंस टेलीकाम लिमिटेड, रिलायंस कमर्शियल फाइनेंस लिमिटेड और रिलायंस होम फाइनेंस लिमिटेड और उनके निदेशकों के खिलाफ दर्ज तीन अलग-अलग मामलों के तहत किया गया है।

जांच एजेंसी ने इन कंपनियों के निदेशकों के आवासीय परिसरो पर छापे मारे

इसके साथ ही उन बिचौलिया कंपनियों के दफ्तरों को भी खंगाला गया, जिनके खातों का इस्तेमाल कथित तौर पर बैंक फंड को डायवर्ट (हेराफेरी) करने के लिए किया गया था।

मुंबई की एक विशेष अदालत से सर्च वारंट हासिल करने के बाद यह कार्रवाई शुरू की गई, जिसमें कई आपत्तिजनक दस्तावेज जब्त किए गए हैं।

27,337 करोड़ का वित्तीय नुकसान और फर्जीवाड़ा

इस पूरे कथित घोटाले का वित्तीय प्रभाव बेहद व्यापक है। अधिकारियों के मुताबिक, इन मामलों में सरकारी बैंकों को कुल मिलाकर लगभग 27,337 करोड़ रुपये का भारी नुकसान उठाना पड़ा है। जांच में यह चौंकाने वाला तथ्य भी सामने आया है कि फंड डायवर्ट करने के लिए इस्तेमाल की गईं कई बिचौलिया कंपनियां एक ही पते से संचालित हो रही थीं।

सुप्रीम कोर्ट की निगरानी और अब तक की कार्रवाई

सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों और एलआईसी की शिकायतों के आधार पर संघीय एजेंसी ने अनिल अंबानी के रिलायंस समूह के खिलाफ हजारों करोड़ रुपये के कथित धोखाधड़ी के कुल सात मामले दर्ज किए हैं।

इन मामलों के दर्ज होने के तुरंत बाद, बीते कुछ महीनों में सीबीआई 14 अन्य स्थानों पर भी तलाशी अभियान चला चुकी है।

24 अप्रैल को रिलायंस कम्युनिकेशंस (आरकाम) के दो वरिष्ठ अधिकारियों- ज्वाइंट प्रेसिडेंट डी विश्वनाथ (जो ग्रुप के बैंकिंग आपरेशंस के समग्र प्रभारी थे) और वाइस-प्रेसिडेंट अनिल कालया (जिन्होंने बैंकिंग आपरेशंस और फंड के उपयोग में सक्रिय मदद की थी) - को गिरफ्तार किया गया था।

ये दोनों आरोपी फिलहाल न्यायिक हिरासत में हैं।

रिलायंस एडीए ग्रुप के खिलाफ सीबीआई की यह कार्रवाई भारत में कार्पोरेट और वित्तीय प्रणाली की खामियों का फायदा उठाने वालों के लिए एक सख्त चेतावनी है। इस पूरे मामले की सीधी निगरानी देश के सर्वोच्च न्यायालय द्वारा की जा रही है। सुप्रीम कोर्ट के दखल और सीबीआई की तेज होती कार्रवाई के चलते आने वाले दिनों में कंपनी के शीर्ष प्रबंधन और निदेशकों की मुश्किलें और बढ़ सकती हैं, साथ ही बैंकिंग सेक्टर के नियमों में और सख्ती देखने को मिल सकती है।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, सोमवार, 11 मई, 2026

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

जगन्नाथ मठ में विभिन्न धार्मिक कार्यक्रम सम्पन्न

पुरुषोत्तम मास के उपलक्ष्य में होगा लक्ष्मीनारायण महायज्ञ * 18 से 26 मई तक होंगे विविध आयोजन

हैदराबाद, 10 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

श्री जगन्नाथ मठ, माधवदास झीरा में श्री जगन्नाथ मठ के महंत अच्युत रामानुजाचार्य के पावन सानिध्य में आगामी पुरुषोत्तम मास के उपलक्ष्य में श्री लक्ष्मीनारायण महायज्ञ, अष्टोत्तर शत (108) श्रीमद्भागवत पाठ पारायण ज्ञान यज्ञ एवं अष्टादश (18) पुराण व्याख्यान के अंतर्गत विभिन्न धार्मिक कार्यक्रम सम्पन्न हुए।

आज यहाँ जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में महंत अच्युत रामानुजाचार्य ने बताया कि आगामी पावन पुरुषोत्तम मास में प्रति अधिक मास की भांति इस वर्ष भी श्री जगन्नाथ मठ में 18 मई से 26 मई 2026 तक दिव्य एवं भव्य धार्मिक आयोजन किए जाएंगे। यह आयोजन विश्वशांति, लोककल्याण, पितृ मोक्ष प्राप्ति, संतान प्राप्ति, धन, विद्या, आयु लाभ तथा समस्त रोग-पीड़ा निवारण की कामना के साथ आयोजित किए जा रहे हैं।

इन धार्मिक आयोजनों के पूर्व शनिवार, 09 मई 2026 को प्रातः 11:11 बजे से यज्ञाचार्य प्रवीण आचार्य के सानिध्य में कुंभ अर्चना, भूमि पूजन, मत्स्य हवन सहित विभिन्न वैदिक अनुष्ठान सम्पन्न हुए।

कार्यक्रम में महंत अच्युत रामानुजाचार्य, मुख्य यजमान अरूणा किशोर अग्रवाल, अमित अग्रवाल, रूपेश अग्रवाल, वेणुगोपाल खंडेलवाल, रमेश भालोटिया, सत्यनारायण सारडीवाल, कमल किशोर सोनी, अर्जुनलाल अग्रवाल, लव फॉर काऊ फाउंडेशन के ट्रस्टी रिद्धिश जागीरदार, विष्णु कडेल, रमेश मोदानी, कुलदीप व्यास, आलोक प्रसाद तिवारी, दुर्गाप्रसाद दुबे, कांता अग्रवाल, शशिकला बंग, मोनी दुबे, स्वीटी तिवारी, श्वेता शर्मा, मधुबाला उपाध्याय, कलावती, संगीता उपाध्याय, रजनी शर्मा एवं स्वीकृति रामानुज दासी सहित अनेक श्रद्धालुओं ने भाग लिया।

मातृशक्ति का सम्मान करना हमारी संस्कृति की पहचान : रेनू गुप्ता

हैदराबाद, 10 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

हैदराबाद राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में रविवार को विश्व मदर्स डे के पावन अवसर पर बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर के सामने गौशाला परिसर के पास नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन श्रद्धा और सेवा भाव के साथ किया गया। कार्यक्रम में जरूरतमंदों को भोजन वितरण कर मातृशक्ति के प्रति सम्मान और कृतज्ञता व्यक्त की गई।

इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए रेनू गुप्ता ने कहा कि मातृशक्ति के बिना संसार की कल्पना भी अधूरी है। मां केवल परिवार की आधारशिला ही नहीं, बल्कि संस्कार, प्रेम, त्याग और समर्पण की जीवंत प्रतिमूर्ति होती है। विश्व मदर्स डे हमें अपनी माताओं के प्रति सम्मान, आदर और कृतज्ञता प्रकट करने का विशेष अवसर प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि समाज में माताओं के योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता और प्रत्येक व्यक्ति को अपनी माता के सम्मान एवं सेवा के लिए सदैव तत्पर रहना चाहिए।

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित सदस्यों ने सेवा कार्यों में बढ़-चढ़कर भाग लिया तथा राधे-राधे ग्रुप द्वारा लगातार किए जा रहे सामाजिक एवं मानवीय कार्यों की सराहना की। वातावरण भक्तिमय एवं सेवा भावना से ओतप्रोत रहा।

इस अवसर पर जगत नारायण अग्रवाल, अनिल अग्रवाल, प्रवीण विजयवर्गीय, अरुण विजयवर्गीय, नीलम विजयवर्गीय, ई-जगन, रेनू शर्मा, रेनू गुप्ता, मोहित अग्रवाल, युवान अग्रवाल, अंगद सिंह, सूची गुप्ता, ध्रुव गुप्ता, आशीष एवं किशन पाल सहित अनेक सदस्य उपस्थित रहे।

गौ सेवा मित्र मंडल का श्री श्याम वार्षिक उत्सव 24 को

हैदराबाद, 10 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। गौ सेवा मित्र मंडल द्वारा हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी श्री श्याम वार्षिक उत्सव ट उत्सव सांवरे का का भव्य आयोजन दिनांक 24 मई 2026, रविवार को किया जाएगा। यह आयोजन लगातार 17वें वर्ष श्री समर्थ कामधेनु गोशाला में आयोजित होने जा रहा है।

उत्सव के तहत लगाए जाने वाले बैनरों का विमोचन गोशाला के प्रमुख महाराज प्रभुदत्त महाराज जी के करकमलों द्वारा किया गया। इस अवसर पर मनोज अग्रवाल, अनिल अग्रवाल, यश अग्रवाल, रविंदर अग्रवाल, विजय अग्रवाल, श्याम अग्रवाल, मनीष मोर सहित मंडल के अनेक सदस्य उपस्थित रहे।

मंडल की ओर से जानकारी दी गई कि कार्यक्रम दिनांक 24 मई 2026, रविवार को सायं 6:31 बजे से प्रारंभ होगा। इस भव्य भजन संध्या में श्रद्धालुओं के लिए विशेष आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियां आयोजित की जाएंगी।

कार्यक्रम में काचीगुड़ा श्याम मंदिर के रामचरण महाराज जी एवं श्री समर्थ कामधेनु गोशाला के प्रभुदत्त महाराज जी का पावन सानिध्य प्राप्त होगा।

वहीं मुख्य अतिथि के रूप में गोशामहल विधायक टी. राजा सिंह एवं समाजसेवी गोपाल बलदवाजी उपस्थित रहेंगे।

भजन संध्या में प्रसिद्ध भजन गायक प्रकाश मिश्रा (कोलकाता), संजय दाहिमा एवं अनु-राग भूतड़ा (हैदराबाद) अपनी मधुर प्रस्तुतियां देंगे।

गौ सेवा मित्र मंडल ने इस भव्य भजन कार्यक्रम में सभी श्रद्धालुओं को सादर आमंत्रित किया है।

सिरोही जैन संघ सिकंदराबाद-हैदराबाद के वर्ष 2026-28 के चुनाव सम्पन्न

सभी पदाधिकारी निर्विरोध निर्वाचित, शांतिपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुई चुनाव प्रक्रिया

हैदराबाद, 10 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

सिरोही जैन संघ सिकंदराबाद-हैदराबाद के वर्ष 2026-28 के चुनाव वरिष्ठ सदस्य एवं चुनाव अधिकारी बलवीरजी मर्डिया के मार्गदर्शन में शांतिपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुए। चुनाव प्रक्रिया सौहार्दपूर्ण माहौल में आयोजित की गई, जिसमें सभी पदाधिकारी निर्विरोध चुने गए।

प्रेस विज्ञप्ति में रमेश पी. तातेड ने बताया कि नव-निर्वाचित पदाधिकारियों में अध्यक्ष पद पर शैलेन्द्र मोदी, महामंत्री पद पर श्प्रतीक चौधरी एवं कोषाध्यक्ष पद पर राजेश संघवी निर्वाचित हुए।

इस अवसर पर रमेशजी सिंघी, जैन रत्न रमेश पी. तातेड, निरंजन बाफना, नरपत सिंघी, प्रह्लादजी जैन, अशोक चौधरी, सी.ए. उत्तम सिंघी, शैलेन्द्र सिंघी, महेंद्र मोदी, हेतल सेठ, प्रवीण मोदी, राजेश भंडारी, विकी मोदी, अमित संघवी, रितेश तातेड, निलेश चौधरी, कल्पेश शाह, मनीष शाह, कार्तिक मोदी, जितेश बोबावत, आशीष मोदी, भूपेंद्र सिंघी एवं विराग सिंघवी सहित समाज के अनेक सदस्य उपस्थित रहे।

संघ की ओर से सभी सदस्यों का सहयोग एवं विश्वास के लिए आभार व्यक्त किया गया तथा नव-निर्वाचित टीम को सफल कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं दी गईं।

अंत में सभी सदस्यों ने चुनाव प्रक्रिया को सफलतापूर्वक सम्पन्न कराने हेतु बलवीरजी मर्डिया का धन्यवाद ज्ञापित किया।

एनसीसी कैडेटों ने देशभक्ति के साथ ऑपरेशन सिंदूर की पहली वर्षगांठ मनाई

हैदराबाद, 10 मई (शुभ लाभ ब्यूरो):

सिकंदराबाद ग्रुप मुख्यालय, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना निदेशालय के तहत 2 तेलंगाना बटालियन एनसीसी ने ऑपरेशन सिंदूर की पहली वर्षगांठ के उपलक्ष्य में एक भव्य देशभक्ति कार्यक्रम का आयोजन किया। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य युवाओं में राष्ट्रीय गौरव और जागरूकता की भावना जागृत करना था।

इस अवसर पर, कैडेटों को ऑपरेशन सिंदूर के महत्व, उद्देश्यों और इससे जुड़ी वीरता के बारे में शिक्षित करने के लिए एक विशेष व्याख्यान (लेक्चर) आयोजित किया गया। इस सत्र में सशस्त्र बलों के समर्पण और बलिदानों पर प्रकाश डाला गया, जिससे युवा मस्तिष्क देश सेवा और देशभक्ति की भावना बनाए रखने के लिए प्रेरित हुए।

कार्यक्रम का समापन ड्रोन द्वारा भारतीय राष्ट्रीय ध्वज के शानदार प्रदर्शन के साथ हुआ, जो एकता, शक्ति और राष्ट्र के सशस्त्र बलों के प्रति अटूट समर्थन का प्रतीक था। इस अनूठी श्रद्धांजलि ने सभी उपस्थित लोगों के बीच जबरदस्त उत्साह और देशभक्ति का संचार किया।

इस कार्यक्रम में कमांडिंग ऑफिसर, प्रशासनिक अधिकारी, सूबेदार मेजर, जेसीओ, एएनओ, एनसीओ के साथ-साथ 600 से अधिक एनसीसी कैडेटों की गरिमामयी उपस्थिति रही, जिन्होंने बड़े उत्साह और अनुशासन के साथ भाग लिया।

यह पहल ऑपरेशन सिंदूर के प्रति एकजुटता व्यक्त करने और युवाओं में देशभक्ति, नेतृत्व और राष्ट्रीय जिम्मेदारी की भावना को बढ़ावा देने के लिए आयोजित की गई थी। यह आयोजन राष्ट्र-निर्माण के प्रति एनसीसी की प्रतिबद्धता के एक गौरवशाली प्रतीक के रूप में सामने आया, जो अनुशासित और देशभक्त नागरिक तैयार करने के लिए सदैव तत्पर है।

परेड ग्राउंड में आयोजित विशाल भाजपा की जनसभा के दौरान सरूरनगर की पार्षद अकुला श्रावणी से भेंट करती हुई समाज सेविका पूजा गुप्ता एवं संगीता गोयल।

परेड ग्राउंड में आयोजित भाजपा जनसभा में भाग लेती हुई भाजपा नेता सपना गुप्ता, रेखा, सुनीता व अन्य।

सिखवाल ब्राह्मण समाज हैदराबाद युवा समिति द्वारा रविवार को ग्रीष्मकाल के तहत आर्यन स्पोर्ट्स क्लब फिलखाना पर राहगीरों को निंबू पानी वितरित किया गया। जिसका सैकड़ो राहगीरों ने लाभ उठाया। इस अवसर पर युवा समिति के सदस्यगण व स्वजाति बंधु उपस्थित थे।

जाट, पंडित, लोधी, पासी...

योगी मंत्रिमंडल विस्तार 2027 की तैयारी

लखनऊ , 10 मई (एजेंसियां)।

उत्तर प्रदेश में जाति जनगणना का काम 22 मई से शुरू होगा, लेकिन सीएम योगी ने 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव के सीटों की गिनती अभी से शुरू कर दी है। सीएम योगी अभी से यूपी की किलेबंदी कर रहे हैं। आज सीएम योगी ने अपनी टीम में 6 नए चेहरों को शामिल किया है। सबको एक किले की जिम्मेदारी मिली है।

अखिलेश यादव अभी तक यूपी में जाति गिन रहे थे, लेकिन अब जाति की गिनती भी सीएम योगी ने शुरू कर दी। सीएम योगी ने अपने हिंदू वोट के फॉर्मूले में पंडित, विश्वकर्मा, दलित, जाट और लोधी सबको जोड़ लिया है। सीएम योगी की गिनती से अखिलेश एंड कंपनी पैनिक मोड में आ गई है।

साल 2027 का सबसे बड़ा चुनाव उत्तर प्रदेश का होगा। इस चुनाव में टेस्ट सीएम योगी के हिंदू वोट का भी होगा। साथ ही इस दौरान अग्निपरीक्षा अखिलेश के पीडीए वाले फॉर्मूले की भी होगी। अखिलेश का यूपी के लिए फॉर्मूला यादव प्लस मुस्लिम प्लस सीट के हिसाब से जाति वोट बैंक है। वहीं, यूपी में योगी के पास धर्म, कर्म और मंत्रिमंडल है।

सीएम योगी की टीम के 6 नए चेहरे

सीएम योगी की टीम में रविवार (10 मई) को एक नहीं 6 नए चेहरे जुड़े हैं। भूपेंद्र चौधरी, मनोज पांडेय, कैलाश राजपूत, सुरेंद्र दिलेर, हंसराज विश्वकर्मा और कृष्णा पासवान को शामिल किया गया है। दो मंत्री अजित सिंह पाल और सोमेंद्र तोमर का यूपी में प्रमोशन भी हुआ है। नए बनने वाले मंत्रियों में 1 ब्राह्मण, 3 ओबीसी और 2 दलित वर्ग से हैं।

मंत्रि पद की शपथ के दौरान भूपेंद्र चौधरी जयश्री राम वाला पटका पहनकर आए थे। कृष्णा पासवान राधे-राधे वाला पटका गले में डालकर आई थी। कैलाश राजपूत राम नामी गमछा गले में सजाकर आए थे। इससे पता चलता है कि यूपी में धर्म और सियासत ऐसे एक साथ चलती है।

यूपी हिंदुस्तान का ऐसा इकलौता राज्य है। जहां मंडल और कमंडल दोनों काम करता है। यूपी की सियासत में जाति भी चलती है। यूपी की सियासत में धर्म की राजनीति भी चलती है। यूपी वो राज्य है, जहां पर 20 परसेंट मुस्लिम वोट से भी सरकार बनती और बिगड़ती है। इसलिए यूपी को जीतना सबसे मुश्किल होता है।

धर्म के ध्वजावाहक हैं सीएम योगी

यूपी में धर्म के सबसे बड़े ध्वजवाहक योगी आदित्यनाथ हैं। धर्म की पिच पर भगवाधारी योगी को अखिलेश तो क्या कोई भी विरोधी भी नेता चुनौती नहीं दे सकता है। अगर काम की बात करें तो सीएम योगी का ये नया उत्तर प्रदेश है, जहां योगी का ना कर्फ्यू...ना माफिया...ना दंगा...सब चंगा वाला नारा सबसे जोर से लगता है।

223 सीटों में हिंदू वोट ही निर्णायक

यूपी का चुनाव 80 -20 का होता है। यूपी में 233 ऐसी सीट हैं, जिसमें हिंदू वोट ही निर्णायक है। भगवाधारी योगी की सबसे बड़ी ताकत हिंदू वोट है। यूपी में दो बार 60 फीसद से ज्यादा वोटिंग हुई। दोनों बार यूपी में भगवा लहराया। अगर बंगाल की तरह 90 फीसद हिंदू निकल आया तो सीएम योगी की जीत को नहीं रोक पाएगा।

धर्म + जाति + लॉ एंड ऑर्डर सबसे बड़ा मुद्दा

इसलिए अब सीएम योगी ने यूपी में जातियों को जोड़कर हिंदू वोट का सॉलिड वोट बैंक तैयार कर रहे हैं। जैसे बिहार में हुआ, जैसा बंगाल में हुआ। वही फॉर्मूला सीएम योगी यूपी में लगा रहे हैं। सीएम योगी धर्म + जाति + लॉ एंड ऑर्डर। सबको एक साथ जोड़ रहे हैं। हिंदू वोट का सॉलिड जोड़ बना रहे हैं।

27 में अखिलेश के पास आखिरी मौका

वहीं, 2027 में अखिलेश यादव की सियासत और विरासत दोनों दांव पर हैं। 2017 और 2022 हारने के बाद अखिलेश के पास ये आखिरी मौका है। अगर इस बार भी सपा की साइकिल पंचर हो गई तो यूपी में साइकिल दोबारा कभी नहीं दौड़ पाएगी। ये बात अखिलेश को भी अच्छे से पता है।

ईरान के 14-सूत्री प्लान से हिल गया व्हाइट हाउस

वाशिंगटन, 10 मई (एजेंसियां)।

वैश्विक भू-राजनीति में उस वक्त बड़ी हलचल मच गई, जब ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने अमेरिका और पश्चिमी देशों को कड़ा संदेश दिया। उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि अंतरराष्ट्रीय ताकतों के साथ किसी भी तरह की बातचीत को ईरान का आत्मसमर्पण या पीछे हटना नहीं माना जाना चाहिए। उनका मानना है कि ईरान अपने लोगों की सुरक्षा और राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए पूरी ताकत के साथ मैदान में खड़ा है और वह अपने दुश्मनों के आगे कभी सिर नहीं झुकाएगा। हाल ही में अमेरिका की ओर से मध्य पूर्व में युद्ध रोकने के लिए दिए गए शांति प्रस्ताव पर ईरान ने अपनी प्रतिक्रिया पाकिस्तानी मध्यस्थों के जरिये वाशिंगटन को भेज दी है।

अमेरिका ने क्षेत्र में जारी तनाव और युद्ध को खत्म करने के लिए 9-सूत्री शांति योजना पेश की थी। इसके जवाब में ईरान ने एक 14-सूत्री योजना का कड़ा मसौदा तैयार किया है। इस ड्राफ्ट में ईरान ने स्पष्ट मांग की है कि अमेरिका उस पर लगे सभी आर्थिक प्रतिबंध तुरंत हटाए, ईरानी बंदरगाहों की नाकाबंदी खत्म करे और पूरे खाड़ी क्षेत्र से अपने सैनिकों को वापस बुलाए। इसके साथ ही, लेबनान में चल रहे इजरायली सैन्य अभियानों को रोकने की शर्त भी रखी गई है। ईरान का यह मास्टरप्लान 30 दिनों के भीतर अस्थायी युद्धविराम को स्थायी शांति में बदलने की रूपरेखा पेश करता है।

समुद्र में मचा कोहराम और खत्म हुआ संयम

एक तरफ मेज पर शांति की बातें हो रही हैं, तो दूसरी तरफ समुद्र में बारूद की गंध फैल रही है। ईरान ने साफ कर दिया है कि उसका रणनीतिक संयम अब खत्म हो चुका है। ईरानी संसद के राष्ट्रीय सुरक्षा आयोग के प्रवक्ता इब्राहीम रजाई ने चेतावनी दी है कि अगर उनके किसी भी जहाज पर खरोंच भी आई, तो वे अमेरिकी जहाजों और सैन्य ठिकानों को तबाह कर देंगे। यह धमकी तब आई है जब हाल ही में ओमान की खाड़ी में अमेरिकी लड़ाकू विमानों की ओर से दो ईरानी जहाजों पर फायरिंग की खबरें सामने आई थीं।

समुद्री मार्गों पर स्थिति बहुत गंभीर हो चुकी है। हाल ही में कतर जा रहे एक मालवाहक जहाज पर ड्रोन से हमला किया गया, जिसे लेकर ब्रिटेन की समुद्री व्यापार संचालन संस्था ने भी पुष्टि की है। वहीं, ईरान की फार्स न्यूज एजेंसी ने दावा किया है कि जिस जहाज को निशाना बनाया गया, वह अमेरिकी झंडे वाला था। इन लगातार हो रहे हमलों ने दुनिया भर के व्यापारिक रास्तों और आपूर्ति शृंखला को खतरे में डाल दिया है।

खाड़ी देशों कतर, सऊदी अरब और यूएई में बहुत घबराहट

इस कड़े ईरानी जवाब के बाद वाशिंगटन में लगातार आपात बैठकों का दौर जारी है। अमेरिकी अधिकारी अब ईरान के इस 14-सूत्री प्रस्ताव का कूटनीतिक और सैन्य विश्लेषण कर रहे हैं। वहीं, खाड़ी देशों कतर, सऊदी अरब और यूएई में बहुत घबराहट है, क्योंकि किसी भी बड़े युद्ध का सीधा असर उनके तेल व्यापार और सुरक्षा पर पड़ेगा।

सभी की निगाहें इस बात पर टिकी हुई हैं कि अमेरिका इस ईरानी प्रस्ताव पर क्या औपचारिक प्रतिक्रिया देता है। इस बीच, ईरान के शीर्ष सैन्य प्रमुख अली अब्दुल्लाही ने सुप्रीम लीडर मोजतबा खामेनेई के साथ गुप्त बैठक की है, जिसमें सेना को दुश्मनों का सामना करने के लिए नए निर्देश जारी किए गए हैं। इससे साफ है कि ईरान आर-पार की लड़ाई के लिए अपनी सेना को पूरी तरह से तैयार रख रहा है।

बहरहाल, इस पूरी तनातनी के बीच पाकिस्तान की भूमिका एक अहम मध्यस्थ के रूप में उभर कर सामने आई है। पाकिस्तान के जरिये कूटनीतिक संदेशों का आदान-प्रदान यह दर्शाता है कि सीधे संवाद की कमी के बावजूद दोनों देश अमेरिका और ईरान बातचीत की एक खिड़की खुली रखना चाहते हैं, ताकि कोई गलतफहमी सीधे विश्व युद्ध का रूप न ले ले।

आप का प्रवक्ता गिरफ्तार, शादी का झांसा देकर महिला से दुष्कर्म

सूरत , 10 मई (एजेंसियां)।

सूरत में आम आदमी के प्रवक्ता पर गंभीर आरोप लगे हैं। सूरत के लसकाना क्षेत्र निवासी महिला ने दुष्कर्म और धमकी की शिकायत दर्ज कराई है, जिससे राजनीतिक हलकों में हड़कंप मच गया है। पुलिस ने पिछले 20 दिन से फरार चल रहे आप प्रवक्ता को गिरफ्तार कर लिया है। सूरत के लसकाना इलाके में रहने वाली विवाहिता महिला ने आम आदमी पार्टी के प्रवक्ता कालू भाई वघासिया पर शादी का झांसा देकर शारीरिक शोषण करने का आरोप लगाया।

महिला के अनुसार दिसंबर 2024 में सोशल मीडिया के जरिए दोनों की पहचान हुई थी। धीरे-धीरे बातचीत बढ़ी और आरोपी आम आदमी के प्रवक्ता ने खुद को पीड़ित बताते हुए पत्नी से अनबन की कहानी सुनाई। आरोपी ने महिला को विश्वास दिलाया कि वह जल्दी से अपनी पत्नी को तलाक देकर उसके साथ शादी करेगा। इसी भरोसे में महिला उसके साथ संबंध बनाने के लिए तैयार हो गई। आरोप है कि कालू वघासिया महिला को शहर के अलग-अलग होटलों में ले जाकर कई बार उसकी इच्छा के विरुद्ध शारीरिक संबंध बनाए। जब महिला ने शादी के लिए दबाव बनाया तो आरोपी ने साफ इनकार कर दिया और कथित रूप से गाली-गलौज शुरू कर दी। इतना ही नहीं, शिकायत करने पर उसने महिला और इसके बेटे को नुकसान पहुंचाने की धमकी भी दी। आखिरकार परेशान होकर महिला ने सूरत के लसकाना पुलिस स्टेशन में आम आदमी प्रवक्ता कालू वघासिया के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ दुष्कर्म और जान से मारने की धमकी के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी थी।

सूरत के एसीपी ने बताया कि पीड़ित महिला ने 10 अप्रैल को लसकाना पुलिस थाने में दुष्कर्म और धमकी देने की शिकायत दर्ज करवाई थी।

पुलिस ने इछड की धारा 69, 351(2), 352 के तहत मामला दर्ज किया था। एसीपी ने बताया कि आरोपी आम आदमी पार्टी के प्रवक्ता के तौर पर काम करता है। पुलिस ने शिकायत दर्ज होने के बाद आरोपी को पकड़ने के लिए गुजरात के अलग-अलग शहरों में छापेमारी की, पर शातिर आर-ोपी पुलिस को चकमा देने में सफल हो रहा था।

पुलिस ने दो महीने बाद ह्यूमन इंटेलिजेंस और टेक्निकल सर्विलांस के आधार पर आखिरकार आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

मैं आर्मी चीफ असीम मुनीर का आम कार्यकर्ता

पाक मंत्री के बयान पर भड़की अवाम

इस्लामाबाद, 10 मई (एजेंसियां)।

पाकिस्तान के एक मंत्री ने खुद को फील्ड मार्शल आसिम मुनीर का आम कार्यकर्ता बताया है। इसके बाद सोशल मीडिया पर लोगों में गुस्सा भड़क गया है। आलोचकों का कहना है कि इस टिप्पणी से देश की नागरिक राजनीति पर सेना के बढ़ते प्रभाव का पता चलता है। यह बयान किसी और नहीं, बल्कि पाकिस्तान के पेट्रोलियम मंत्री अली परवेज मलिक ने दिया है। अली परवेज मलिक को प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ का करीबी माना जाता है। वह पाकिस्तान में पेट्रोल-डीजल की कमी और कीमतों में वृद्धि को लेकर पहले से ही अवाम के निशाने पर हैं।

अली परवेज मलिक ने शनिवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कहा: प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और फील्ड मार्शल असीम मुनीर के नेतृत्व वाली टीम के एक आम कार्यकर्ता के तौर पर, मैं जनता को यह भरोसा दिलाना चाहता हूं कि जैसे-जैसे अंतरराष्ट्रीय बाजार में पेट्रोलियम की कीमतें कम होंगी, हम यहां भी उन्हें उसी रफ्तार से कम करेंगे। सोशल मीडिया पर मंत्री के इस बयान पर जमकर बवाल मचा।आलोचकों ने सवाल उठाया कि सत्ताधारी पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज़ सेना को खुश करने के लिए किस हद तक जा सकती है, जिसे कई लोग पाकिस्तान की हाइब्रिड शासन प्रणाली कहते हैं। एक्स पर फातिमा मलिक ने लिखा, जब मंत्री खुद को लोगों के प्रतिनिधि के बजाय ताकतवर लोगों के विनम्र कार्यकर्ता के तौर पर पेश करने लगते हैं, तो यह सवाल पूछना ही पड़ता है -- क्या यह लोकतंत्र है या वफादार नौकरों का दरबार? एक अन्य यूजर, मोहसिन अली खान ने कहा: अली परवेज़ मलिक तो बस सच बोल रहे हैं -- आज एक संघीय मंत्री, सेना के किसी जनरल के विनम्र कार्यकर्ता से ज्यादा कुछ नहीं है। वकार अहमद ने पोस्ट किया, फील्ड मार्शल का एक विनम्र कार्यकर्ता। पीएमएल एन इतनी नीचे गिर गई है कि अब उसे एक राजनीतिक पार्टी कहना, खुद राजनीति का ही अपमान लगता है।

पत्रकार मलीहा हाशमी ने सोशल मीडिया पर पोस्ट किया, अब तो मंत्री राजनीतिक संयम का दिखावा करने से भी पूरी तरह आजाद नजर आते हैं। उन्होंने लोकतंत्र को बनाए रखने का दिखावा करना भी पूरी तरह छोड़ दिया है। अविश्वसनीय। वरिष्ठ टेलीविजन एंकर तलत हुसैन ने कहा कि मंत्रियों के लिए यह शर्मनाक है कि वे जनता को राहत देने की बात तो करते हैं, लेकिन साथ ही पेट्रोलियम की कीमतों में भारी बढ़ोतरी करके नागरिकों पर बोझ भी डालते हैं। उन्होंने कहा, ''इससे भी ज्यादा शर्मनाक बात यह है कि मंत्री टेलीविजन कैमरों के सामने बैठकर एक-दूसरे को अपने काम के लिए बधाई देते हैं, जबकि जनता का एक बड़ा हिस्सा भयानक आर्थिक हालात से जूझ रहा होता है।

प्रथम पृष्ठ का शेष

सोने पे...

भ्रष्टाचार और परिवारवाद को बढ़ावा दिया, संवैधानिक संस्थाओं का गला घोंटने का काम किया। जब टीएमसी बनी, तब उसने कांग्रेस से ये सारी बुराइयां सीख लीं। साथ ही लेफ्ट की जितनी बुरी आदतें थीं, उन्हें भी टीएमसी ने अपना लिया।

बंगाल चुनाव को लेकर पीएम मोदी ने कहा कि बंगाल की जनता ने राजनीति के ऐसे भयावह और तानाशाही मॉडल को पराजित किया है, इसलिए पूरे देश में उत्सव है।

उन्होंने आगे कहा, असम से ओडिशा और बंगाल से पुडुचेरी तक यह सिर्फ चुनावी विस्तार नहीं है, बल्कि भारत के राजनीतिक मानस में आए उस परिवर्तन का संकेत है, जहां जनता अब वंशवाद नहीं, विश्वासवाद चुन रही है। साथ ही उन्होंने दावा किया कि तेलंगाना में अगली सरकार भाजपा की होगी।

मोदी का तंज, बोले- कांग्रेस ने डीएमके को दिया धोखा

एक ओर थलपति विजय ने चेन्नई में नए सहयोगी राहुल गांधी के समर्थन से तमिलनाडु के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली, तो दूसरी ओर प्रधानमंत्री मोदी ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए उसे परजीवी पार्टी बताया।

कांग्रेस के अपने लंबे समय के सहयोगी डीएमके को छोड़कर टीवीके के साथ जाने के फैसले पर तंज कसते हुए पीएम मोदी ने बेंगलुरु में कहा, कांग्रेस एक परजीवी पार्टी बन गई है। ये लोग लूटे हुए पैसों के लिए आपस में लड़ रहे हैं। मौका मिलते ही ये अपने ही सहयोगी को धोखा देने को तैयार हैं। कांग्रेस ने शायद ही किसी पार्टी को धोखा न दिया हो। ऐसा कोई सगा नहीं, जिसे कांग्रेस ने ठगा नहीं।

पीएम मोदी ने बताया कि पिछले तीन दशकों में डीएमके ने कई बार कांग्रेस को संकटों से उबरने में मदद की है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस की सत्ता की लालसा ने उसे अपने सहयोगी को धोखा देने के लिए प्रेरित किया है।

उन्होंने यह भी कहा कि डीएमके ने यूपीए-1 और यूपीए-2 के सालों के दौरान कई बार कांग्रेस को संकट से बाहर निकाला था, लेकिन अब राजनीतिक हवा का रुख बदलने के बाद उसे धोखा दिया जा रहा है।

कर्नाटक में सुशासन में विफल

प्रधानमंत्री मोदी ने पार्टी पर आंतरिक सत्ता-संघर्ष और जनता के साथ विश्वासघात के चलते कर्नाटक में सुशासन देने में विफल रहने का आरोप भी लगाया। उन्होंने यह भी कहा कि बेंगलुरु से भगवा सूर्य का उदय हो रहा है, क्योंकि बीजेपी की राजनीतिक पहुंच पूरे देश में फैल रही है।

कांग्रेस पर लगाए आरोप

बीजेपी कार्यकर्ताओं की एक विशाल सभा को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने बीजेपी के नेतृत्व वाले एनडीए को राजनीतिक स्थिरता और विकास का प्रतीक बताया। पीएम मोदी ने इसकी तुलना कांग्रेस की विश्वासघात की राजनीति और प्रशासनिक विफलता से की। कर्नाटक का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने जन मुद्दों को सुलझाने की बजाय अपने आंतरिक विवादों को सुलझाने में अधिक समय लगाया। प्रधानमंत्री ने कहा, पिछले 3 सालों से कर्नाटक में, जनता की समस्याओं को हल करने के बजाय, सरकार का अधिकांश समय आंतरिक संघर्षों को सुलझाने में ही व्यतीत हुआ है। कांग्रेस सरकार नेतृत्व और सत्ता बंटवारे को लेकर अनिश्चितता में घिरी रही। पीएम मोदी ने कहा कि कांग्रेस नेतृत्व से जुड़े सवालों का समाधान नहीं कर पाई है। उन्होंने कहा, वे यह तय नहीं कर पा रहे हैं कि मुख्यमंत्री कब तक रहेंगे। वे यह भी तय नहीं कर पा रहे हैं कि किसी और को मौका मिलेगा या नहीं। सब कुछ अधर में लटका हुआ है।

रेवंत की...

ये पार्क आधुनिक, बड़े पैमाने वाले और एकीकृत परिसर के रूप में तैयार किए जा रहे हैं, जो पूरी मूल्य शृंखला को जोड़ते हैं। पीएम मित्र योजना भारत सरकार के 5एफ विजन - फार्म टू फाइबर टू फैक्ट्री टू फैशन टू फॉरेन को साकार करते हैं। परियोजना का उद्घाटन करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि वरंगल का यह पार्क देश में कपड़ा क्रांति को गति देगा और विशेष रूप से महिलाओं के लिए रोजगार के बड़े अवसर पैदा करेगा।

वंदेमातरम् ...

राहुल गांधी ने केंद्र सरकार की तरफ से लगाए गए उन आरोपों की कड़ी आलोचना की, जिसमें यह कहा गया था कि जवाहरलाल नेहरू के शासनकाल के दौरान कांग्रेस पार्टी ने सांप्रदायिक गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम् के कुछ अनुच्छेदों को हटा दिया था।

हालांकि, राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम् को लेकर जोर देने वाली भारतीय जनता पार्टी ने शनिवार (9 मई, 2026) को पश्चिम बंगाल में शुभेंदु अधिकारी के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ग्रहण के दौरान इस नियम का पालन नहीं किया था। पश्चिम बंगाल में शुभेंदु अधिकारी का मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ग्रहण एक ऐतिहासिक आयोजन था, क्योंकि यह पहली बार था जब राज्य में भाजपा के नेतृत्व में पहली बार सरकार बन रही थी। इस मौके पर खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह समेत कई अन्य भाजपा नेता भी उपस्थित रहे थे, लेकिन फिर भी कार्यक्रम से पहले वंदे मातरम् का पाठ नहीं किया गया।

विजय बने थलाइवर...

तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी और आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने श्री विजय को बधाई देते हुए अंतर-राज्यीय संबंधों को और मजबूत करने की उम्मीद जतायी।

वहीं अपने छोटे भाई को मुख्यमंत्री की कुर्सी पर देखते हुए श्री कमल हासन ने भावुक बधाई दी और इसे तमिल राजनीति के लिए क्रांतिकारी बदलाव बताया।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने भी श्री विजय को मुख्यमंत्री बनने पर बधाई देते हुए कहा कि एक जनप्रिय अभिनेता का मुख्यमंत्री के रूप में चुना जाना जनता के अटूट प्यार का प्रमाण है।

स्थानीय राजनीतिक हलकों में जबरदस्त समर्थन

तमिलनाडु के स्थानीय राजनीतिक हलकों में भी उन्हें जबरदस्त समर्थन मिल रहा है। निवर्तमान सरकार के प्रमुख चेहरों और विपक्षी नेताओं, जिनमें उदयनिधि स्टालिन, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष के. अन्नामलाई और नाम तमिलर कड़गम के सीमान ने भी श्री विजय को मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने पर बधाई दी है। फिल्मों के इलैया थलपति (युवा कमांडर) से अब प्रदेश के असली थलाइवर (प्रमुख) बने श्री विजय के कंधों पर अब तमिलनाडु के करोड़ों लोगों की उम्मीदों का भार है।

फिल्म जगत से शुभकामनाओं की बौछार

अभिनेताओं में आर. माधवन ने राज्य के नये मुख्यमंत्री विजय की एक तस्वीर साझा करते हुए उनके प्रति अपना गर्व व्यक्त किया। उन्होंने अपनी पोस्ट में लिखा, मेरे प्यारे भाई, आपको बहुत-बहुत शुभकामनाएं। मुख्यमंत्री के रूप में आपका कार्यकाल हमारे राज्य के लिए सबसे प्रभावशाली और फलदायी साबित हो। ईश्वर आपको वह शक्ति प्रदान करे, जिससे आप जनता की भलाई के लिए वे सभी कार्य कर सकें जो आप करना चाहते हैं।

वहीं, दिग्गज अभिनेता सत्यराज ने श्री विजय की जीत ऐतिहासिक बताते हुए लंबा नोट लिखा। उन्होंने कहा कि यह जीत उन लोगों के लिए मिसाल है, जो मुश्किल समय में भी अपने सिद्धांतों पर अडिग रहते हैं। उन्होंने इस सफलता को केवल राजनीतिक जीत नहीं, बल्कि तमिलनाडु के लिए एक नये रास्ते और नयी उम्मीद का जनादेश बताया। इनके अलावा अभिनेत्री पूजा हेगड़े ने उन्हें मुख्यमंत्री विजय सर कहकर संबोधित करते हुए अपनी शुभकामनाएं दीं हैं। जाने-माने अभिनेता प्रकाश राज ने भी एक्स पर पोस्ट साझा कर श्री विजय को नयी जिम्मेदारी के लिए बधाई दी और कामना की कि उनके शासन में राज्य और अधिक समृद्ध हो।

वहीं आरजे बालाजी ने श्री विजय और उनके मंत्रिमंडल को बधाई देते हुए खुशी जाहिर की। उन्होंने लिखा कि श्री विजय के नेक इरादों को देखते हुए वे एक ऐसी समावेशी और प्रगतिशील सरकार की उम्मीद कर रहे हैं, जो इस गौरवशाली राज्य को अगले स्तर पर ले जायेगी।

भारतीय संस्कृति में प्रतिदिन होता हैं मातृशक्ति का सम्मान : शुचि गुप्ता

हैदराबाद, 10 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में विश्व मदर्स डे के अवसर पर नामपल्ली स्थित स्टेट पब्लिक गार्डन पिलर नंबर 1265 ए के पास भव्य अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में जरूरतमंदों को भोजन वितरित कर मातृशक्ति के प्रति सम्मान और सेवा भावना का संदेश दिया गया।

इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए शुचि गुप्ता ने कहा कि भारतीय संस्कृति में मदर्स डे केवल एक दिन का उत्सव नहीं, बल्कि मातृशक्ति के प्रति प्रतिदिन श्रद्धा और सम्मान प्रकट करने की परंपरा है। मां केवल परिवार की आधारशिला ही नहीं होती, बल्कि संस्कार, प्रेम, त्याग और समर्पण की जीवंत प्रतिमूर्ति होती है। उन्होंने कहा कि मां के आशीर्वाद से ही परिवार, समाज और राष्ट्र मजबूत बनता है।

इस अवसर पर राम प्रकाश अग्रवाल, रोहित अग्रवाल, सुमन अग्रवाल, जगन गुप्ता, मनीष चिंडालिया, जय प्रकाश सारड़ा, प्रीतिका अग्रवाल, नंद किशोर अग्रवाल, जगत नारायण अग्रवाल, शुचि गुप्ता एवं ध्रुव गुप्ता सहित राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के अनेक सदस्य उपस्थित रहे।

विकास लवांडे पर शाई फेंकने की घटना संतों की सहिष्णु परंपरा पर हमला : कांग्रेस

पुणे, 10 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। राष्ट्रवादी कांग्रेस के प्रवक्ता एवं प्रवचनकार विकास लवांडे पर हुए शाई फेंकने के हमले की महाराष्ट्र कांग्रेस ने तीव्र निंदा की है। महाराष्ट्र कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता गोपालदादा तिवारी ने जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि यह हमला केवल विकास लवांडे पर नहीं, बल्कि छत्रपति शिवाजी महाराज, संत ज्ञानेश्वर और जगद्गुरु तुकाराम की सहिष्णु, संस्कारित और प्रगतिशील परंपरा पर हमला है।

तिवारी ने कहा कि स्वयं को वारकरी बताने वाले हमलावर संग्राम भंडारे ने इससे पहले भी कांग्रेस के वरिष्ठ नेता बालासाहेब थोरात को धमकियां देकर अपनी झुंडशाही मानसिकता का परिचय दिया था। उस समय भी जनआंदोलन के माध्यम से ऐसे कृत्यों का विरोध किया गया था।

उन्होंने आरोप लगाया कि महाराष्ट्र की संत-वारकरी परंपरा को कमजोर करने वाली अतिवादी प्रवृत्तियों को वर्तमान में राजाश्रय मिलने के कारण भंडारे, जगताप और राणे जैसी प्रवृत्तियों को बढ़ावा मिल रहा है। इसके

चलते महाराष्ट्र की सभ्य, सुसंस्कृत और सहिष्णु पहचान को धूमिल करने का प्रयास किया जा रहा है।

गोपालदादा तिवारी ने कहा कि संतों ने शारीरिक और मानसिक अत्याचार सहते हुए समाज में समानता, मानवता और सामाजिक समरसता की नींव रखी। छत्रपति शाहू महाराज, महात्मा ज्योतिबा फुले, डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर, आगरकर, महर्षि कर्वे और कर्मवीर भाऊराव पाटील जैसे समाजसुधारकों के योगदान से महाराष्ट्र प्रगतिशील और जागरूक बना, लेकिन अब उसे प्रतिगामी दिशा में ले जाने का प्रयास किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि वारकरी संप्रदाय प्रेम, भक्ति, सहिष्णुता और समानता का संदेश देता है, लेकिन इस घटना से स्पष्ट होता है कि कट्टर और हिंसक प्रवृत्तियां उसमें प्रवेश कर रही हैं। वारकरी परंपरा को ऐसी अनिष्ट प्रवृत्तियों से मुक्त करना समय की आवश्यकता है।

सत्ता में दिखाई दे रही फासीवादी मानसिकता : तिवारी

गोपालदादा तिवारी ने कहा कि संत ज्ञानेश्वर और संत तुकाराम को प्रताड़ित करने वाली फासीवादी मानसिकता आज सत्ता में दिखाई दे रही है। उन्होंने सवाल उठाया कि महायुति में शामिल स्वयं को धर्मनिरपेक्ष और प्रगतिशील बताने वाला अजित पवार गुट आखिर किन मजबूरियों में ऐसे घटनाक्रमों को सहन कर रहा है।

उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र की सांस्कृतिक विरासत, संत परंपरा और सामाजिक सौहार्द को बचाने के लिए समाज के सभी वर्गों को आगे आना होगा।

हिंदवी स्वराज्य को नए सिरे से स्थापित करने हर घर में शंभुराजे होना ज़रूरी

आज छत्रपति संभाजी महाराज जयंती पर विशेष

धर्म और मानवता के लिए नासूर बन चुके मुग़ल साम्राज्य की धज्जियां उड़ाकर छत्रपति शिवाजी महाराज द्वारा स्थापित हिंदवी स्वराज्य की नींव को मजबूत करने वाले धर्मवीर छत्रपति संभाजी महाराज की आज जयंती है।

छत्रपति शिवाजी महाराज द्वारा स्थापित स्वराज्य के रक्षक और उसी स्वराज्य के द्वितीय छत्रपति के रूप में भी धर्मवीरश्री की पहचान है। उनकी वीरता इसी बात से साबित होती है कि एक बार चंदनपुर नामक गाँव के लोगों की रक्षा हेतु वे बाघ से भिड़ गए और उन्होंने उसका जबड़ा फाड़ दिया।

छत्रपति शिवाजी महाराज के सबसे बड़े बेटे और स्वराज्य के छोटे स्वामीफ शंभुराजे (छत्रपति संभाजी महाराज) का पूरा चरित्र राष्ट्रभक्ति की प्रेरणा देता है। हिंदवी स्वराज्य को नए सिरे से स्थापित करने हर घर में शंभुराजे होना ज़रूरी है, क्योंकि जिस प्रकार छत्रपति संभाजी के समय देश के गद्दार थे, वैसे ही सपोले जयचंद इस मिट्टी में पल रहे हैं। देश की खुशहाली और धर्म की रक्षा हेतु उनका समूल नाश करना समय की आवश्यकता है।

स्वराज्य केसरी शिव छत्रपति का यह म शावकफ अपनी कुशाग्र बुद्धि, अनोखी बहादुरी और स्वराज्य के लिए कुर्बानी के लिए देश ही नहीं, बल्कि दुनिया के भी आदर्श राजाओं में से एक है। उन्होंने न्याय, अपनी प्रजा की भलाई और स्वराज्य के प्रति वफादारी की विरासत को बड़ी कुशलता से बनाए रखा और लोगों के मन में अपनी कामयाबियों की छाप छोड़ी। छत्रपति संभाजी महाराज का जन्म 14 मई 1656 को छत्रपति शिवाजी और उनकी पत्नी सईबाई के सबसे बड़े बेटे के रूप में हुआ था। मात्र दो वर्ष की आयु में ही अपनी माँ का आंचल खो चुके संभाजीराजे का लालन- पालन राजमाता जीजाबाई ने किया। जिन संस्कारों के साथ उन्होंने अपने बेटे शिवाजी को पाला था, वही संस्कार शंभूराजे को उनकी दादी राजमाता जीजाबाई ने दिए।

छत्रपति संभाजी महाराज का पूरा जीवन संघर्ष से भरा रहा। कम उम्र में ही उनकी माँ का देहांत हो गया, फिर जब वे शिवाजी महाराज के साथ आगरा में औरंगजेब के दरबार में थे, तो उन्हें जान पर बन आने वाले संकट का सामना करना पड़ा और जब शिवाजी महाराज औरंगजेब की कैद से आजाद हुए, तब उन्हें अपने पिता के विरह का सामना करना पड़ा। क्योंकि उनके पिता न केवल उनके जनक थे, बल्कि स्वराज्य के निर्माता या संस्थापक भी थे। 1680 में छत्रपति शिवाजी महाराज के निधन के बाद, संभाजीराजे गद्दी पर बैठे और स्वराज्य के दूसरे मछत्रपतिफ बने। इस महान और शक्तिशाली राजा का जीवन मुगलों और पुर्तगालियों से स्वराज्य के लिए खतरों और इससे भी ज़्यादा, अपने ही लोगों की साज़िशों से घिरा रहा। उन्हें ऐसे राजा के तौर पर जाना जाता है जो कभी एक भी जंग नहीं हारे। उन्होंने सिर्फ़ चौदह साल की उम्र में मबुधभूषणफ जैसा विद्वता का एहसास करने वाला ग्रंथ लिखा। वे कई भाषाएँ बहुत अच्छी तरह लिख, पढ़ और बोल सकते थे।

छत्रपति शिवाजी महाराज ने आम आदमी को स्वराज्य में सिर ऊंचा कर जीना सिखाया, तो उनके सुपुत्र ने उन्हें स्वराज्य और आत्म-सम्मान के लिए मरना और कुर्बानी देना सिखाया। आर्यावर्त की पावन धरा पर जन्मे इन पिता-पुत्रों का कर्ज कभी नहीं चुकाया जा सकता।

शिव छत्रपति के शरीर त्यागने के बाद, दक्कन जीतने के लिए महाराष्ट्र की धरती पर घुसा क्रूर मुगल बादशाह औरंगज़ेब इसी मिट्टी में दफन हो गया, लेकिन वह मराठों को हरा नहीं सका, इससे बड़ी मराठों की शौर्य गाथा क्या हो सकती है? शंभूराजे की प्रेरणा आज भी इस मिट्टी में, यहाँ के आसमान में मौजूद है और युगों युगों तक बनी रहेगी।

महान प्रताप पुरंदर, क्षत्रिय कुल के, महान तेजस्वी, महान शक्तिशाली, बुद्धिमान, चरित्रवान, विद्वान, मानवता और धर्म के रिपु मुगलों का नाश करने वाले योद्धा श्री श्री श्री छत्रपति संभाजी महाराज की जय। छत्रपति संभाजी महाराज को उनकी जयंती पर सादर नमन।

-एस. विक्रमराजू
हैदराबाद

कंपनी सचिवों के लिए देश की पहली क्रिकेट लीग म एचपीपीएल म का भव्य आगाज

हैदराबाद, 10 मई, 2026: शनिवार की रात हैदराबाद एक ऐतिहासिक पहल का गवाह बना, जब कंपनी सचिवों के लिए विशेष रूप से तैयार की गई देश की पहली कॉर्पोरेट बॉक्स क्रिकेट लीग, महैदराबाद प्रोफेशनल प्रीमियर लीग (एचपीपीएल) - सीजन 1फ का भव्य शुभारंभ और जर्सी लॉन्च किया गया।

पेशेवर कल्याण, एकता और नेतृत्व की भावना को बढ़ावा देने के उद्देश्य से शुरू की गई इस लीग में कुल 22 टीमें खिताब के लिए आपस में भिड़ेंगी।

इस अनूठी पहल की परिकल्पना चार पेशेवर कंपनी सचिवोंनवज्योत पुट्टापर्थी, विक्रम रेड्डी पालवई, भूपाल रेड्डी और छगन लालद्वारा की गई है। इस मंच का मुख्य लक्ष्य मानसिक स्वास्थ्य, पेशेवर बॉन्डिंग, फिटनेस और सामाजिक एकजुटता को बढ़ावा देना है। बिड़ला तारामंडल (इळअ‍ॅश्रर झश्ररपशींरअ‍ॅळीी) में आयोजित इस समारोह में 400 से अधिक कंपनी सचिवों और व्यापार जगत के दिग्गजों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में श्री ए. गोपाल रेड्डी, खझड (रिटायर्ड ृत्रझ) और विशिष्ट अतिथि के रूप में फिल्म अभिनेता सत्यम राजेश मौजूद रहे।

प्रतियोगिता की शुरुआत: 16 मई से लीग मैच शुरू होंगे। स्थान: फिटफोर्ट स्पोर्ट्स एरेना, मधुरा नगर। ग्रैंड फिनाले: 31 मई, 2026। आयोजक सीएस नवज्योत पुट्टापर्थी ने कहा, ङ्गङ्ग एचपीपीएल केवल क्रिकेट के बारे में नहीं है, बल्कि एक स्वस्थ और अधिक जुड़े हुए पेशेवर समुदाय के निर्माण के बारे में है। कॉर्पोरेट जगत के तनावपूर्ण माहौल को देखते हुए मानसिक स्वास्थ्य और नेटवर्किंग की आज सख्त जरूरत है। हमारा लक्ष्य अगले पांच वर्षों में विभिन्न पेशेवर समुदायों की 100 से अधिक टीमों को एक साझा मंच पर लाना है। विक्रम रेड्डी ने इस बात पर जोर दिया कि कंपनी सचिव कॉर्पोरेट प्रशासन के रक्षक होते हैं। जब वे शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ होंगे, तो वे अधिक प्रभावी ढंग से कार्य कर सकेंगे।

वर्तमान में तेलंगाना में लगभग 2,500 कंपनी सचिव हैं, जिनमें से 2,000 अकेले हैदराबाद में कार्यरत हैं। एचपीपीएल को एक दीर्घकालिक मंच के रूप में देखा जा रहा है जो भविष्य में अन्य पेशेवरों (जैसे उअ, वकील आदि) को भी जोड़ने की योजना बना रहा है। जर्सी लॉन्च के दौरान दिखा उत्साह यह दर्शाता है कि एचपीपीएल आने वाले समय में देश भर के पेशेवरों के लिए एक प्रेरणा बनेगा, जहां मप्रोफेशनफ और मपैशनफ का अद्भुत संगम देखने को मिलेगा।

मुडेली में अखंड हरि नाम सप्ताह कार्यक्रम श्रद्धा और भक्ति के साथ जारी

बांसवाड़ा, 10 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। गांधारी मंडल के मुडेली गांव स्थित हनुमान मंदिर में आयोजित अखंड हरि नाम सप्ताह कार्यक्रम श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ जारी है। कार्यक्रम के पांचवें दिन शनिवार को श्री हरिभक्त परायण चैतन्य महाराज (वडगांव) के भक्ति गायन ने उपस्थित श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया।इस अवसर पर चैतन्य महाराज ने संत तुकाराम महाराज द्वारा रचित चार चरणों वाले अभंग के महत्व पर संक्षिप्त प्रकाश डाला। उन्होंने श्रद्धालुओं को भगवान के नाम का निरंतर जप करने की प्रेरणा देते हुए कहा कि जो लोग अपना समय शास्त्रों के अध्ययन और भगवान के चिंतन में व्यतीत करते हैं, वही सच्चे अर्थों में श्रेष्ठ इंसान होते हैं।कार्यक्रम में गांव के बुजुर्गों सहित लक्ष्मण महाराज, गोला साई, मोगुलैया, सोपान, पोचैया, महिलाएं एवं युवा बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। इसके अलावा कोनापुर, सर्वपुर, सीताईपल्ली और गुंडे नेल्ली सहित आसपास के गांवों से भी श्रद्धालु कार्यक्रम में शामिल होकर धर्म लाभ प्राप्त कर रहे हैं।

पूरे वातावरण में भक्ति, नामस्मरण और आध्यात्मिक ऊर्जा का विशेष माहौल देखने को मिला।

बैंगलोर में विराजित उपप्रवर्तक पूज्य कमल मुनि जी महाराज साहब के दर्शन एवं वंदन करते हुए जैन रत्न संपतराज कोठारी, सुरेश जी धोखा एवं अन्य पदाधिकारी। इस अवसर पर सभी श्रद्धालुओं ने पूज्य गुरुदेव का आशीर्वाद प्राप्त कर धर्म लाभ लिया तथा समाज की सुख-समृद्धि एवं मंगलकामना की प्रार्थना की।

मातृशक्ति के सम्मान से ही समाज का विकास संभव : उमा डालमिया

हैदराबाद, 10 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। विश्व मदर्स डे के पावन अवसर पर राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में रविवार को इंडो अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल के सामने केबीआर पार्क पर नियमित अन्नदान सेवा कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान बड़ी संख्या में जरूरतमंदों एवं राहगीरों को प्रेमपूर्वक भोजन वितरण किया गया। पूरे कार्यक्रम में सेवा, संस्कार एवं मातृशक्ति के सम्मान का विशेष संदेश देखने को मिला।

इस अवसर पर उमा डालमिया ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि भारतीय संस्कृति में मां को भगवान से भी ऊंचा स्थान दिया गया है। मां केवल परिवार की आधारशिला ही नहीं बल्कि पूरे समाज को संस्कार, प्रेम और त्याग की भावना से जोड़ने वाली शक्ति है। उन्होंने कहा कि विश्व मदर्स डे हमें यह प्रेरणा देता है कि हम अपने जीवन में मातृशक्ति का सम्मान करें और महिलाओं को समान अधिकार एवं उचित सम्मान प्रदान करें। राधे-राधे ग्रुप समाज सेवा के साथ-साथ सामाजिक जागरूकता के कार्यों में भी निरंतर सक्रिय भूमिका निभा रहा है।

उमा डालमिया ने कहा कि आज के समय में जरूरत है कि समाज महिलाओं के प्रति सम्मान और संवेदनशीलता की भावना को और मजबूत करे। मातृशक्ति का सम्मान ही समाज और राष्ट्र को नई दिशा देने का कार्य करता है। उन्होंने राधे-राधे ग्रुप द्वारा नियमित रूप से किए जा रहे अन्नदान एवं सेवा कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि जरूरतमंदों की सेवा सबसे बड़ा पुण्य कार्य है।

कार्यक्रम में जगत नारायण अग्रवाल, मनीष अग्रवाल, जयप्रकाश सारड़ा, उमाकांतजी गुप्ता, उमा डालमिया, ई-जगन चंपापेट, निशा, नेहा, अहान, मनन, आर्यव, कैरा सहित राधे-राधे ग्रुप के अनेक सदस्य उपस्थित रहे।

सभी सदस्यों ने सेवा कार्य में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते हुए जरूरतमंदों को भोजन वितरण किया और मातृशक्ति के सम्मान का संदेश जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया।

कार्यक्रम का वातावरण पूरी तरह सेवा भावना, सामाजिक समर्पण एवं मानवता के मूल्यों से ओ-तप्रोत दिखाई दिया। अंत में राधे-राधे ग्रुप के सदस्यों ने भविष्य में भी इसी प्रकार समाज सेवा, अन्नदान एवं जनकल्याण के कार्य निरंतर जारी रखने का संकल्प व्यक्त किया।

भीषण गर्मी में सेवा परमो धर्म संस्था ने बांटा आम पन्ना

हैदराबाद, 10 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

भीषण गर्मी में लोगों को राहत पहुंचाने के उद्देश्य से सेवा परमो धर्म संस्था द्वारा अमृत धारा अभियान के तहत आम पन्ना वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह सेवा कार्य बालाजी स्वीट होम, आरपी रोड, बाटा के पास संपन्न हुआ।

कार्यक्रम में संस्था की सदस्या हेमा मुनोत, सविता जी एवं रम्या पवार की ओर से राहगीरों को 2500 ग्लास आम पन्ना वितरित किया गया। तेज गर्मी के बीच बड़ी संख्या में राहगीरों ने आम पन्ना ग्रहण कर संस्था के इस सेवा भाव की सराहना की।

संस्था के सदस्यों ने बताया कि गर्मी के मौसम में लोगों को ठंडक एवं राहत पहुंचाने के उद्देश्य से इस आयोजन का आयोजन किया गया। संस्था समय-समय पर सामाजिक सेवा एवं जनहित के कार्य करती रहती है।

राहगीरों ने संस्था के सभी सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वर्तमान समय में इस प्रकार के सेवा कार्य समाज के लिए प्रेरणादायक, अद्भुत एवं अनमोल हैं। लोगों ने संस्था के सेवा भाव एवं सामाजिक सरोकारों की प्रशंसा की। अंत में बबीता शर्मा ने सभी संस्था सदस्यों एवं लाभार्थियों का तहेदिल से आभार व्यक्त किया।

मोदी की जनसभा में शामिल होने बांसवाड़ा से बड़ी संख्या में पहुंचे भाजपा नेता व कार्यकर्ता

बांसवाड़ा, 10 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। सिकंदराबाद में आयोजित प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जनसभा में शामिल होने के लिए बांसवाड़ा शहर से भारतीय जनता पार्टी के नेता एवं कार्यकर्ता बड़ी संख्या में रवाना हुए। भाजपा समर्थक बसों में सवार होकर उत्साहपूर्वक जनसभा स्थल के लिए निकले।

इस दौरान भाजपा जिला महासचिव श्रीनिवास रेड्डी, भाजपा टाउन अध्यक्ष कोनाला गंगारेड्डी, भाजपा जिला सचिव शंकर गौड़, भाजपा पार्षद गजाला महेश, भाजपा टाउन महासचिव उमेश, भाजपा के पूर्व मंडल अध्यक्ष साईं बाबा, नसुराबाद मंडल अध्यक्ष हनुमानलू योगी सहित अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

इसके अलावा भाजपा नेता श्रीकांत शंकर वेंकट, साईं रेड्डी दत्तू, सचिन लक्ष्मण एवं अन्य भाजपा कार्यकर्ताओं ने भी जनसभा में भाग लेने के लिए प्रस्थान किया।

जनसभा में शामिल होने को लेकर भाजपा कार्यकर्ताओं में विशेष उत्साह देखने को मिला। रवाना होने से पूर्व कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के समर्थन में नारे लगाए तथा जनसभा को ऐतिहासिक बनाने का संकल्प व्यक्त किया।

इस वर्ष भी इंटरमीडिएट में प्रवेश प्रक्रिया पहले की तरह रहेगी जारी: रेवंत रेड्डी

हैदराबाद, 10 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने रविवार को अधिकारियों को निर्देश दिया कि इस वर्ष इंटरमीडिएट में प्रवेश प्रक्रिया सामान्य रूप से संचालित की जाए क्योंकि व्यापक परामर्श एवं विधायी चर्चा लंबित रहने तक स्कूल शिक्षा प्रणाली के साथ इंटरमीडिएट शिक्षा के प्रस्तावित विलय को स्थगित कर दिया गया है। इंटरमीडिएट शिक्षा को नियमित विद्यालय प्रणाली में एकीकृत करने के प्रस्ताव की समीक्षा करते हुए, मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रवेश के लिए सीमित समय और कई तकनीकी चुनौतियां वर्तमान में विलय प्रक्रिया को लागू करने में बाधा डाल रही हैं।

आज जारी एक आधिकारिक बयान में कहा गया कि श्री रेड्डी ने अधिकारियों को निर्देश दिया है कि छात्रों के हितों पर प्रतिकूल प्रभाव न पड़े, इसके लिए प्रवेश प्रक्रिया तुरंत शुरू की जाए। तेलंगाना शिक्षा आयोग ने पहले से मौजूद इंटरमीडिएट प्रणाली को समाप्त करने और सीबीएसई मॉडल के समान कक्षा 11 और कक्षा 12 को स्कूली शिक्षा संरचना के अंतर्गत प्रतिस्थापित करने की सिफारिश की थी। आयोग ने कहा था कि इस कदम से छात्रों के स्कूल छोड़ने की दर

में काफी हद तक कमी आ सकती है।

वर्तमान समय में तेलंगाना में इंटरमीडिएट शिक्षा की एक अलग प्रणाली है, जबकि अधिकांश अन्य राज्यों में कक्षा 11 और 12 नियमित विद्यालय संरचना का हिस्सा हैं। अधिकारियों के अनुसार, सरकारी स्कूलों से कक्षा 10 पूरी करने वाले बड़ी संख्या में छात्र अक्सर अलग से इंटरमीडिएट कॉलेजों में अपनी पढ़ाई जारी नहीं रखते हैं जिससे ड्रॉपआउट दर बढ़ जाती है।

इस पृष्ठभूमि में, श्री रेड्डी ने पहले अधिकारियों को सलाह दी थी कि वे इंटरमीडिएट पाठ्यक्रमों को कक्षा 11 और 12 के रूप में स्कूली शिक्षा संरचना में एकीकृत करने की संभावनाओं को तलाश करें। इंटरमीडिएट में दाखिले स्थगित होने की हालिया रिपोर्टों ने छात्रों एवं अभिभावकों में चिंता व्याप्त हो गई है। इसके बाद मुख्यमंत्री ने सांसद वेम नरेंद्र रेड्डी, मुख्य सचिव के. रामकृष्ण राव, प्रधान सचिव शेषाद्री, विशेष सचिव अजीत रेड्डी, सचिव माणिक राज और शिक्षा आयुक्त योगिता राणा से बातचीत की। मामले की समीक्षा करने के बाद, सरकार ने तकनीकी पहलुओं की विस्तृत जांच करने के लिए विलय प्रस्ताव को अस्थायी रूप से स्थगित करने का निर्णय लिया। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को प्रस्तावित परिवर्तनों पर सभी हितधारकों के साथ व्यापक परामर्श करने का निर्देश दिया। श्री रेड्डी ने यह भी सुझाव दिया कि तेलंगाना शिक्षा नीति तैयार करने के लिए गठित समिति इस मामले का अध्ययन करे एवं सिफारिशें प्रस्तुत करे। मुख्यमंत्री रेड्डी ने स्पष्ट किया कि विलय पर अंतिम निर्णय विधानसभा में चर्चा के बाद ही लिया जाएगा।

एआईवाईएफ ने पीएम मोदी के तेलंगाना दौरे के दौरान हुई एहतियातन गिरफ्तारियों की निंदा की

हैदराबाद, 10 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

ऑल इंडिया यूथ फेडरेशन (एआईवाईएफ) के प्रदेश महासचिव कल्लूरू धर्मेंद्र और प्रदेश अध्यक्ष डॉ सैयद वली उल्लाह कादरी ने रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के तेलंगाना और हैदराबाद दौरे की पृष्ठभूमि में राज्य सरकार और पुलिस की कथित मनमानी एहतियातन गिरफ्तारियों की कड़े शब्दों में निंदा की।

अपने बयान में एआईवाईएफ नेताओं ने आरोप लगाया कि लोकतांत्रिक अधिकारों के लिए लड़ने वाले युवा और नागरिक समाज संगठनों के नेताओं की एहतियातन हिरासत असंवैधानिक और लोकतांत्रिक सिद्धांतों के खिलाफ है।

उन्होंने सार्वजनिक मुद्दों को उठाने वाली आवाजों को दबाने के लिए पुलिस तंत्र का उपयोग करने के लिए राज्य सरकार की आलोचना की और कहा कि इस तरह की कार्रवाई 'तानाशाही प्रवृत्तियों' को दर्शाती हैं।

दोनों नेताओं ने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि कांग्रेस सरकार, जिससे लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा करने की उम्मीद थी, वह इसके बजाय जन आंदोलनों के खिलाफ दमनकारी उपायों का सहारा ले रही है। उन्होंने सवाल किया कि क्या कांग्रेस सरकार भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार की 'जन-विरोधी और युवा-विरोधी नीतियों' के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करने वाले युवा संगठनों के खिलाफ मामले दर्ज कर और उन्हें गिरफ्तार कर अप्रत्यक्ष रूप से भाजपा का समर्थन कर रही है।

एआईवाईएफ नेताओं ने चेतावनी दी कि गिरफ्तारियों और हिरासत के जरिये जन आंदोलनों को दबाया नहीं जा सकता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि संगठन लोगों के अधिकारों की रक्षा के लिए अपने संघर्ष को और तेज करेगा।

नायडू ने कुप्पम ब्लॉक पंचायत को राष्ट्रीय पंचायत पुरस्कारों में तीसरा स्थान मिलने पर बधाई दी

अमरावती, 10 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने कुप्पम ब्लॉक पंचायत को राष्ट्रीय पंचायत पुरस्कारों में तीसरा स्थान मिलने खुशी व्यक्त करते हुए कहा है कि विकास और समर्पण के मेल से ही ऐसे परिणाम संभव होते हैं।

श्री नायडू ने रविवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि यह बेहद गर्व की बात है कि कुप्पम ने नानाजी देशमुख सर्वोत्तम पंचायत सतत विकास पुरस्कार-2025 के तहत देश में तीसरा स्थान हासिल किया है और 1.50 करोड़ रुपये का नकद पुरस्कार जीता है। उन्होंने कहा कि कुप्पम ने यह साबित कर दिया है कि जब विकास के साथ समर्पण जुड़ जाता है, तो परिणाम कितने सुखद होते हैं।

मुख्यमंत्री ने इस सफलता के लिए जिम्मेदार प्रत्येक व्यक्ति को बधाई दी और कुप्पम के लोगों का आभार व्यक्त किया, जो सरकारी प्रयासों में पूर्ण सहयोग दे रहे हैं। उन्होंने आह्वान किया कि इसी उत्साह के साथ काम जारी रखा जाए ताकि कुप्पम निर्वाचन क्षेत्र को पूरे देश के लिए एक आदर्श के रूप में स्थापित किया जा सके।

उल्लेखनीय है कि पंचायती राज मंत्रालय ने गुरुवार को राष्ट्रीय पंचायत पुरस्कार 2025 के विजेताओं की घोषणा की है, जिसमें देश भर की कुल 42 पंचायतों का चयन किया गया है। इन पुरस्कारों का वितरण समारोह 03 जून 2026 को नयी दिल्ली में आयोजित किया जाएगा।

मंत्रालय के अनुसार, इन पुरस्कारों में कर्नाटक ने सर्वाधिक छह पुरस्कार हासिल किए हैं, जबकि आंध्र प्रदेश और ओडिशा ने पांच-पांच पुरस्कार जीतकर अपनी सक्रियता दर्ज कराई है। यह पुरस्कार दो मुख्य श्रेणियों-दीन दयाल उपाध्याय पंचायत सतत विकास पुरस्कार और नानाजी देशमुख सर्वोत्तम पंचायत सतत विकास पुरस्कार के तहत दिए जा रहे हैं।

विजेता पंचायतों को उनके स्तर और श्रेणी के आधार पर 50 लाख रुपये से लेकर पांच करोड़ रुपये तक की वित्तीय प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाएगी। नानाजी देशमुख सर्वोत्तम पंचायत सतत विकास पुरस्कार श्रेणी के तहत त्रिपुरा के सिपाहीजाला को सर्वश्रेष्ठ जिला पंचायत (प्रथम रैंक) चुना गया है, जिसे पांच करोड़ रुपये की पुरस्कार राशि मिलेगी। वहीं, ओडिशा के गंजम को दूसरा और तमिलनाडु के कोयंबटूर को तीसरा स्थान मिला है।

इसी श्रेणी में केरल के हरिपाद (अलाप्पुझा) को सर्वश्रेष्ठ ब्लॉक पंचायत और आंध्र प्रदेश के कुप्पम (चित्तूर) को तीसरा स्थान मिला है, जिसे 1.50 करोड़ रुपये का पुरस्कार दिया जाएगा। सर्वश्रेष्ठ ग्राम पंचायत का पहला पुरस्कार असम की न्यू नपम पंचायत को मिला है।

उल्लेखनीय है कि दीन दयाल उपाध्याय पंचायत सतत विकास पुरस्कार नौ अलग-अलग विषयों (थीम) पर आधारित हैं, जिनमें गरीबी मुक्त पंचायत, स्वस्थ पंचायत, बाल-हितैषी पंचायत और महिला-हितैषी पंचायत जैसे लक्ष्य शामिल हैं। इन पुरस्कारों का मुख्य उद्देश्य स्थानीय शासन में सुधार, बेहतर सेवा वितरण और ग्रामीण भारत में सतत विकास लक्ष्यों (एलएसडीजी) को प्रोत्साहित करना है। यह योजना राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान (आरजीएसए) का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.